संविधान सदन में टाइड्स ऑफ टाइम का.. 02


# राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

अक्षय ने वक्त फिल्म से सीखा जीवन... 11

वर्ष - 01, अंक - 359 | गाजियाबाद / गुरूवार 02 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

**ईंधन महंगाई का असरः**

## कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 218 रु. तक और प्रीमियम पेट्रोल 11 रु. महंगा

- होटल और रेस्टोरेंट में खाना जेब पर पड़ेगा भारी
- प्रीमियम डीजल के रेट भी डेढ़ रुपया लीटर बढ़े

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** देश में एक बार फिर कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बड़ी बढ़ोतरी देखने को मिली। तेल कंपनियों ने 1 अप्रैल से 19 किलो वाले गैस सिलेंडर के दाम में 195 रुपये से 218 रुपए तक ज्यादा का इजाफा कर दिया। इस बढ़ोत्तरी के साथ ही दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर के दाम 194 रुपये, चेन्नई में 203 रुपये, मुंबई में 196 रुपये और कोलकाता में 218 रुपये महंगा हो गया।

इस बढ़ोतरी के पीछे पश्चिम एशिया में जारी तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य वजह बताई जा रही हैं। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में इस बार कोई बदलाव नहीं किया गया। नई कीमतों का असर होटल, रेस्टोरेंट और छोटे कारोबारियों पर ज्यादा देखने को मिलेगा। हालांकि घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया। दिल्ली में 14.2 किलो का घरेलू गैस सिलेंडर अभी भी 913 रुपये में मिल रहा है। पिछली बार इसमें 7 मार्च को 60 रुपये की बढ़ोतरी हुई थी।

वहीं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने प्रीमियम ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी कर दी। 100 ऑक्टेन पेट्रोल (एक्सपी 100 पेट्रोल) की दिल्ली में कीमत 149 रुपये से बढ़ाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दी गई। वहीं, प्रीमियम डीजल 'एक्स्ट्रा ग्रीन' के दाम 91.49 रुपये से बढ़कर 92.99 रुपये प्रति लीटर हो गए। ये दरें आईओसीएल के आउटलेट्स पर लागू हैं।

तेल उद्योग से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम के रेट्स में भी बदलाव किया गया है, हालांकि उनकी कीमतें आईओसीएल से कुछ पैसे ऊपर-नीचे हो सकती हैं।

### विमान ईंधन पर लगेगा 50 रुपए प्रति लीटर अतिरिक्त उत्पाद शुल्क

- प्रस्ताव राज्यसभा में हुआ पारित

विमान ईंधन पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 50 रुपये प्रति लीटर बढ़ाने का प्रस्ताव बुधवार को राज्यसभा में पारित हो गया। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने प्रश्नकाल के बाद सदन में प्रस्ताव रखा कि इस संबंध में 26 मार्च 2026 को जारी अधिसूचना को मंजूरी प्रदान की जाए। सदन ने ध्वनिमत से प्रस्ताव को पारित कर दिया।

## जीएसटी संग्रह मार्च में 2 लाख करोड़ रुपए के पार

- 8.8 प्रतिशत का हुआ इजाफा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सकल जीएसटी संग्रह मार्च 2026 में सालाना आधार पर 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसकी वजह घरेलू अर्थव्यवस्था का मजबूत होना और आयात से जुड़े जीएसटी संग्रह में तेज वृद्धि होना है। यह जानकारी सरकार द्वारा बुधवार को दी गई। मार्च में सकल जीएसटी आय 2,00,064 करोड़ रुपए रही है, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने में यह 1,83,845 करोड़ रुपए थी। इस बढ़ोतरी की वजह आयात पर लगने वाले जीएसटी में 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी है।

हालांकि, घरेलू सामान पर लगने वाला जीएसटी में सालाना आधार पर 5.9 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अगर 22,074 करोड़ रुपए के रिफंड को हटा दिया जाए तो मार्च में शुद्ध जीएसटी संग्रह सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत बढ़कर 1,77,990 करोड़ रुपए हो गया है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए, सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष (वित्त वर्ष 2025) में यह 20.55 लाख करोड़ रुपए था। यह वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद मजबूत आर्थिक गतिविधि का संकेत देता है।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए शुद्ध जीएसटी संग्रह (रिफंड को हटाकर) 19.34 लाख करोड़ रुपए रहा, जो वित्त वर्ष 2024-25 की तुलना में 7.1 प्रतिशत अधिक है। इस बीच, उपकर संग्रह में महीने के दौरान भारी गिरावट दर्ज की गई और यह (-177) करोड़ रुपए पर नकारात्मक हो गया, जिसका मुख्य कारण अधिक रिफंड और समायोजन थे।

## हरियाणा के 6 व पंजाब के 7 जिलों में कल बारिश का ऑरेंज अलर्ट

- राजस्थान में ओलावृष्टि की आशंका

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** हरियाणा, पंजाब व राजस्थान सहित उत्तर भारत में कल यानी 3 अप्रैल से मौसम में एक बार फिर बदलाव होने वाला है। इस संबंध में भारत मौसम विभाग ने विशेष अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के चंडीगढ़ मौसम विज्ञान केंद्र के बुलेटिन के मुताबिक 3 अप्रैल को हरियाणा के महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल और मेवात में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। इसी प्रकार पंजाब के पठानकोट, गुरदासपुर,अमृतसर, तरनतारण, फिरोजपुर, कपूरथला व जालंधर में तेज हवाओं के साथ बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

कृषि मौसम विज्ञान विभाग चौधरी चरणसिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कृषि मौसम विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि हरियाणा राज्य में 5 अप्रैल तक मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील रहने की संभावना है। पश्चिमीविक्षोभ के आंशिक प्रभाव से 3 अप्रैल से 5 अप्रैल के दौरान राज्य में आंशिक बादलवाई तथा बीच बीच में हवाएं चलने की संभावना है। इस दौरान 3 व 4 अप्रैल को हवाओं व गरजचमक के साथ राज्य के ज्यादातर क्षेत्रों में बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना है। इस दौरान कुछ एक स्थानों पर मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना बन रही है। इस दौरान हवाओं में बदलाव आने से दिन के तापमान में ज्यादा बदलाव न होने व रात्रि तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने की संभावना है। वीरवार 2 अप्रैल को दोपहर बाद जैसलमेर, बाड़मेर, फलोदी व बीकानेर संभाग के जिलों व आसपास के क्षेत्र में आंधी बारिश की गतिविधियों में फिर से बढ़ोतरी होने की संभावना है।

## छह तेल टैंकरों में धमाके, लगी भीषण आग

- जम्मू के आरटीओ कार्यालय के पास हुआ हादसा

**जम्मू (एजेंसी)।** जम्मू शहर के बाहरी इलाके नरवाल स्थित क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के पास बुधवार को उस समय दहशत फैल गई, जब एक पार्किंग यार्ड में खड़े छह तेल टैंकरों में रहस्यमयी परिस्थितियों में भीषण आग लग गई। आग की तीव्रता इतनी अधिक थी कि ईंधन से भरे दो टैंकरों में जोरदार धमाके हुए, जिनकी गूंज से पूरा इलाका दहल उठा। पुलिस और दमकल विभाग के सूत्रों ने पुष्टि की है कि सूचना मिलते ही अग्निशमन दल की नौ गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत कार्य शुरू किया। गनीमत यह रही कि इस भयानक हादसे में अभी तक किसी के हताहत होने या घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

## सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के परिजनों से मिले सीएम

- घटना में शामिल दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी: धामी

**देहरादून (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर मुकेश जोशी के निधन पर उनके जोहड़ी, देहरादून स्थित आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री ने इस दौरान उनके परिजनों से भेंट कर शोक संवेदनाएं व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवारजनों को धैर्य प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में शामिल दोषियों पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि आम जनता की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। अधिकारियों को प्रदेश में ऑपरेशन प्रहार चलाकर अवांछित और हुड़दंग करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी भी मौजूद थे।

## चण्डीगढ़ में पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर धमाका

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** पंजाब एवं हरियाणा की संयुक्त राजधानी चंडीगढ़ में बुधवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब सेक्टर-37 स्थित पंजाब भाजपा मुख्यालय के बाहर एक स्कूटी में जोरदार धमाका हो गया। धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल विभाग और वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने पूरे क्षेत्र को तुरंत सील कर दिया और जांच शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, शाम करीब 4 बजे कार्यालय के बाहर खड़ी एक स्कूटी में विस्फोट हुआ। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी प्रकार का कोई जानी नुकसान नहीं हुआ है और भाजपा कार्यालय के अंदर भी कोई क्षति नहीं पहुंची है।

## अब यूजर अपना पुराना जीमेल एड्रेस आसानी से बदल सकेंगे

**कैलिफोर्निया (एजेंसी)।** गूगल ने घोषणा की है कि जीमेल यूजर अब अपने अजीब से यूजरनेम को आसानी से बदल सकते हैं और उपलब्ध नामों में से मनपसंद नाम चुन सकते हैं। गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुंदर पिचाई ने अपने आधिकारिक 'एक्स' एकाउंट पर इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि 2004 एक अच्छा साल था, लेकिन पुराने जीमेल एड्रेस पर ही अटके रहने का कोई कारण नहीं है।

पिचाई ने कहा कि यूजर अब सेटिंग में जाकर उपलब्ध नामों में से अपना पसंदीदा नाम चुन सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूजर दोनों नामों को भी रख सकते हैं और दोनों से लॉग इन कर सकते हैं। इस योजना का कार्यान्वयन धीरे-धीरे किया जा रहा है, इसलिए यह अभी सिर्फ अमेरिका के यूजर के लिए उपलब्ध है, लेकिन वक्त के साथ सभी उपभोक्ताओं तक यह सुविधा पहुंच जाएगी।

### ओरेकल ने 30 हजार कर्मचारी निकाले

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दुनिया के छठे सबसे अमीर कारोबारी लैरी एलिसन की टेक कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को निकाल दिया। इनमें 12 हजार कर्मचारी भारत के हैं। कर्मचारियों को सोमवार सुबह 6 बजे इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर मिले। इसमें लिखा मिला कि आज उनका लास्ट वर्किंग डे है। कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया। हालांकि कंपनी ने छंटनी की वजह नहीं बताई।

### लोकायुक्त नियुक्ति पर उत्तराखंड सरकार से प्रगति रिपोर्ट मांगी

**नैनीताल (एजेंसी)।** उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने प्रदेश में लोकायुक्त की नियुक्ति के मामले में सरकार से एक सप्ताह के अंदर प्रगति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। इस मामले आठ अप्रैल को सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश मनोज कुमार गुप्ता और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने हल्द्वानी निवासी रवि शंकर जोशी की ओर से दायर जनहित याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए ये निर्देश जारी किए।

### चंडीगढ़ प्रशासन के लिए मांगा एचसीएस अधिकारियों का पैनल

**चंडीगढ़ (एजेंसी)।** हरियाणा सरकार ने चंडीगढ़ प्रशासन में प्रतिनियुक्ति पर तैनाती के लिए हरियाणा सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) के अधिकारियों से सहमति मांगी है। इस संबंध में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की ओर से पत्र जारी किया गया। पत्र के अनुसार चंडीगढ़ प्रशासन ने राज्य सरकार से ऐसे एचसीएस अधिकारियों का पैनल भेजने का अनुरोध किया है, जिनकी सेवा में कम से कम पांच वर्ष की वरिष्ठता हो और जो प्रतिनियुक्ति पर कार्य करने के इच्छुक हों। राज्य सरकार को इस प्रक्रिया के तहत उपयुक्त वरिष्ठता वाले तीन अधिकारियों का पैनल तैयार करना है।

### IndiGo का बड़ा झटका! फ्लाइट टिकट अब 10,000 रुपये तक महंगी

**नई दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी एयरलाइन IndiGo ने अपने यात्रियों के लिए बड़ा फैसला लिया है। कंपनी ने 2 अप्रैल 2026 से डोमेस्टिक और इंटरनेशनल फ्लाइट्स पर फ्यूल चार्ज बढ़ा दिया है, जिससे हर नई बुकिंग पर टिकट की कीमत सीधे बढ़ जाएगी। IndiGo के इस फैसले के पीछे मुख्य वजह एविएशन टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में भारी उछाल है। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक महीने में जेट फ्यूल की कीमतों में 130% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। फ्यूल एयरलाइन की कुल ऑपरेटिंग लागत का लगभग 40% होता है। सरकार ने घरेलू उड़ानों के लिए अळऋकी कीमतों में केवल 25% की आंशिक बढ़ोतरी की अनुमति दी है।

## लेफ्टिनेंट जनरल सेठ बने सेना उप प्रमुख

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ ने बुधवार को सेना उप प्रमुख का पदभार ग्रहण किया। रक्षा मंत्रालय ने एक वक्तव्य जारी कर कहा कि खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व-छात्र धीरज सेठ को दिसंबर 1986 में बख्तरबंद कोर में कमीशन मिला था। लगभग चार दशकों के कार्यकाल में उन्हें विभिन्न भू-भागों और संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में असाधारण संचालन अनुभव हासिल है जिसमें आतंकवाद विरोधी अभियान भी शामिल हैं।

### यूपी फॉरेंसिक इंस्टीट्यूट करेगा साइबर सुरक्षा को मजबूत

**क्वांटम कंप्यूटिंग और फॉरेंसिक तकनीक से सीमापार हैकिंग और डीपफेक पर लगेगी ब्रेक**

**लखनऊ(एजेंसी)।** बदलते साइबर अपराध के खतरों को रोकने के लिए योगी सरकार ने लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस को वैश्विक स्तर का सुरक्षा कवच बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मीट माई मेन्टोर कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने बताया कि अब संस्थान में 500 से अधिक साइबर फॉरेंसिक वारियर तैयार किए जा रहे हैं, जो सीमापार हैकिंग, एआई जनित फिशिंग, वॉइस क्लोनिंग और डीपफेक जैसी नई तकनीकों के खतरों से निपटने में अहम भूमिका निभाएंगे। संस्थान के संस्थापक निदेशक डॉ. जी.के. गोस्वामी ने बताया कि यह संस्थान एक वन-स्टॉप सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां क्वांटम कंप्यूटिंग समेत हर अत्याधुनिक तकनीक का समाधान उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि आज की तैयारी ही भविष्य के नेतृत्व को तय करेगी और युवाओं को कानूनी, फॉरेंसिक और तकनीकी ज्ञान के साथ तैयार किया जाएगा। राष्ट्रीय क्वांटम मिशन के सदस्य डॉ. अजय सिंह ने कहा कि नए साइबर खतरों जैसे वॉइस क्लोनिंग और डीपफेक वीडियो से निपटने के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने चेताया कि अब ऐसे मालवेयर विकसित हो रहे हैं।

**मुख्यमंत्री की मौजूदगी में आईटीबीपी और औद्यानिक परिषद के बीच समझौता**

## स्थानीय किसानों को मिलेगा बाजार : पुष्कर सिंह धामी

- स्थानीय उत्पादकों और सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण यह कदम

**देहरादून (एजेंसी)।** मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास में वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अंतर्गत भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल और उत्तराखंड औद्यानिक परिषद के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य में तैनात भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की वाहिनियों को स्थानीय स्तर पर ताजे फल एवं सब्जियों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने इस पहल को राज्य के किसानों, स्थानीय उत्पादकों और सीमावर्ती क्षेत्रों के समग्र विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे एक ओर जवानों को गुणवत्तापूर्ण और पौष्टिक खाद्य सामग्री उपलब्ध होगी, वहीं दूसरी ओर किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में राज्य सरकार के संकल्प को मजबूती देगी और किसानों को विपणन के लिए एक स्थायी मंच प्रदान करेगी।

इस व्यवस्था के तहत चमोली, उत्तरकाशी, पिथौरागढ़ और चंपावत जैसे सीमावर्ती जिलों के साथ ही देहरादून में भी स्थानीय उत्पादों की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह समझौता सीमांत क्षेत्रों में किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहायक होगा तथा उन्हें बाजार तक पहुंचने में आने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। राज्य सरकार किसानों के हितों की रक्षा और जवानों के कल्याण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

इस अवसर पर कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री गणेश जोशी, सचिव कृषि एस.एन. पाण्डेय, आईजी आईटीबीपी मनु महाराज, अपर सचिव आनन्द श्रीवास्तव, निदेशक उद्यान एस.एल. सेमवाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्तराखंड औद्यानिक परिषद नरेन्द्र कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

### पहले भी समझौते के सकारात्मक परिणाम सामने आए

अधिकारियों के अनुसार, वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत पूर्व में भी राज्य सरकार और आईटीबीपी के बीच स्थानीय उत्पादों की खरीद को लेकर समझौते किए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। अब तक आईटीबीपी द्वारा लगभग 14 करोड़ 77 लाख रुपये के स्थानीय उत्पादों की खरीद की जा चुकी है। यदि आईटीबीपी अपनी वार्षिक मांग का 25 प्रतिशत फल एवं सब्जियां स्थानीय स्तर पर खरीदती है, तो इससे किसानों को करीब 6 करोड़ रुपये की अतिरिक्त आय हो सकती है।

## मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान के बाथरूम में मिले पेपर पर डेंजर लिखा... हड़कंप मच गया

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई एयरपोर्ट पर इंडिगो के एक विमान में संदिग्ध टिश्यू पेपर मिलने से हड़कंप मच गया। बाथरूम में पाए गए पेपर पर डेंजर लिखा हुआ था और नीचे खोपड़ी बनी थी। यह घटना तब हुई जब विमान अपनी अगली उड़ान के लिए तैयारी में था। मुंबई पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे विमान और इलाके की जांच की, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे जांच शुरू कर दी है। इसी बीच, लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के एक विमान की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। विमान बागडोगरा से दिल्ली जा रहा था और कॉकपिट के इलेक्ट्रिक पैनल (एवियोनिक्स बे) से धुआं निकलने के कारण सुरक्षा कारणों से लखनऊ की ओर मोड़ा गया। विमान शाम 5:18 बजे सुरक्षित रूप से उतरा। विमान में चालक दल के छह सदस्य और 142 यात्री शामिल थे। सभी को सुरक्षित रूप से बाहर निकाला गया। विमानन कंपनी ने यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए अन्य विमानों में जगह दी, कुछ को टिकट की पूरी रकम वापस की गई, और कई को होटल में ठहरने की सुविधा प्रदान की गई। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने बताया कि सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए चालक दल ने समय रहते विमान को लखनऊ में उतारा। दोनों घटनाओं ने हवाई सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित किया। मुंबई की घटना चेतावनी और सुरक्षा जांच की आवश्यकता दिखाती है, जबकि लखनऊ की घटना विमानन सुरक्षा और आपात स्थिति प्रबंधन की तत्परता को दर्शाती है। यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता रही और दोनों मामलों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

## मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत तलाक उसी तारीख से प्रभावी जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो कोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा है कि मुस्लिम पर्सनल लॉ के तहत जब कोई पति तलाक का एलान करता है तो तलाक उसी तारीख से प्रभावी माना जाता है, जिस तारीख को उसकी घोषणा की गई हो बशर्ते कि वह कानून के अनुसार वैध हो। एक मुस्लिम महिला द्वारा भरण-पोषण को लेकर दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका पर सुनवाई करते हुए अपने महत्वपूर्ण आदेश में टिप्पणी करते हुए कोर्ट ने कहा कि यह भी तय है कि जहां कोई पति तलाक देता है और बाद में उसी के संबंध में कोई आदेश पाने के लिए अदालत जाता है तो अदालत द्वारा दिया गया आदेश आमतौर पर केवल घोषणात्मक प्रकृति का होता है। यह केवल उस तलाक की स्थिति को मान्यता देता है या उसकी पुष्टि करता है जो पहले ही हो चुका होता है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि ऐसी परिस्थितियों में अदालत का आदेश फैसले की तारीख से कोई नया तलाक नहीं करता बल्कि केवल यह घोषित करता है कि क्या तलाक पहले ही वैध रूप से दिया जा चुका था। कोर्ट ने याची पत्नी को राहत देते हुए फैमिली कोर्ट द्वारा भरण-पोषण वाद को लेकर पारित आदेश को रद्द कर दिया। कोर्ट ने याची महिला की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए मामले को फैमिली कोर्ट को वापिस भेजने का आदेश दिया ताकि वो याची महिला के भरण-पोषण के दावे पर कानून के अनुसार दोनों पक्षों को सुनवाई का अवसर देने के बाद और कोर्ट द्वारा की गई टिप्पणियों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से और गुण-दोष के आधार पर निर्णय ले सकें।

## विजय के काफिले में सुरक्षा में गंभीर चूक... केंद्रीय गृह मंत्री शाह और केंद्रीय गृह सचिव को लिखा खत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में चुनाव प्रचार के दौरान अभिनेता और टीवीके प्रमुख विजय के काफिले की सुरक्षा में गंभीर चूक का मामला सामने आया है। इस बारे में विजय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय गृह सचिव को पत्र लिखकर हस्तक्षेप की मांग की है। 31 मार्च को लिखे पत्र में विजय ने 30 मार्च की उस घटना का उल्लेख किया, जब पेरम्बूर से नामांकन दाखिल करने के बाद कोलाथुर में अगले चुनाव प्रचार कार्यक्रम के लिए जा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि तभी उनके वीआईपी काफिले की सुरक्षित और सुचारु आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त पुलिस बल और यातायात प्रबंधन उपलब्ध नहीं कराया गया। अभिनेता से नेता बने विजय ने इस मामले को 'गंभीर और चिंताजनक' सुरक्षा चूक बताकर कहा कि वे केंद्र सरकार द्वारा प्रदान की गई 'वाई' श्रेणी की सुरक्षा के तहत एक संरक्षित व्यक्ति हैं। इसके बाद उनके काफिले के लिए तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन होना अनिवार्य था। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका पूरा चुनाव प्रचार कार्यक्रम चुनाव अधिकारियों से विधिवत अनुमति लेकर ही आयोजित किया गया था। पत्र में विजय ने उल्लेख किया कि वे 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में सक्रिय रूप से प्रचार कर रहे हैं और चेन्नई के पेरम्बूर तथा त्रिची पूर्व विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार हैं। इस तरह के संवेदनशील चुनावी माहौल में सुरक्षा में लापरवाही न केवल उनके लिए, बल्कि आम जनता के लिए भी खतरा पैदा कर सकती है। उन्होंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया कि इस घटना की जांच कर उचित कार्रवाई की जाए और भविष्य में उनके चुनाव प्रचार के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

## गोवा की अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को दी जमानत... लेकिन अभी रहना होगा जेल में

पणजी (एजेंसी)। गोवा के चर्चित नाइटक्लब अग्निकांड मामले में एक बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। गोवा की एक लोकल अदालत ने सौरभ और गौरव लूथरा को जमानत दे दी है, लेकिन इसके बावजूद वे फिलहाल जेल से रिहा नहीं हो पाएंगे। यह मामला बिर्च बाय रोमियो लेन नामक नाइटक्लब से जुड़ा है, जहां 6 दिसंबर 2025 को भीषण आग लगी थी। इस हादसे में करीब 25 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि करीब 50 लोग घायल हुए थे। घटना ने पूरे राज्य में सनसनी फैला दी थी और सुरक्षा मानकों पर गंभीर सवाल खड़े किए थे। मर्सिस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोनों आरोपियों को नियमित जमानत दी। उनके पक्ष में वरिष्ठ अधिवक्ता सुबोध कांतक ने पैरवी की। हालांकि, यह राहत अधूरी साबित हुई क्योंकि तभी एक अन्य मामले ने उनकी रिहाई पर रोक लगा दी। दरअसल, मापुसा पुलिस ने लूथरा बंधुओं को कथित जालसाजी के एक अलग मामले में हिरासत में ले रखा है। आरोप है कि उन्होंने नाइटक्लब के लिए आबकारी लाइसेंस हासिल करने हेतु फर्जी दस्तावेज और एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) का इस्तेमाल किया। इस मामले में उनकी अग्रिम जमानत याचिका पहले ही खारिज की जा चुकी थी। पिछले सप्ताह अदालत ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका को ठुकरा दिया था।

# यूसीसी का वादा कर असम में ध्रुवीकरण करने की कोशिश कर रही भाजपा : पवन खेड़ा

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने के भारतीय जनता पार्टी के वादे की आलोचना कर आरोप लगाया कि यह शासन संबंधी मुद्दों से ध्यान भटकाने की सोची-समझी एक चाल है। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने भाजपा पर चुनाव से पहले ध्रुवीकरण की रणनीति अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे इसतरह के मुद्दे उठाने की कोशिश करने वाले हैं, ताकि मतदाताओं का ध्यान भाजपा सरकार के असली झूठ से हटे और वे गुमराह हो जाएं। उन्हें असम चुनाव में ध्रुवीकरण करने की कोशिश करने दीजिए। लेकिन असम की जनता कभी ध्रुवीकृत नहीं होगी। कांग्रेस प्रवक्ता खेड़ा ने कहा कि वे सिर्फ गलत मुद्दे उठा रहे हैं, ताकि उनकी अपनी कमियों, उनके अपने भ्रष्टाचार और उनके अपने कुकर्मों पर किसी तरह की

चर्चा नहीं हो सके। दरअसल भाजपा ने 2026 के असम विधानसभा चुनावों के लिए घोषणापत्र जारी किया, इसमें 31 वादे शामिल हैं, जिसमें समान नागरिक संहिता का कार्यान्वयन और ओरुनोदोई योजना के तहत महिलाओं के लिए मासिक प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण को बढ़ाकर 3,000 रुपये करना शामिल है। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि भाजपा का लक्ष्य असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना है और उन्होंने उत्तराखंड और गुजरात का अनुसरण कर संविधान की छठी अनुसूची के तहत आने वाले क्षेत्रों और आदिवासी समुदायों को छोड़कर यूसीसी (उप-परिस्थिति नियंत्रण अधिनियम) को लागू करने का संकल्प लिया। सीएम सरमा ने कहा कि हम असम को सबसे उज्ज्वल राज्य बनाना चाहते हैं। हम आश्रित राज्य नहीं बनना चाहते, हम देश के निर्माण में भाग लेना चाहते हैं। हम छठी अनुसूची और अनुसूचित जनजाति क्षेत्रों को छोड़कर असम में यूसीसी लागू करने वाले है। हम लव जिहाद के खिलाफ कड़े कदम उठाएंगे। हम असम को बाढ़ मुक्त बनाने के प्रयास में पहले दो वर्षों में 18,000 करोड़ रुपये खर्च करने वाले है।

## कुवैत में जान गंवाने वाले 20 भारतीयों के पार्थिव शरीर विशेष विमान से पहुंचे कोच्चि

कोच्चि (एजेंसी)। कुवैत में अलग-अलग घटनाओं में अपनी जान गंवाने वाले 20 भारतीय नागरिकों के पार्थिव शरीर मंगलवार को केरल के कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध की स्थिति के कारण वैश्विक विमान सेवाओं में आए भारी व्यवधान के चलते इन शवों को वतन लाने की प्रक्रिया में काफी विलंब हुआ। कुवैत एयरवेज की विशेष उड़ान (केयू 5632) कोलंबो के रास्ते कोच्चि पहुंची। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि यह विमान विशेष रूप से केवल शवों को भारत लाने के लिए ही संचालित किया गया था और इसमें कोई अन्य यात्री सवार नहीं था। जानकारी के अनुसार, पिछले कुछ समय से कुवैत में विभिन्न प्राकृतिक और अन्य कारणों से जान गंवाने वाले इन भारतीयों के शव वहां फंसे हुए थे। हालांकि इन मौतों का वर्तमान युद्ध से कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं है, लेकिन इस क्षेत्रीय संघर्ष के कारण उड़ानों के शेड्यूल में आई दिक्कतों ने इस पूरी प्रक्रिया को काफी जटिल बना दिया था। विमान के लैंड करते ही सभी 20 पार्थिव शरीरों को उनके पैतृक स्थानों पर भेजने की त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी गई। मरने वालों में अधिकांश लोग केरल के कोझिकोड, अलाप्पुझा और कोट्टायम जिलों के निवासी थे। इसके अतिरिक्त, कुछ शवों को सड़क मार्ग से तमिलनाडु भी भेजा जाना है। हवाई अड्डे पर एम्बुलेंस और अन्य आवश्यक प्रबंध पहले से ही सुनिश्चित कर लिए गए थे ताकि परिजनों को और अधिक प्रतीक्षा न करनी पड़े। कुवैत में फंसे इन पार्थिव शरीरों की घर वापसी का मामला कूटनीतिक और लॉजिस्टिक कारणों से लंबे समय से लंबित था। अब सभी कानूनी और आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इन शवों को अंतिम संस्कार के लिए उनके शोक संतप्त परिजनों को सौंप दिया गया है। क्षेत्रीय तनाव के बीच इस मानवीय मिशन का सफल होना उन परिवारों के लिए एक बड़ी राहत है, जो हफ़्तों से अपने प्रियजनों के अंतिम दर्शन का इंतजार कर रहे थे।

## बीजू पटनायक पर दिए बयान पर बढ़ा विवाद.. सांसद निशिकांत दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी

नई दिल्ली। झारखंड की गोड्डा सीट से लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया था कि बीजू पटनायक 1960 में चीन के खिलाफ युद्ध के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी थे। बीजेपी सांसद दुबे के बयान पर काफी हंगामा हुआ। ओडिशा की विपक्षी पार्टी बीजेडी ने विधानसभा में खूब हंगामा किया। इतना ही नहीं, ओडिशा के भाजपा नेताओं ने को भी उनका बयान पंसद नहीं आया। अपने बयान पर हंगामा बढ़ता देख अब सांसद दुबे ने बिना शर्त माफी मांगी है। उन्होंने कहा, पिछले हफ्ता मीडिया से बात करते हुए मैनें नेहरु गांधी परिवार के कारनामों के क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भारत के अग्रणी नेताओं में स्थान रखने वाले आदरणीय बीजू पटनायक जी के संदर्भ में मेरी बातों से गलत अर्थ निकाला गया। नेहरु जी के ऊपर मेरे विचार को बीजू बाबू के ऊपर समझा गया। बीजू हमारे लिए हमेशा ऊंचे कद के स्टेट्समैन रहे हैं और रहने वाले हैं। मेरे वक्तव्य से यदि भावनाएं आहत हुई हैं, तब मैं बिना शर्त क्षमा चाहता हूं। दरअसल दुबे ने कहा था, अमेरिका ने तिब्बत पर चीन के कब्जे के डर से वहां अपनी सेना और सीआईए एजेंट भेजे थे। दलाई लामा और उनके भाई अमेरिकी सरकार के लगातार संपर्क में थे। नेहरू ने चीन से 1962 का पूरा युद्ध अमेरिकी धन और सीआईए एजेंटों के सहयोग से लड़ा था। ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिकी सरकार, सीआईए और नेहरू के बीच कड़ी का काम करते थे। सांसद दुबे ने कहा था कि ओडिशा का चारबतिया हवाई अड्डा, जिसमें बीजू पटनायक की महत्वपूर्ण भूमिका थी, यू2 विमानों का अड्डा था और इस हवाई अड्डे पर 1963 से 1979 तक अमेरिकी सेना तैनात थी। बता दें कि सोमवार को बीजेडी के सांसदों ने राज्यसभा में बीजू पटनायक के कथित अपमान का जोरदार विरोध किया, और इसका असर ओडिशा की सड़कों पर भी देखा गया, जहां युवाओं और छात्रों ने प्रदर्शन किया और भाजपा सांसद का पुतला फूंका। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री बीजू पटनायक के बारे में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की टिप्पणी के खिलाफ मंगलवार को राज्य विधानसभा में विपक्षी सदस्यों ने कड़ा विरोध जताया और उनके विरुद्ध निंदा प्रस्ताव पारित करने की मांग की।

## लोकसभा में 50फीसदी वृद्धि से उत्तरी राज्यों को फायदा, दक्षिण भारत को नुकसान

**-केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान, कांग्रेस ने इस कदम को बताया अन्यायपूर्ण**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** लोकसभा की कुल सीटों की संख्या में 50 फीसदी तक की वृद्धि करने के केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर घमासान शुरू हो गया है। कांग्रेस ने इस कदम को अन्यायपूर्ण और दक्षिण भारत के हितों के खिलाफ बताया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर दावा किया है कि मोदी सरकार महिला आरक्षण को लागू करने की पृष्ठभूमि में लोकसभा का आकार बढ़ाने के लिए एक विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। मीडियाचा रिपोर्ट के मुताबिक जयराम रमेश ने कहा कि प्रस्ताव के तहत लोकसभा की कुल सीटों में 50फीसदी की वृद्धि की जाएगी, जिसका सीधा असर हर राज्य को आवंटित सीटों पर पड़ेगा। कांग्रेस का तर्क है कि इससे उत्तरी राज्यों को तो भारी फायदा होगा, लेकिन दक्षिणी, पश्चिमी और पूर्वोत्तर के छोटे राज्यों का

संख्याबल कमजोर हो जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि अनुपात फिलहाल नहीं बदल सकता है लेकिन इसके गहरे निहितार्थ हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। रमेश ने कहा कि लोकसभा में कई राज्यों के मौजूदा संख्याबल के अंतर में किसी भी तरह की वृद्धि से दक्षिण भारतीय राज्यों को नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि उदाहरण के लिए वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 80 सीट हैं और तमिलनाडु में 39 सीट हैं। प्रस्तावित विधेयक के साथ यूपी की लोकसभा सीट की संख्या बढ़कर 120 हो जाएगी जबकि तमिलनाडु में अधिकतम 59 सीट हो पाएंगी। इसी तरह केरल में लोकसभा की 20 सीट बढ़कर 30 हो जाएंगी, जबकि बिहार में 40 से बढ़कर 60 सीट हो जाएंगी। कुल मिलाकर दक्षिणी राज्यों को 66 सीट का फायदा होगा जबकि उत्तरी राज्यों को 200 सीट का फायदा होगा। रमेश ने दावा किया कि पीएम मोदी एकतरफा कानून तैयार कर रहे हैं जिससे दक्षिण, पूर्वोत्तर और पश्चिम के छोटे राज्यों को नुकसान होगा।

## संविधान सदन में टाइड्स ऑफ टाइम का विमोचन, लोकसभा अध्यक्ष ने ऐतिहासिक चेतना को बताया राष्ट्र विकास की आधारशिला

**नई दिल्ली (शिखर समाचार)।** लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की शक्ति और उसके विकास की दिशा उसकी ऐतिहासिक चेतना से प्रभावित होती है। उन्होंने यह भी कहा कि जो राष्ट्र अपनी विरासत से जुड़े रहते हैं और उससे प्रेरणा लेते हैं, वे दृढ़ विश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर होते हैं। ये विचार उन्होंने संविधान सदन स्थित प्रिंसेस चैंबर में आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए, जहां भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन के साथ संयुक्त रूप से सांसद सुधा मूर्ति द्वारा लिखित कॉफी टेबल बुक टाइड्स ऑफ टाइम : संसद की भित्तिचित्रों के माध्यम से भारत का इतिहास का विमोचन किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री, वर्तमान एवं पूर्व सांसदों सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि

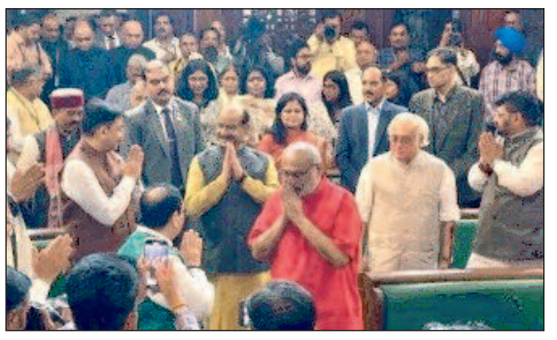

यह पुस्तक संसद भवन के भित्तिचित्रों में निहित भारत के समृद्ध इतिहास, संस्कृति और सभ्यतागत विरासत को जन-जन तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने उल्लेख किया कि संविधान सदन की दीवारों पर अंकित चित्र भारत की प्राचीन विरासत, स्वतंत्रता संग्राम और सांस्कृतिक समृद्धि की गौरवगाथा को सजीव रूप में प्रस्तुत करते हैं। यह कृति न केवल संसद की कलात्मक धरोहर को सामने लाती है, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों और राष्ट्रीय चेतना को भी सुदृढ़ करती है। ओम बिरला ने सुधा मूर्ति की लेखन शैली की सराहना करते हुए कहा कि वे जटिल ऐतिहासिक विषयों को सरल और संवेदनशील भाषा में प्रस्तुत करती हैं, जिससे विशेषकर युवाओं के लिए इतिहास को समझना आसान हो जाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों, सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अपने संबोधन में सुधा मूर्ति ने कहा कि युवाओं के साथ संवाद के दौरान उन्हें यह महसूस हुआ कि देश के इतिहास और विरासत के प्रति जागरूकता में कमी है, जो चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि इतिहास केवल तिथियों का संग्रह नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रक्रिया है, जो हमारी पहचान, मूल्यों और दृष्टिकोण को आकार देती है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि पूर्वजों के संघर्ष, बलिदान और उपलब्धियों को रोचक और प्रासंगिक तरीके से नई पीढ़ी तक पहुंचाना आवश्यक है, जिससे उनमें आत्मविश्वास और राष्ट्र के प्रति गौरव की भावना विकसित हो सके। कार्यक्रम में लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने स्वागत भाषण दिया और कहा कि इस पुस्तक के प्रकाशन से संसद की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत के दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। यह कॉफी टेबल बुक लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रकाशित की गई है।

## 'समुद्री पौधा' बताकर जैन व्यापारी को मछली खिलाने का आरोप, बाबा अशोक खरात की बढ़ीं मुश्किलें

**-यौन उत्पीड़न और आपत्तिजनक वीडियो मामले में पहले से हैं घिरे**

**पुणे (एजेंसी)।** अशोक खरात नामक स्वयंभू बाबा पर महाराष्ट्र में अब दिन-ब-दिन चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जांच में खुलासा हुआ है कि उन्होंने जैन समुदाय के व्यापारियों को धोखा देकर मछली को 'समुद्री पौधा' बताकर वर्षों तक उसका सेवन करवाया। यह धोके का कारोबार एक-दो दिन या महीने नहीं बल्कि छह साल तक चलता रहा।

जांच अधिकारियों के मुताबिक, एक 46 वर्षीय जैन व्यापारी करीब छह वर्षों तक खरात के संपर्क में रहा। इस दौरान वह नियमित रूप से धार्मिक अनुष्ठानों के लिए उनके पास जाता रहा और अनजाने में मछली खाता रहा। उसे यह विश्वास दिलाया गया था कि यह कोई जीव नहीं बल्कि समुद्र में उगने वाला पौधा है, जिससे व्यापार में उन्नति और समृद्धि आती है। आरोप है कि खरात ने अपने अनुयायियों को गुमराह करने के लिए दावा किया कि मछली में हड्डियां नहीं होतीं और वह खून भी नहीं बहाती, इसलिए उसे पौधे की तरह माना जा सकता है। इन दलीलों के जरिए उन्होंने कई लोगों से लाखों रुपये भी वसूले।

### धोखाधड़ी का बड़ा नेटवर्क

जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मामला सिर्फ धार्मिक आस्था से खिलवाड़ का नहीं, बल्कि एक सुनियोजित ठगी का हिस्सा है। कई बड़े व्यापारी भी उनके प्रभाव में आकर उनसे व्यापार और भविष्य को लेकर सलाह लेते थे।

### आपत्तिजनक वीडियो और यौन उत्पीड़न के आरोप

कथित बाबा के मामले ने उस समय और गंभीर रूप ले लिया, जब इससे जुड़े आपत्तिजनक वीडियो के प्रसार का मामला सामने आया। राज्यभर में 100 से अधिक केस दर्ज किए गए हैं, जबकि विशेष जांच टीम ने सोशल मीडिया से करीब 3,500 लिंक हटाए हैं। पुलिस के अनुसार, अशोक खरात को 17 मार्च को नासिक

से गिरफ्तार किया गया था। अब तक उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के 11 मामले दर्ज हो चुके हैं।

### जांच जारी, और खुलासों की संभावना

अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और आने वाले दिनों में और भी बड़े खुलासे हो सकते हैं। यह घटना धार्मिक आस्था के नाम पर होने वाले धोखे और अंधविश्वास को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती है।

## फीस भरने के लिए छात्र ने बेची किडनी, रकम के विवाद में हुआ बड़े अंतरराष्ट्रीय रैकेट का भंडाफोड़

**- सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ लेकिन मिले केवल साढ़े तीन लाख**

**- पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा**

**देहरादून (एजेंसी)।** उत्तराखंड की राजधानी देहरादून के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में एमबीए चतुर्थ सेमेस्टर की पढ़ाई कर रहे एक छात्र द्वारा अपनी फीस जमा करने के लिए किडनी बेचने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला आयुष कुमार नामक यह छात्र उस समय पुलिस की नजरों में आया जब किडनी निकालने के बाद सौदा करने वाले गिरोह ने उसे पूरी रकम नहीं दी और वह अपनी शेष राशि मांगने पुलिस के पास पहुंच गया। छात्र ने पुलिस को बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति खराब होने और पिता की आत्महत्या के बाद पढ़ाई छूटने के डर से

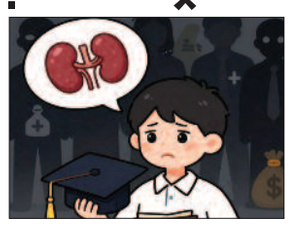

उसने यह घातक कदम उठाया। छात्र के मुताबिक, शुरुआत में सौदा नौ लाख रुपये में तय हुआ था, लेकिन ऑपरेशन के बाद आरोपियों ने केवल साढ़े तीन लाख रुपये ही दिए। जांच में सामने आया है कि आयुष करीब छह महीने पहले टेलीग्राम पर एक किडनी डोनर ग्रुप के संपर्क में आया था। वह पहले शिक्षा ऋण (लोन) लेकर फीस भरना चाहता था, लेकिन सफलता न मिलने पर उसने किडनी बेचने का निर्णय लिया। उसे डॉक्टर अफजल और डॉक्टर वैभव कानपुर लेकर आए थे, जहां उसका ऑपरेशन किया गया। हालांकि, पुलिस की जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पीड़ित छात्र खुद भी साइबर अपराधों से जुड़ा रहा है और उसने कई फर्जी म्यूल अकाउंट बनवाए थे, जिसकी जांच की जा रही है।

इस मामले की गहराई से पड़ताल करने पर पुलिस ने एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश किया है। कानपुर पुलिस ने इस सिलसिले में आईएमए की उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति आहूजा समेत पांच डॉक्टरों और एक दलाल को गिरफ्तार किया है। जांच के दौरान लखनऊ और नोएडा के कई बड़े अस्पताल भी पुलिस के रडार पर आ गए हैं, जहां गंभीर स्थिति होने पर मरीजों को अवैध रूप से शिफ्ट किया जाता था। एसीपी आशुतोष कुमार के अनुसार, इन अस्पतालों की भूमिका संदिग्ध है और जल्द ही कुछ और बड़ी गिरफ्तारियां संभव हैं। फिलहाल पुलिस फरार चल रहे दो अन्य डॉक्टरों और चार सहयोगियों की तलाश में जुटी है, जो इस अवैध मानव अंग व्यापार के नेटवर्क को संचालित कर रहे थे।

# डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया 14 करोड़ का माल बरामद, 25 ने किया सरेंडर

**चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले, इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल**

**बस्तर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ में नक्सली खात्मे की डेडलाइन के दिन नक्सलियों का छिपाया हुआ 14 करोड़ का माल बरामद हुआ है। बीजापुर में 25 नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इनसे मिले इनपुट के बाद ही 3 करोड़ कैश और 7 किलो गोल्ड बरामद हुआ। इसे अब तक का सबसे बड़ा डंप माना जा रहा है। इसी तरह चार जिलों में 34 नक्सलियों ने हथियार डाले। इसमें दंतेवाड़ा में पांच, सुकमा में दो और कांकेर में दो नक्सली शामिल हैं। पुलिस ने दंतेवाड़ा जिले को नक्सल मुक्त होने का दावा किया है। वहीं, कांकेर में अब भी 14 नक्सली सक्रिय हैं, पुलिस इनसे संपर्क की कोशिश कर रही है।

बीजापुर में दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के 25 नक्सलियों ने 93 हथियारों के साथ सरेंडर किया है। इसमें 12 महिला माओवादी कैडर शामिल हैं। सभी पर 1.47 करोड़ का इनाम घोषित किया गया था। इनमें मंगल कोरसा ऊर्फ मोटू, आकाश ऊर्फ फागु उईका, डीवीसीएम शंकर मुचाकी, एसीएम राजू रैयाम ऊर्फ मुन्ना, एसीएम पाले कुरसम जैसे बड़े नक्सली शामिल हैं। मंगल 8 लाख का इनामी रहा है और 12 बड़ी घटनाओं में शामिल है। शंकर मुचाकी (33) भी 8 बड़े वारदातों में शामिल रहा। पाले कुरसम पांच घटनाओं में शामिल था।

जिले में 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 मार्च 2026 तक कुल 1003 माओवादी कैडरों ने सरेंडर किया है। इसके पहले 5.37 करोड़ का डंप मिला था, जिसमें 1.64 करोड़ का 1 किलो सोना और 3.73 करोड़ कैश था। इस प्रकार अब तक 19.43 करोड़ का डंप मिला है। जिसमें 6.63 करोड़ कैश और 12.80 करोड़ का 8.20 किग्रा सोना शामिल है। दंतेवाड़ा पुलिस लाइन कारली में 31 मार्च को 'पूना मारगेम-पुनर्वास से पुनर्जीवन' अभियान के तहत सरेंडर कार्यक्रम हुआ। इसमें दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े पांच नक्सली मुख्यधारा में लौटे हैं। इनमें 4 महिला कैडर शामिल हैं।

पुलिस ने अलग-अलग ऑपरेशन के दौरान इंसास, एसएलआर, कार्बाइन, लॉन्चर समेत कई हथियार भी बरामद किए हैं। एसपी ने दावा किया है कि अब दंतेवाड़ा जिला भी नक्सल मुक्त हो चुका है। यहां की आबो हवाओं में अब हिंसा नहीं बल्कि अमन, चैन और शांति महसूस की जा सकती है। सुकमा में दो महिला नक्सलियों ने सरेंडर किया है। इन पर 8-8 लाख का इनाम था। वे माओवादी कैडर के रैंक कंपनी के सदस्य है, सुकमा के ही रहने वाली है। सरेंडर के बाद इनसे मिले इनपुट के बाद हथियारों और पांच लाख कैश का बड़ा डंप भी मिला है।

# कचरा पृथक्करण : टीम को मोटिवेट करने के लिए नगर आयुक्त की अध्यक्षता में हुई बैठक

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** नगर निगम कचरा निस्तारण के लिए कार्य कर रहा है। पांचों जोन में कचरा पृथक्करण तथा कचरा निस्तारण के लिए स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन का संचालन हो रहा है। गीले कचरे को अलग करने तथा सूखे कचरे को अलग करने को शहर की आदत बनने के लिए जन जागरूकता अभियान नगर निगम चला रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने स्वास्थ्य विभाग टीम के साथ कचरा पृथक्करण तथा कचरा निस्तारण के लिए विशेष बैठक की, जिसमें वरिष्ठ प्रभारी स्वास्थ्य अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर मिथिलेश, समस्त जॉन के सफाई एवं खाद्य निरीक्षक व एसबीएम टीम उपस्थित

रही। स्वच्छता में सहयोग के लिए कई सामाजिक संस्थाएं भी बैठक में उपस्थिति रही। बैठक में हर घर को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक करने के कार्यों पर चर्चा की गई। हर घर अलग-अलग डस्टबिन व गीले कचरे का अलग और सूखे कचरे का अलग रखने के लिए टीम को सफाई मित्रों के सहयोग से अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक वार्ड में पार्षदों के सहयोग से कचरा निस्तारण और कचरा पृथक्करण को लेकर जन जागरूकता अभियान चलाए जाएं। डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन

समय से किया जाए। नगर स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि शहर से निकलने वाले कचरे का निस्तारण करने के लिए और कचरा पृथक्करण करने के लिए कार्यवाही निरंतर जारी है, जिसमें सभी जोन अंतर्गत लगे हुए प्लांट और गार्बेज फैक्ट्री के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। कार्य करने के लिए आधुनिक मशीन भी लगी हुई है। सिटी जोन में सिहानी और रेत मंडी गार्बेज फैक्ट्री के माध्यम से कचरा पृथक्करण का कार्य जारी है। विजयनगर में अकबरपुर बहरामपुर ट्रांसफर स्टेशन से कचरा पृथक्करण की कार्यवाही की जा रही है। मोहन नगर में राजेंद्र नगर ट्रांसफर स्टेशन के माध्यम से कचरा पृथक्करण और कचरा निस्तारण के लिए कार्यवाही की जा रही है। कवि नगर जोन अंतर्गत गोविंदपुरम में स्थापित स्मार्ट ट्रांसफर स्टेशन के माध्यम से कार्य चल रहा है। वसुंधरा जोन में साहिबाबाद साइट पर क्षेत्र में स्थापित गार्बेज फैक्ट्री के माध्यम से गीला कचरा अलग तथा सूखा कचरा अलग करने का कार्य किया जा रहा है। हर घर को गीला कचरा और सूखा कचरा अलग-अलग करने के लिए डस्टबिन रखने के लिए मोटिवेट भी किया जा रहा है। आवश्यकता अनुसार टीम को प्रशिक्षण देने का कार्य भी किया जा रहा है।

## बालाजी शोभा यात्रा में बड़ा हादसा: ट्रैक्टर ट्रॉली पलटी, 6 घायल, दो गंभीर रैफर

**खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)।** नगर में निकल रही बालाजी शोभा यात्रा के दौरान उस समय अफरा तफरी मच गई, जब जीटी रोड स्थित हनुमान मंदिर के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक अनियंत्रित होकर संतुलन खो बैठी। देखते ही देखते ट्रॉली की चपेट में आने से दो कलाकारों सहित कुल 6 लोग घायल हो गए। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने राहत कार्य शुरू किया और घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खतौली पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सकों के अनुसार, घायलों में से दो की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बेहतर उपचार के लिए उच्च

चिकित्सा केंद्र रेफर किया गया है। घायलों में तनिष निवासी भूड़ खतौली, हिमांशु निवासी लाल कुर्ती मेरठ, विमल निवासी भूड़ खतौली, मन्नत निवासी संजय नगर मेरठ, शिल्पा निवासी नगला भट्टू साकेत मेरठ तथा नेहा शामिल हैं। सभी घायलों को पहले सीएचसी में भर्ती कराया गया, जहां से नेहा और एक अन्य घायल को गंभीर स्थिति में रेफर किया गया। घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई, जिससे कुछ समय के लिए यातायात भी बाधित रहा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए यातायात सुचारु कराया। प्रशासन द्वारा हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही घायलों के परिजन भी मौके पर पहुंच गए और सभी का हालचाल लिया।

## गैस सिलेंडर घोटाले का खुलासा : 14 एजेंसियों पर छापा, रिकॉर्ड में सैकड़ों जमीन पर खाली गोदाम

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** जिले में घरेलू गैस सिलेंडर आवंटन में बड़े घोटाले का खुलासा होने से प्रशासन में हड़कंप मच गया है। जिलाधिकारी के निर्देश पर इंडेन कंपनी की 14 गैस एजेंसियों पर की गई छापेमारी में रिकॉर्ड और वास्तविक स्टॉक के बीच भारी अंतर सामने आया।

जांच के दौरान कई एजेंसियों के रिकॉर्ड में सैकड़ों सिलेंडर उपलब्ध दिखाए गए, लेकिन मौके पर गोदाम लगभग खाली मिले। एक एजेंसी पर तो रिकॉर्ड में करीब 500 सिलेंडर दर्ज थे, जबकि वास्तविकता में केवल 14 सिलेंडर ही पाए गए।

सूत्रों के अनुसार, जांच में शामिल 13 एजेंसियां लगभग ह्यड्राईड्ड स्थिति में पाई गईं, जबकि एक एजेंसी पर उलटी स्थिति सामने आई रिकॉर्ड में कम स्टॉक दिखाया गया, लेकिन गोदाम सिलेंडरों से भरा हुआ मिला। यहां तक कि एक ट्रक सिलेंडरों से लदा खड़ा मिला, जिसे उतारने तक की जगह नहीं थी।

जिले में गैस की कमी के चलते

उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोग घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौटने को मजबूर हैं। कई घरों में चूल्हे ठंडे पड़ चुके हैं, वहीं छोटे कारोबारियों का कामकाज भी प्रभावित हो रहा है।

जांच में यह भी सामने आया कि कंपनियों द्वारा अधिकारियों को फर्जी रिपोर्ट भेजकर गुमराह किया जा रहा था। रिकॉर्ड में पर्याप्त स्टॉक दिखाकर यह दावा किया जा रहा था कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है।

सूत्रों का कहना है कि गैस एजेंसियों और संबंधित कंपनियों की मिलीभगत से सिलेंडरों की कालाबाजारी की जा रही थी। यही कारण है कि उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलेंडर 1500 से 3000 रुपये तक में खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। पूरा मामला तब उजागर हुआ जब पिलखुवा क्षेत्र में चल रहे पुलिस प्रशिक्षण के दौरान गैस आपूर्ति बाधित हुई। एजेंसी द्वारा स्टॉक खत्म होने की बात कहने पर अधिकारियों ने रिकॉर्ड की जांच की, जिसमें भारी विसंगति सामने आई। इसके बाद तत्काल कार्रवाई करते हुए सभी एजेंसियों का भौतिक सत्यापन कराया गया। प्रशासन अब पूरे मामले में सख्त कार्रवाई की तैयारी में है और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं।

## जीडीए का बड़ा एक्शन : लोनी और करहेड़ा में अवैध वेयरहाउसों पर चला पीला पंजा, भारी विरोध के बीच कई निर्माण सील

**आरव शर्मा**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने अवैध निर्माण और बिना मानचित्र स्वीकृति के फल फूल रहे काले कारोबार के खिलाफ बुधवार को निर्णायक कार्रवाई की। उपाध्यक्ष के सख्त निदेर्शों के अनुपालन में प्रवर्तन जोन 08 की टीम ने लोनी और करहेड़ा क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए कई अवैध वेयरहाउसों और व्यावसायिक निमार्णों को पूरी तरह सील कर दिया। इस दौरान निर्माणकताओं और स्थानीय लोगों की भारी भीड़ ने कार्रवाई को रोकने का प्रयास किया, लेकिन भारी पुलिस बल के आगे उनकी एक न चली।

**बिना नक्शे के खड़े कर दिए थे वेयरहाउस**

प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन 08 के प्रभारी के नेतृत्व में चली इस मुहिम में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम, 1973 की धाराओं के तहत कार्रवाई की गई। जांच में पाया गया कि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बिना किसी तकनीकी स्वीकृति और मानचित्र पास कराए वेयरहाउसों का संचालन किया जा रहा था।

**इन निमार्णो पर गिरा गाज**

**सीलिंग की कार्रवाई मुख्य रूप से निम्नलिखित स्थलों पर की गई:**

करहेड़ा (खसरा सं. 3050) अशोक और मास इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित अवैध परिसर।

रामपार्क मेन (ई 1): मोनू सिंह, संजय चौहान, सुशील त्यागी और सतेन्द्र चौहान द्वारा बिना अनुमति निर्मित वेयरहाउस।

पुस्ता सर्विस रोडः निमित लोथरा, जितेन्द्र चौहान और अनिल द्वारा किए गए अवैध निमार्णों को भी विभाग ने कब्जे में

लेकर सील कर दिया।

**हंगामे के बीच जारी रही कार्यवाही**

जैसे ही जीडीए का दस्ता और पुलिस बल मौके पर पहुँचा, निर्माणकताओं ने काम रोकने के लिए भारी विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर तीखी नोकझोंक और हंगामे की स्थिति बनी रही। हालांकि, प्राधिकरण के पुलिस दस्ते और क्षेत्रीय पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित किया और विरोध के बावजूद सीलिंग की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

**अभियान रहेगा जारी**

जीडीए अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह केवल शुरूआत है। शहर के नियोजित विकास में बाधा डालने वाले और सरकारी नियमों को ताक पर रखकर कॉलोनी काटने या निर्माण करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। आगामी पूरे माह ध्वस्तीकरण और सीलिंग का यह विशेष अभियान निरंतर जारी रहेगा।

कार्रवाई के दौरान प्रवर्तन जोन 08 का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे असामाजिक तत्व कार्रवाई में बाधा न डाल सकें।

## शिवा प्राथमिक पाठशाला में शिक्षा का उत्सव : स्कूल चलो अभियान रैली के साथ बच्चों का भव्य स्वागत

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** नगर क्षेत्र स्थित शिवा प्राथमिक पाठशाला में नए शैक्षणिक सत्र के प्रथम दिन शिक्षा का उत्साहपूर्ण माहौल देखने को मिला। विद्यालय में बच्चों का स्वागत फूल मालाओं से किया गया तथा स्कूल चलो अभियान के तहत जागरूकता रैली निकालकर अभिभावकों और आमजन को शिक्षा के प्रति प्रेरित किया गया। रैली के दौरान छात्र छात्राओं ने हाथों में स्लोगन लिखी तख्तियां लेकर जोशीले नारे लगाए। अध्यापकों ने भी लोगों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नामांकन सरकारी स्कूलों में कराएं और सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाएं। इस अवसर पर निष्ठा ग्रुप के चेयरमेन कौशल किशोर गोयल ने बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आने और पढ़ाई को घर पर भी दोहराने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान कक्षा 1 से 5 तक के मेधावी विद्यार्थियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर मेडल व परीक्षाफल वितरित किए गए। साथ ही उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य बच्चों को भी सम्मानित किया गया। सभी छात्र छात्राओं को नई पाठ्य पुस्तकें वितरित कर नए सत्र की शुरूआत को

यादगार बनाया गया। कार्यक्रम में मीनाक्षी गोयल, शीतल त्यागी, प्रधानाध्यापिका डॉ. सुमन अग्रवाल, एसएमसी अध्यक्ष गीता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं डॉ. हरजीत कौर, नीतू नारंग, लक्ष्मी शर्मा, सुमन और सोनम समेत विद्यालय स्टाफ ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## नगर में निकाली गई 15वीं श्री बालाजी शोभा यात्रा, भक्ति में डूबा माहौल

**खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)।** हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर नगर

में 15वीं श्री बालाजी शोभा यात्रा भव्य रूप से निकाली गई। इस दौरान नगर के विभिन्न मंदिरों एवं प्रमुख स्थानों को आकर्षक ढंग से सजाया गया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्सव का माहौल बना रहा। शोभा यात्रा का आयोजन श्री बालाजी युवा संगठन द्वारा किया गया। यात्रा मीरापुर रोड स्थित राजेश फार्म से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई आगे बढ़ी। रास्ते में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं और सामाजिक संगठनों ने शोभा यात्रा का भव्य स्वागत किया। शोभा यात्रा के दौरान आकर्षक झांकियां, भक्तिमय संगीत और हनुमान जी के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिरस में सराबोर हो गया। बड़ी संख्या में श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए और भक्ति भाव के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। कार्यक्रम संयोजक मुकेश अग्रवाल ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में पूरी टीम ने समर्पित भाव से कार्य किया। इस अवसर पर संगठन अध्यक्ष उत्तम कुमार, सचिव सोनू ठाकुर, कोषाध्यक्ष राजकुमार रोहेला, संगठन मंत्री प्रवीण वागड़ी, उपाध्यक्ष प्रमोद धीमान, उप सचिव आशीष कुमार जोनी, उप कोषाध्यक्ष सचिन कुमार, उप संगठन मंत्री संजय सनातन सहित नगरवासियों का विशेष सहयोग रहा।

## सीएमओ ने अंतरा इंजेक्शन के नए वर्जन का किया शुभारंभ

**कैराना/शामली (शिखर समाचार)।** कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवार नियोजन कार्यक्रम के अंतर्गत अंतराल विधियों में उपयोग होने वाले अंतरा इंजेक्शन के नए संस्करण अंतरा सब क्यूटेनियस का शुभारंभ मुख्य चिकित्साधिकारी शामली अनिल कुमार द्वारा किया गया। इस अवसर पर तीन लाभार्थी महिलाओं को इंजेक्शन की पहली खुराक प्रदान की गई। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएमओ ने उपस्थित

चिकित्साधिकारियों, स्वास्थ्य कर्मियों और आमजन को परिवार नियोजन के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित परिवार नियोजन अभियान में सक्रिय भागीदारी कर इसे सफल बनाने का आह्वान किया। इस मौके पर सीएचसी कैराना के चिकित्साधीक्षक डॉ. शैलेंद्र चौरसिया, डॉ. विजय राणा, जिला कार्यक्रम प्रबंधक आशुतोष श्रीवास्तव, बीसीपीएम आरिश खान सहित चिकित्सा स्टाफ और लाभार्थी महिलाएं मौजूद रहीं।

## ट्रैफिक विभाग में उत्कृष्ट वर्दी धारण करने वाले पुलिस कर्मियों को मिलेगी प्रोत्साहन राशि : पुलिस आयुक्त

> पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने बताया कि बैठक में दिए गए आदेशों का सख्ताई से पालन करने के आदेश ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों को दिए गए हैं। ऐसा करने से जन सुरक्षा, यातायात सुगमता और अनुशासन का पालन किया जा सकेगा।
>
> **जे. रविंदर गौड़, पुलिस आयुक्त, कमिश्नरेट गाजियाबाद**

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** दिल्ली से सटे गाजियाबाद में यातायात व्यवस्था को मजबूत करने के लिए बुधवार को पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ की अध्यक्षता में ट्रैफिक विभाग की बैठक हुई। बैठक में पुलिस आयुक्त ने आदेश दिया कि गाजियाबाद के प्रत्येक जोन में उत्कृष्ट वर्दी धारण करने वाले 1 उपनिरीक्षक/1 मुख्य आरक्षी और 1 आरक्षी का प्रत्येक महीने चयन करते हुए 1 हजार की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। इतना ही नहीं ट्रैफिक विभाग के दूसरे पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित करने के लिए चयनित किए गए पुलिस कर्मियों की फोटो ट्रैफिक विभाग के कार्यालय पर नोटिस बोर्ड पर लगाई जाएगी। खास बात यह है कि जाममुक्त करने के लिए 15 जगहों को चिन्हित करते हुए 6 जगहों को जाममुक्त किया जा चूका है। इसी कड़ी में पुलिस मुख्यालय मीटिंग हॉल में हुई बैठक में पुलिस आयुक्त ने ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल पर फॉलोअर्स बढ़ाने के आदेश दिए, जिसके लिए स्थानीय पुलिस स्कूल और औद्योगिक क्षेत्र में अभियान चलाकर व्यापक प्रचार प्रसार करेंगे। अभियान से जुड़ी पोस्ट भी सोशल मीडिया पर शेयर की जाएगी। अनाधिकृत रूप से लगाए गए होटल और बत्ती को हटाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा दो पहिया वाहन पर हेलमेट और चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट लगाना अनिवार्य है। दो पहिया वाहन पर अगर तीन सवारी चलती है तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए एलिवेटेड रोड और नेशनल हाईवे पर इंटरसेप्टर की तैनाती की जाए। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण और गाजियाबाद नगर निगम से मिली टोइंग वेन का संचालन अब संबंधित विभागों द्वारा ही किया जाएगा, उनकी सहायता के लिए 1 ट्रैफिक पुलिसकर्मी की तैनाती टोइंग वेन पर की जाएगी। ट्रैफिक वालंटियर फोर्स के लिए रिफ्लेक्टर जैकेट और टोपी देकर जागरूकता रैली का आयोजन किया जाए। जनपद में संचालित पेट्रोल पंप के आसपास सभी अवैध कट को बंद किया जाए। बैठक में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था एवं यातायात राजकरन नैय्यर, पुलिस उपायुक्त यातायात त्रिगुण बिसेन, सहायक पुलिस आयुक्त ट्रैफिक और इंस्पेक्टर मौजूद रहे।

## कूड़ा शुल्क पर बवाल : व्यापारियों का फूटा गुस्सा, आंदोलन की चेतावनी

**हापुड़ (शिखर समाचार)।** नगर पालिका परिषद द्वारा कूड़ा उठाने के नाम पर 50 रुपये प्रतिमाह वसूलने के प्रस्ताव को लेकर शहर के व्यापारियों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। संयुक्त हापुड़ उद्योग व्यापार मंडल ने इस प्रस्ताव को पूरी तरह अवैध बताते हुए इसे हर स्तर पर विरोध करने का ऐलान किया है। मंगलवार को चंडी रोड स्थित चैंबर ऑफ कॉमर्स परिसर में आयोजित विशेष बैठक में व्यापारियों ने एक स्वर में इस प्रस्ताव को जनविरोधी करार दिया। बैठक की अध्यक्षता ललित अग्रवाल (छावनी वाले) ने की, जबकि संचालन महामंत्री संजय अग्रवाल ने किया। बैठक में बताया गया कि नगर क्षेत्र में लगभग 35 हजार मकान और 3 हजार व्यापारिक प्रतिष्ठान हैं। यदि यह प्रस्ताव लागू होता है, तो नगर पालिका को हर महीने करीब 19 लाख रुपये की अतिरिक्त आय होगी, जो सालाना 2 करोड़ 28 लाख रुपये तक पहुंच सकती है। व्यापारियों ने इस वसूली को गैरकानूनी बताते हुए तत्काल निरस्त करने की मांग की। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने नगर पालिका पर पहले से ही हाउस टैक्स, वाटर टैक्स और सीवर टैक्स के रूप में भारी कर वसूली का आरोप लगाते हुए कहा कि इन करों के उपयोग में पारदर्शिता नहीं है। उन्होंने खर्च का पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई। बैठक में शहर की खराब सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को लेकर भी नाराजगी जताई गई। व्यापारियों ने कहा कि जब मूलभूत सुविधाएं ही संतोषजनक नहीं हैं, तो अतिरिक्त शुल्क थोपना पूरी तरह अनुचित है। साथ ही टिंबर व्यापारी के घर हुई दिनदहाड़े चोरी की घटना पर भी चिंता व्यक्त की गई। व्यापार मंडल ने चेतावनी दी कि यदि प्रस्ताव वापस नहीं लिया गया, तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा और इसका समर्थन करने वाले जनप्रतिनिधियों को आगामी चुनावों में जनता के विरोध का सामना करना पड़ेगा। बैठक में शहर के अनेक व्यापारी मौजूद रहे और सभी ने एकजुट होकर संघर्ष का संकल्प लिया।

## वनवास प्रसंग सुन भाव विभोर हुए श्रद्धालु

**मुरादनगर (शिखर समाचार)।** ग्राम सरना में आयोजित नौ दिवसीय श्री राम कथा के अंतर्गत कथा व्यास दिनेश वशिष्ठ ने श्रीराम चरित के अत्यंत मार्मिक वनवास प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। कथा व्यास ने बताया कि अयोध्या में श्री राम के राज्याभिषेक की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही थीं, तभी दासी मंथरा के कुचक्र में आकर माता कैकई ने राजा दशरथ से पूर्व में दिए गए दो वरदान मांग लिए। इन वरदानों में श्री राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत को अयोध्या का राज्य देने की मांग शामिल थी।

उन्होंने कहा कि यह सुनकर राजा दशरथ अत्यंत व्यथित हो उठे, लेकिन वचनबद्ध होने के कारण वे असहाय रहे। जब श्री राम को इस विषय में ज्ञात हुआ तो उन्होंने पिता के वचनों की मयार्दा बनाए रखने के लिए सहर्ष वनवास स्वीकार कर लिया और माता कौशल्या को धैर्य बंधाया। कथा के दौरान लक्ष्मण के त्याग और समर्पण का भी उल्लेख किया गया। श्री राम के वनगमन का समाचार मिलते ही लक्ष्मण उनके साथ चलने के लिए दृढ़ हो गए। इस बीच लक्ष्मण और उनकी पत्नी उर्मिला के बीच अत्यंत भावुक संवाद हुआ। उर्मिला ने साथ चलने की इच्छा जताई, लेकिन लक्ष्मण ने उन्हें अयोध्या में रहकर माताओं की सेवा करने को ही बड़ा धर्म बताया। इस पर उर्मिला ने त्याग और समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपने पति को श्री राम की सेवा के लिए समर्पित कर दिया और स्वयं विरह सहने का संकल्प लिया। वहीं माता सीता ने भी पतिव्रता धर्म का पालन करते हुए श्री राम के साथ वन जाने का निश्चय किया। माता कैकई द्वारा तीनों को वल्कल वस्त्र प्रदान किए गए। श्री राम और लक्ष्मण ने राजसी वस्त्र त्यागकर वल्कल धारण कर लिए। जब सीता को भी वल्कल दिए गए तो माता कौशल्या, गुरु वशिष्ठ और मंत्री सिद्धार्थ ने इसका विरोध किया। इस भावुक क्षण में श्री राम ने सीता को समझाते हुए राजसी वस्त्रों के ऊपर ही वल्कल धारण करने का आग्रह किया। अंततः श्री राम, माता सीता और लक्ष्मण वन के लिए प्रस्थान कर गए। इस प्रसंग का वर्णन सुनकर पूरा पंडाल 'जय श्री राम' के जयघोष से गूंज उठा और श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

## मुंडेट कलां में महर्षि कश्यप की मूर्ति स्थापना, शोभा यात्रा व भंडारे में उमड़ा जनसैलाब

**शामली (शिखर समाचार)।** जनपद के गांव मुंडेट कलां में बुधवार को धार्मिक आस्था, उत्साह और श्रद्धा का अद्भुत संगम देखने को मिला। महर्षि कश्यप की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में भव्य शोभा यात्रा, हवन-पूजन, विचार गोष्ठी और विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म लाभ अर्जित किया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रातः लगभग 8:00 बजे भव्य शोभा यात्रा के साथ हुई। शोभा यात्रा गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकाली गई, जिसमें श्रद्धालु भजन-कीर्तन और जयघोष करते हुए पूरे उत्साह के साथ शामिल हुए। यात्रा के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया और ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर यात्रा का स्वागत किया। यह शोभा यात्रा लगभग 11:00 बजे सम्पन्न हुई।

इसके पश्चात प्रातः 11:30 बजे

विधि-विधान के साथ हवन-पूजन संपन्न कराया गया और वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच महर्षि कश्यप की मूर्ति की स्थापना की गई। विद्वान आचार्यों के मंत्रों से वातावरण पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंग गया।

मूर्ति स्थापना के उपरांत आयोजित विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथियों और वक्ताओं ने महर्षि कश्यप के जीवन, उनके आदर्शों और समाज के प्रति उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उपस्थित जनसमूह से उनके बताए मार्ग पर चलने और समाज में एकता, सद्भाव एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। आयोजन समिति के अनुसार कार्यक्रम ग्रामवासियों के सहयोग और सामूहिक प्रयास से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। समिति ने सभी ग्रामवासियों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक सहभागिता से ही ऐसे धार्मिक आयोजनों की भव्यता और गरिमा बनी रहती है।

## सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि हापुड-पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित आनन्द विहार आवासीय योजना, हापुड के ब्लॉक के. में आंवटित ग्रुप हाउसिंग भूखण्ड सं० के.-04, क्षेत्रफल 20910.00 वर्ग मी० भूमि पर मै. रूद्रा रियल स्टेट एन.सी.आर. प्रा. लि. द्वारा ग्रुप हाउसिंग निर्माण के स्थान पर छोटे आवासीय भूखण्डों में सब-डिवीजन की अनुमति मांगी गयी थी। प्रस्ताव को प्राधिकरण की 75 वीं बोर्ड बैठक के मद सं० 75/09 पर विचारार्थ प्रस्तुत करते हुये, बोर्ड आदेश एवं आवास एवं शहरी नियोजन विभाग से प्राप्त मार्गदर्शन के क्रम में आनन्द विहार आवासीय योजना, हापुड में ग्रुपहाउसिंग भूखण्ड सं० के.-04 पर सबडिवीजन लेआउट मानचित्र स्वीकृत करने से पूर्व जन सामान्य से आपत्ति / सुझाव आमंत्रित किये जाते है कि यदि ग्रुप हउसिंग भूखण्ड सं० के.-04 आनन्द विहार अवासीय योजना, हापुड में छोटे आवासीय एकल भूखण्डों के उपविभाजन की स्वीकृति के संबंध में किसी व्यक्ति विशेष/संस्था को कोई आपत्ति / सुझाव हो, तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति / सुझाव प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करा रुकते है।

**प्रभारी सचिव**
**हापुड-पिलखुवा विकास प्राधिकरण**
**हापुड**

# डिप्टी सीएम के आवास पर शंख बजाकर प्रदर्शन

## ब्रजेश पाठक ने जोड़े हाथ, कहा- अपने वर्ग के साथ अन्याय नहीं होने देंगे

**लखनऊ (एजेंसी)।** सवर्ण मोर्चा ने यूजीसी के नए निमयों के विरोध में आज डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने शंख बजाकर विरोध जताया। यूजीसी के नए नियमों को काला कानून बताया। ब्रजेश पाठक से यूजीसी के नए नियमों को लेकर सवाल किए। पूछा कि यूजीसी के नए नियम क्यों लाए जा रहे हैं? ब्रजेश पाठक ने हाथ जोड़कर प्रदर्शनकारियों का अभिवादन किया। उन्होंने कहा कि वे खुद सामान्य वर्ग से आते हैं। अपने वर्ग के किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। इस पर प्रदर्शनकारी शांत हुए और प्रदर्शन खत्म किया। संगठन के संयोजक संदीप सिंह, राष्ट्रीय प्रवक्ता पंडित अभिनव नाथ त्रिपाठी और बसंत सिंह बघेल समेत बड़ी संख्या में लोग ब्रजेश पाठक के आवास पर पहुंचे। संयोजक संदीप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के तमाम पदाधिकारी और सत्ता में बैठे लोग सवर्ण समाज के हैं। हम लोग उनसे लगातार सवाल कर रहे हैं। आज संगठन के 50 से अधिक लोग डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के आवास पर पहुंचे। उनसे कहा कि यह कानून भारतीय जनता पार्टी लेकर आ रही है, जिस पर फिलहाल कोर्ट ने रोक लगा दिया है। सवाल के खड़ा होता है कि इस प्रकार के काला कानून लाने की जरूरत क्यों पड़ी? हमने बिल्कुल स्पष्ट कर दिया कि यह काला कानून किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। संदीप सिंह ने कहा कि उच्च शैक्षणिक संस्थानों में सवर्ण समाज को मिटाने के लिए कुचक्र रचा जा रहा है। इसे हम लोग सफल नहीं होने देंगे। जो कह रहे हैं कि किसी छात्र का अहित नहीं होगा तो इसे लेकर क्यों आए हैं? दलित एक्ट का जो प्रावधान है वह तो चल ही रहा था, यूजीसी के नए नियम क्यों लाए गए हैं? अगर कोई फर्जी मुकदमा लिखवा देगा तो सवर्ण छात्र का जीवन बर्बाद हो जाएगा। इसलिए हम लोग इसका पहले दिन से विरोध कर रहे हैं, जब तक यह काला कानून पूरी तरह से वापस नहीं हो जाएगा विरोध जारी रहेगा । किसी के साथ अन्याय नहीं होगा संदीप ने बताया कि UGC पर हमने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से सवाल किए। इस पर उन्होंने कहा कि वह दिल्ली के नेतृत्व से इस विषय पर बात करेंगे। किसी भी कीमत पर सवर्ण समाज के साथ अन्याय नहीं होगा। हमारी सरकार सभी धर्म और जाति के साथ है।

## चोर का पीछा कर रहे सिपाही के दोनों पैर कटे :गोंडा स्टेशन पर आरोपी हिरासत से भागा

**गोंडा (एजेंसी)।** रेलवे स्टेशन पर पुलिस हिरासत से भाग रहे चोर को पकड़ने की कोशिश में GRP सिपाही ट्रेन की चपेट में आ गया। उसके दोनों पैर कट गए। एक पैर कटकर अलग हो गया, जबकि दूसरा खाल के सहारे लटका है। घटना मंगलवार रात 12 बजे की है। जख्मी होने के बाद भी सिपाही आकाश सिंह (29) ने चोर सुनील कुमार (35) को पकड़ लिया। चीख-पुकार सुनकर जीआरपी स्टेशन से पुलिसवाले और पब्लिक आ गई। उन्होंने चोर को दबोच लिया। मऊ के रहने वाले सिपाही आकाश को गोंडा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। प्राइमरी इलाज के बाद वहां से लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। सिपाही की हालत नाजुक है। स्टेशन पर मारपीट हो रही थी, तभी आकाश पहुंचे जीआरपी सूत्रों के मुताबिक, गोंडा के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर मंगलवार रात 11.30 बजे दो युवकों में मारपीट होने लगी। इसमें एक युवक ने सुनील कुमार पर जेब से पैसे चोरी करने का आरोप लगाया। मारपीट होती देख वहां ड्यूटी दे रहे सिपाही आकाश सिंह भी पहुंच गए। वह दोनों युवकों को पकड़कर जीआरपी थाने के बाहर ले आए। दोनों से पूछताछ की। इसके बाद एक युवक को छोड़ दिया, जबकि सुनील कुमार को शक के आधार पर बैठा लिया। कुछ ही देर में प्लेटफॉर्म-1 पर लखनऊ की ओर जा रही डिब्रूगढ़-चंडीगढ़ एक्सप्रेस (15903) आ गई। इसी दौरान, अचानक सुनील कुमार ने सिपाही आकाश से अपना हाथ छुड़ाया और चलती ट्रेन में चढ़कर भागने लगा। आकाश ने भी उसके पीछे दौड़ लगा दी। ट्रेन में चढ़ रहे सुनील को पीछे से पकड़ लिया और बाहर खींच लिया। चलती ट्रेन में हो रही इस आपाधापी में आकाश सिंह ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच में बने गैप में गिर गए। उनके पैर कट गए। भाग रहे चोर को पकड़कर खींचा प्लेटफॉर्म पर जहां ये घटना हुई, वहां से जीआरपी स्टेशन 50 मीटर दूर था। चीख-पुकार मची तो पुलिसकर्मी और आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। ट्रेन को रुकवाया गया और सिपाही को बाहर निकाला गया। आरोपी सुनील कुमार को पकड़ लिया। वह भी जख्मी हो गया था। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया है।

डॉक्टर बोले- सिपाही के पैर का अब जुड़ना मुश्किल गोंडा मेडिकल कॉलेज के डॉ. अतुल मिश्रा ने कहा- सिपाही का पैर काफी ज्यादा कट जाने की वजह से अब जुड़ना मुश्किल है। अलग से दूसरा पैर यानी डुप्लीकेट पैर लगाना पड़ेगा। पैर का कुछ हिस्सा गायब भी है। साथी जीआरपी जवान पैर का कुछ हिस्सा लेकर आए थे। लेकिन हालत गंभीर होने पर लखनऊ रेफर कर दिया।

# यूपी में विशेष संचारी रोग अभियान का आगाज

## डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक पहुंचे बलरामपुर अस्पताल, डोर टू डोर कंपैन चलाने के दिए निर्देश

**लखनऊ (एजेंसी)।** लखनऊ में डेंगू, मलेरिया और अन्य मौसमी बीमारियों पर काबू पाने के लिए विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान की आज से शुरूआत हुई। स्वास्थ्य मंत्री डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने बलरामपुर अस्पताल में इस अभियान का शुभारंभ किया। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान के दौरान संचारी रोगों के रोकथाम पर सबसे ज्यादा फोकस रहेगा। इसके लिए सभी अस्पतालों में अलग से बेड भी रिजर्व करने निर्देश जारी हुए है। इस अभियान में डोर टू डोर कैंपेन भी चलाया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर बुखार, इन्फ्लुएंजा लाइक इलनेस (क्छक), क्षय रोग, कुष्ठ, फाइलेरिया, काला-आजार के लक्षण वाले मरीजों की पहचान करेंगी। कुपोषित बच्चों की सूची भी तैयार होगी और सभी डेटा ई-कवच पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। साथ ही परिवारों को आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा आईडी) की जानकारी दी जाएगी।इन विभागों का भी लिया जाएगा सहयोग स्वास्थ्य विभाग के साथ नगर विकास, पंचायती राज, बाल विकास सेवा, चिकित्सा शिक्षा, कृषि, सिंचाई, शिक्षा, पशुपालन, सूचना एवं जनसंपर्क, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन समेत कई विभाग सक्रिय रूप से शामिल होंगे।

# चौकीदार के चेहरे को कुत्तों ने चाट-चाटकर बना दिया कंकाल

**पीलीभीत (एजेंसी)।** एक खाली मकान में एक 50 वर्षीय व्यक्ति की लाश मिली है। चेहरे का मांस गायब था और केवल हड्डियां दिख रहीं थीं।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सिर के पीछे गहरा घाव था और सीढ़ियों पर खून पसरा हुआ था। मंगलवार की घटना जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर दूर घुंघचाई थाना क्षेत्र के सम्भुआ गांव की है। मृतक की पहचान सम्भुआ गांव निवासी मानसिंह (50) के रूप में हुई है। वह चौकीदारी का काम करता था। घुंघचाई थाना क्षेत्र के सम्भुआ गांव के मानसिंह (50) चौकीदार करते थे। वे घर से करीब आधा किलोमीटर दूरी पर स्थित एक खाली मकान की रखवाली करते थे। मानसिंह रोज की तरह मंगलवार की सुबह ड्यूटी गए थे।पड़ोसियों ने बताया- मंगलवार को जब मकान में काफी देर तक मानसिंह की कोई आवाज नहीं सुनाई दी और कोई गतिविधि नजर नहीं आई तो वे अंदर दाखिल हुए। देखा तो मानसिंह का शव मकान के अंदर सीढ़ियों के नीचे पड़ा मिला। शव की हालत देखकर ग्रामीण हक्के-बक्के रह गए, क्योंकि मानसिंह का चेहरा कंकाल में तब्दील हो चुका था। पड़ोसियों की सूचना पर थाना प्रभारी जय शंकर सिंह पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। पुलिस को जांच के दौरान मकान के अंदर आवारा कुत्ते घूमते हुए मिले। जिनमें से कुछ के मुंह पर खून लगा हुआ था। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।सीओ पूरनपुर प्रतीक ढहिया ने बताया- संभुआ गांव में एक निमार्णाधीन खाली मकान में चौकीदार का शव बरामद हुआ है। शव का बाकी हिस्सा तो ठीक है, पर चेहरा पूरा कंकाल हो चुका है। मकान के अंदर कुत्ते घूमते हुए मिले हैं। संभवतः सीढ़ियों से गिरकर चौकीदार की मौत हुई है

# लखनऊ में बेकाबू होकर घर में घुसी स्लीपर बस

**लखनऊ (एजेंसी)।** मोहनलालगंज क्षेत्र में मंगलवार देर रात करीब 1:30 बजे स्लीपर बस बेकाबू होकर घर में घुस गई। बस वाराणसी से प्रयागराज होते हुए जयपुर जा रही थी। यह हादसा फूलवरिया मोड़ के पास हुआ। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में सवार करीब 30 से 35 यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में बस चालक और कंडक्टर घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि इस दुर्घटना में किसी भी यात्री या स्थानीय व्यक्ति की जान नहीं गई। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल रहा। ट्रक बचाने के चक्कर में हुआ हादसा प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, ज्योति नगर की ओर से अचानक सामने आए एक ट्रक को बचाने के प्रयास में बस चालक ने वाहन को दाहिनी ओर मोड़ा, जिससे बस अनियंत्रित हो गई और सीधे इस्लाम मोहम्मद के मकान में जा घुसी। इस टक्कर से मकान का मुख्य गेट और दीवार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। घर के सदस्य मेन गेट से हट के पीछे वाले कमरे में सो रहे थे, घर मालिक सुरक्षित है।

# कान पकड़कर उठक-बैठक करने वाले आईएएस का इस्तीफा

## यूपी में रिंकू सिंह 8 महीने से साइडलाइन थे; कहा- सैलरी मिली, लेकिन काम नहीं

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी के IAS अफसर रिंकू सिंह राही ने मंगलवार को नौकरी से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने लेटर में आरोप लगाया कि संवैधानिक व्यवस्था के समानांतर (पैरलल) एक अलग सिस्टम चल रहा है। उन्हें वेतन मिल रहा था, लेकिन जनसेवा का मौका नहीं मिल रहा था। हालांकि, राजस्व परिषद के अध्यक्ष को भेजे इस्तीफे को रिंकू सिंह ने अपना नैतिक फैसला बताया। रिंकू को 8 महीने पहले शाहजहांपुर से हटाकर राजस्व परिषद भेजा गया था। तब से उन्हें फील्ड में कोई पोस्टिंग नहीं मिली थी। उस वक्त रिंकू सिंह पुवायां तहसील के SDM थे। उन्होंने खुले में शौच करने पर एक मुंशी से उठक-बैठक कराई थी। वकीलों ने इसका विरोध किया, तो रिंकू नरम पड़ गए थे। इसके बाद उन्होंने खुद उठक-बैठक लगाई थी। वीडियो सामने आने के बाद उन्हें हटा दिया गया था। 44 साल के रिंकू सिंह राही 2021 बैच के IAS अफसर हैं। अभी उनकी 16 साल की नौकरी बची थी। बसपा शासन में 26 मार्च, 2009 को रिंकू सिंह पर फायरिंग हुई थी। जिसमें उन्हें सात गोलियां लगी थीं। इनमें से दो उनके चेहरे पर लगी थीं, जिससे उनका चेहरा बिगड़ गया था। 8 महीने पहले रिंकू सिंह राही मथुरा में जॉइंट मजिस्ट्रेट थे। वहां से ट्रांसफर होकर 24 जुलाई, 2025 को दोपहर 2 बजे पुवायां SDM का चार्ज संभाला था। इसी दौरान उनकी नजर परिसर के अंदर ही दीवार के पास टॉयलेट कर रहे वकील आज्ञाराम के मुंशी विजय (38) पर पड़ी। उन्होंने उसे टोक दिया और शौचालय का इस्तेमाल करने के लिए कहा। मुंशी ने रिंकू सिंह को जवाब दिया कि शौचालय गंदे हैं। इस पर एसडीएम बिफर गए थे। कहने लगे थे कि ये गलती तहसील कर्मचारियों की है। उन्होंने मौके पर ही मुंशी से उठक-बैठक लगवा दी थी। तहसील परिसर में वकील अपनी कुछ मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। तभी उनको मंशी से उठक-बैठक लगवाने की बात पता चल गई। इस पर वकील भड़क गए थे। उन्होंने एसडीएम को मौके पर बुलवा लिया था। एसडीएम ने वकीलों से कहा था कि मुंशी ने गलती की है। इस पर वकीलों ने कहा था कि गलती है, तो उठक-बैठक लगवाना सही नहीं है। क्या आप उठक-बैठक लगा सकते हैं? इस पर रिंकू सिंह ने कहा था कि इसमें कोई शर्म नहीं है। मैं उठक-बैठक लगा सकता हूं। इसके बाद उन्होंने 5 बार उठक-बैठक लगाई थी। रिंकू सिंह राही का जन्म 20 मई, 1982 को हाथरस में एक दलित परिवार में हुआ था। वह थाना सासनी के गांव ऊसवा के रहने वाले हैं। दो भाइयों में बड़े रिंक के पिता सौदान सिंह राही आटा चक्की चलाकर परिवार का पालन करते थे। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने की वजह से उन्होंने सरकारी स्कूल से पढ़ाई की थी। अच्छे नंबरों से 12वीं पास करने पर उन्हें स्कॉलरशिप मिली थी। इसकी मदद से उन्होंने जमशेदपुर के टाटा इंस्टीट्यूट से बीटेक किया था। 2004 में रिंकू सिंह ने पीसीएस परीक्षा पास की थी। नौकरी के दौरान उन्होंने दिव्यांग कोटे से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा दी। 2021 में उन्हें 683वीं रैंक मिली और वे आईएएस बने थे। परिवार में पत्नी सुलेखा योगा टीचर रही हैं। 10 साल का एक बेटा ध्रुव राही है। ताऊ रघुवीर सिंह राही बसपा शासनकाल में जिलाध्यक्ष रहे हैं। पीसीएस बनने के बाद 2008 में रिंकू सिंह की पहली पोस्टिंग मुजफ्फरनगर में जिला समाज कल्याण अधिकारी के रूप में हुई थी। वहां उन्होंने छात्रवृत्ति और पेंशन में हो रहे भ्रष्टाचार का खुलासा किया था।रिंकू सिंह के पिता सौदान सिंह राही ने कहा- बेटा ईमानदार और मेहनती है, लेकिन उसे काम नहीं दिया जा रहा है। 2009 में मुजफ्फरनगर में रिंकू समाज कल्याण अधिकारी थे। उस दौरान उन्होंने 100 करोड़ रुपये का घोटाला उजागर किया था, जिसमें उनकी एक आंख चली गई और जबड़ा भी क्षतिग्रस्त हो गया, फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी। 2023 में उन्होंने क्अर परीक्षा पास की, जिस पर हमें गर्व है। वह जो भी निर्णय लेते हैं, देशहित में लेते हैं। आप हमारा मकान देख लीजिए, आटा चक्की की मेहनत से ही प्लास्टर हुआ है। 2009 में जब रिंकू को गोली लगी थी, उसी समय मुजफ्फरनगर आने-जाने और इलाज में हमारे सारे पैसे खत्म हो गए। हमारे पास कुछ नहीं है। आप हमारा बैंक बैलेंस भी देख सकते हैं। जो लोग ईमानदार और मेहनती होते हैं, उनके पास बैंक बैलेंस नहीं होता। अब आगे आयोग सही निर्णय लेगा। रिंकू सिंह ने इस्तीफा नहीं दिया है। उन्हें काम नहीं दिया जा रहा है, इसी को लेकर उन्होंने राष्ट्रपति को पत्र लिखा है। सवाल यह है कि 100 करोड़ का घोटाला उजागर करने के बाद भी उन्हें काम क्यों नहीं दिया जा रहा है। रिंकू के छोटे भाई नील राही की पत्नी नीलम राही ने कहा- उन्होंने जो किया है, वह सही किया है। एक क्अर अधिकारी के पद के अनुसार उन्हें काम मिलना चाहिए था, चाहे वह फील्ड का हो या किसी अन्य जिम्मेदारी का। वह इस लायक हैं। एक इंसान सात गोलियां खाने के बाद भी अपनी परेशानी की चिंता किए बिना काम कर सकता है। इस समय घर का माहौल तनावपूर्ण है। वह घर आने के बाद ड्यूटी से जुड़ी कोई भी बातें साझा नहीं करते थे। वह कभी भी परिवार के लोगों को परेशान नहीं करना चाहते थे। वह समाज की सेवा करना चाहते हैं। ऐसे में उन्हें मौका मिलना चाहिए। चंद्रशेखर आजाद, बोले- दलित अधिकारियों के साथ हो रहा अन्याय आजाद समाज पार्टी के प्रमुख और नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद ने कहा- रिंकू सिंह राही, जो दलित समाज से आते हैं, उनका इस्तीफा किसी एक अधिकारी का व्यक्तिगत निर्णय नहीं, बल्कि पूरी प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह है।

## संक्षिप्त डायरी

### कैशियर से 10 लाख लूटने वाले बदमाश का हाफ एनकाउंटर

**लखनऊ (एजेंसी)।** मदेयगंज में शराब दुकान के कैशियर से 10 लाख की लूट करने वाले बदमाश का हाफ एनकाउंटर हुआ। चेकिंग के दौरान पुलिस ने आरोपी को रोकने का प्रयास किया। इस पर उसने गोली चला दी। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश के पैर में गोली लगी। बदमाश की पहचान आलोक तिवारी उर्फ मुस्कान के रूप में हुई। उसके दूसरे साथी सुजीत सिंह उर्फ मगन को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों आरोपी हरदोई जिले के रहने वाले हैं। घायल बदमाश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि खदरा इलाके में शराब व्यापारियों से लूट करने वाले दो आरोपी बाइक से आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने रघुवंशी ढाल के पास नाकेबंदी कर चेकिंग शुरू की थी। खुद को घिरता देख आरोपी बाइक छोड़कर भागने लगे। पुलिस ने पीछा किया तो बदमाशों ने गोली चला दी थी। डीसीपी सेंट्रल विक्रांत वीर सिंह ने बताया- सराय प्रेमराज काकोरी का हर्ष जायसवाल शराब दुकानों से रोजाना कलेक्शन लेकर मालिक मनीष जायसवाल के घर देने जाता था। बुधवार देर रात भी वह बाइक से कलेक्शन लेकर जा रहा था। जैसे ही वह तरन्नुम मार्केट गली पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उसे रोक लिया था। विरोध करने पर बदमाशों ने हर्ष पर धारदार हथियार से हमला कर दिया था, जिससे वह घायल हो गया। इसके बाद आरोपी कलेक्शन से भरा बैग लूटकर मोटरसाइकिलों से फरार हो गए थे।

### वाराणसी में यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन कार्य पूरा

**वाराणसी(एजेंसी)।** निर्धारित समय के एक दिन पहले ही यूपी बोर्ड की कापियों का मूल्यांकन कार्य पूरा हो गया। यहां चार केंद्रों पर हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की कापियों का मूल्यांकन हो रहा था। 18 मार्च से चल रहे मूल्यांकन के दौरान कुल 5,99,995 कापियों जांची गई। जिला विद्यालय निरीक्षक भोलेंद्र प्रताप सिंह की ओर से बताया गया है कि हाईस्कूल में 3,46,412 कापियां और इंटरमीडिएट में 2,53,583 कापियों का मूल्यांकन कार्य किया गया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव भगवती सिंह की ओर से बताया गया है कि पूरे प्रदेश में कुल 192 मूल्यांकन कार्य बनाए गए थे जिसमें मंगलवार शाम तक 117 मूल्यांकन केंद्रों पर कापी जांचने का कार्य पूरा हो चुका है जिसमें वाराणसी के चार केंद्र शामिल हैं। जनपद में पीएम श्री राजकीय क्वींस इंटर कॉलेज, पीएम श्री प्रभु नारायण इंटर कालेज, भारतीय शिक्षा मंदिर इंटर कालेज और जेपी मेहता नगर निगम इंटर कालेज शामिल है। परीक्षा परिणाम अप्रैल के अंतिम सप्ताह में आएगा। दरअसल, बीते वर्ष यूपी बोर्ड ने 26 अप्रैल को परिणाम घोषित किया था, इस बार उसके पहले ही परीक्षा परिणाम घोषित करने की तैयारी है। दरअसल, यह परीक्षा 18 फरवरी से शुरू होकर 12 मार्च तक आयोजित हुई थी। यूपी बोर्ड के सचिव भगवती सिंह की सख्त गाइडलाइन के अनुसार, प्रदेश में 254 केंद्रों पर एक अप्रैल तक कापियां जांची जाएंगी। इसी तरह बोर्ड की तरफ से स्पष्ट किया गया है कि मूल्यांकन के बाद 15% उत्तरपुस्तिकाओं का आडिट करने के लिए पहली बार आनलाइन आडिटर नियुक्त किए गए हैं। बता दें कि मूल्यांकन के लिए प्रदेश में 1.31 लाख परीक्षक नियुक्त किए गए थे।

### खाना खाने के लिए पूछा तो मां को मार डाला:झांसी में सिलबट्टे से सिर कुचला

**झांसी (एजेंसी)।** एक बेटे ने अपनी मां की सिलबट्टे से कुचकर हत्या कर दी। सोमवार रात युवक नशे में घर पहुंचा था। उस समय उसकी मां छत पर बैठी थीं। मां ने उसे शराब पीने के लिए डांटा, फिर खाना खाने के लिए कहा। इसी बात पर दोनों में बहस हो गई। गुस्से में बेटे ने सिलबट्टे से मां के सिर पर हमला कर दिया। इसके बाद उसने उन्हें सीढ़ियों से नीचे धक्का दे दिया और मौके से फरार हो गया।दोनों की लड़ाई सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। महिला गंभीर रूप से घायल पड़ी थी। इसके बाद उसे मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया, लेकिन मंगलवार को मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी बेटे को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। घटना रक्सा थाना क्षेत्र के खैरा गांव की है।महिला का नाम हरकू (70) पत्नी पंजना थी। हरकू के 5 बेटे हैं। वह अपने चौथे नंबर के बेटे आत्माराम के साथ खैरा गांव में रहती थीं। पुलिस के मुताबिक, सोमवार रात करीब 8 बजे आत्माराम शराब के नशे में घर पहुंचा। उसकी मां हरकू घर की छत पर बैठी थीं। वहीं आत्माराम भी पहुंच गया। मां ने उसे डांटा और खाना खाने के लिएकहा, जिस पर आत्माराम भड़क गया और गुस्से में हमला कर दिया।इसी दौरान आत्माराम ने पास में रखा सिलबट्टा उठाकर मां के सिर पर वार किया। इसके बाद उन्हें सीढ़ियों से नीचे धक्का दे दिया। शोर सुनकर आसपास के पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो हरकू खून से लथपथ पड़ी मिलीं। इसके बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार को उनकी मौत हो गई।आत्माराम के बेटे सनी ने बताया, ह्लमेरे पापा शराब के आदी हैं। वह अक्सर शराब पीकर गाली-गलौज और मारपीट करते हैं। इससे पहले भी उन्होंने मेरी मां सावित्री देवी का गला दबाकर हत्या करने की कोशिश की थी। इसके बाद मैं और मेरी मां सिपरी बाजार थाना क्षेत्र के नदनपुरवा मोहल्ले में किराए के मकान में अलग रहने लगे।सीओ सिटी लक्ष्मीकांत गौतम ने बताया- आरोपी बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# स्कूल चलो अभियान" की गूंज: जागरूकता रैली के साथ नए शैक्षिक सत्र 2026-27 का भव्य आगाज

**गाजियाबाद (शिखर समाचार)।** स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत नए शैक्षिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ पूरे उत्साह, गरिमा और जनभागीदारी के साथ किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने शिक्षा के प्रति जागरूकता, सामाजिक जिम्मेदारी और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए सामूहिक संकल्प का मजबूत संदेश पूरे जनपद में प्रसारित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सुनील शर्मा, कैबिनेट मंत्री (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं प्रौद्योगिकी विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार) ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हर बच्चे को विद्यालय से जोड़ना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है और सरकार शिक्षा क्षेत्र में लगातार नवाचार और संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही है। विशिष्ट अतिथि मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने कहा कि एक बच्चे की शिक्षा केवल उसके जीवन को नहीं, बल्कि पूरे परिवार, समाज और राष्ट्र को सशक्त बनाती है। उन्होंने अधिकारियों, शिक्षकों और अभिभावकों से अपील की कि इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दिया जाए, ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ओ. पी. यादव ने स्कूल चलो अभियान की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की और इसके उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण और बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता रही, जिससे यह आयोजन एक व्यापक जन-जागरूकता अभियान के रूप में सफल रहा।

## अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में 4 अप्रैल को दिल्ली में विशाल धरना, गौतम बुद्ध नगर से हजारों शिक्षक होंगे शामिल

**ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)।** सेवारत शिक्षकों पर अनिवार्य रूप से शिक्षक पात्रता परीक्षा लागू किए जाने के विरोध में 4 अप्रैल को प्रातः 9 बजे दिल्ली के रामलीला मैदान में एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। यह कार्यक्रम टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले आयोजित हो रहा है, जिसका संचालन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मेघराज भाटी के निर्देशन में किया जा रहा है। इस आंदोलन को लेकर शिक्षकों में व्यापक आक्रोश देखा जा रहा है और बड़ी संख्या में शिक्षक इसमें शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, जूनियर शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष उमेश राठी तथा जिला अध्यक्ष निरंजन सिंह नागर के नेतृत्व में गौतम बुद्ध नगर जनपद से भी भारी संख्या में शिक्षक इस प्रदर्शन में भाग लेंगे। इसे लेकर जनपद में बैठकों और संपर्क अभियानों का दौर लगातार जारी है, जिससे अधिक से अधिक शिक्षकों को इस आंदोलन से जोड़ा जा सके। जिला अध्यक्ष प्रवीण शर्मा ने बताया कि गौतम बुद्ध नगर से लगभग 2000 शिक्षक आकस्मिक अवकाश लेकर इस ऐतिहासिक धरना प्रदर्शन में प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने कहा कि यह केवल एक सामान्य विरोध नहीं है, बल्कि यह शिक्षकों के सम्मान, अधिकारों और स्वाभिमान की रक्षा के लिए एक निर्णायक लड़ाई है। यदि सरकार द्वारा शिक्षकों की मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि लंबे समय से शिक्षक अपनी समस्याओं को लेकर संघर्ष कर रहे हैं, लेकिन समाधान के बजाय उन पर नए-नए नियम थोपे जा रहे हैं, जो पूरी तरह से अनुचित हैं। अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा लागू करने का निर्णय भी उसी कड़ी का हिस्सा है, जिसका शिक्षक वर्ग पुरजोर विरोध कर रहा है। जूनियर शिक्षक संघ के मंडल अध्यक्ष उमेश राठी और जिला अध्यक्ष निरंजन सिंह नागर ने भी सभी शिक्षकों से एकजुट होकर इस आंदोलन में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब तक शिक्षक एक मंच पर संगठित होकर अपनी आवाज नहीं उठाएंगे, तब तक उनकी समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। शिक्षक संगठनों ने स्पष्ट किया है कि यह आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण ढंग से किया जाएगा, लेकिन इसकी व्यापकता सरकार को शिक्षकों की ताकत का एहसास जरूर कराएगी। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आएं और 4 अप्रैल को दिल्ली पहुंचकर इस ऐतिहासिक धरना प्रदर्शन को सफल बनाएं।

## दायित्वों का निर्वहन करते हुए मानवीय संवेदना अवश्य रखें सभी अधिकारी : डीएम

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभाग, जीडीए, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, निर्माण विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना व शिकायती पत्र प्राप्त हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये। मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार जनता दर्शन व जनसुनवाई की सीधे सीएम ऑफिस उत्तर प्रदेश से लाइव कनेक्टिविटी के माध्यम से मॉनिटरिंग की जा रही है। जिलाधिकारी ने जनमानस की सुविधा हेतु जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य दिवस में सुबह 10 से 12 बजे जन शिकायतें सुनेंगे और उनके साथ जूम पर लाइव रहेंगे। इस

दौरान जिलाधिकारी ने कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया। जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। उन्होंने जनता से अपील कि शिकायतों के निस्तारण के लिए सम्बंधित अधिकारी से मिलें, गुणवत्तापूर्ण निस्तारण ना होने पर जिलाधिकारी से मिलें। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि यदि आपको कोई पीड़ित, मजबूर, निराश्रित, बेसहाय व्यक्ति मिलें तो उसे प्रशासन के पास भेजें, हम उसकी सहायता अवश्य करेंगे। जनसुनवाई में जीडीए सचिव विवेक कुमार मिश्र, सिटी मजिस्टेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, एडीएम ई ज्योति मौर्या, एडीएम एल/ए अवनीश सिंह सहित अन्य अधिकारीण उपस्थित रहे।

## देवबंद जेल का हाई अलर्ट चेक: डीएम एसएसपी ने सुरक्षा पर कसा शिकंजा

**देवबंद/सहारनपुर (शिखर समाचार)।** देवबंद स्थित जिला उपकारागार का जिलाधिकारी मनीष बंसल और एसएसपी अभिनंदन सिंह ने संयुक्त रूप से औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने जेल की सुरक्षा व्यवस्था, साफ सफाई, बंदियों को मिल रही सुविधाओं और प्रशासनिक इंतजामों का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने स्टाफ को स्पष्ट निर्देश दिए कि सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और व्यवस्थाओं को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाए। अधिकारियों ने जेल परिसर में निरंतर सतर्कता बनाए रखने, नियमित जांच अभियान चलाने तथा संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी और कारागार स्टाफ मौजूद रहा। जेलर सुरेश पाल के अनुसार, अधिकारियों ने व्यवस्थाओं पर संतोष व्यक्त किया, लेकिन भविष्य में भी उच्च स्तर की सतर्कता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

## झाड़ फूंक के नाम पर ठगी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 8.20 लाख रुपये बरामद

**शामली (शिखर समाचार)।** थाना कोतवाली शामली पुलिस ने झाड़-फूंक और ज्योतिष के नाम पर लोगों को ठगने वाले एक शातिर गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी कर बेचे गए आभूषणों की रकम 8 लाख 20 हजार रुपये नकद, एक बैग, ज्योतिष संबंधी डिग्री, पत्रिका व ड्राइविंग लाइसेंस बरामद किए हैं।

मामले के अनुसार मोहल्ला नया बाजार निवासी अशोक कुमार के घर 6 मार्च 2026 को आरोपियों ने पितृ दोष दूर करने के नाम पर पूजा पाठ कराया। इस दौरान उन्होंने करीब 125 से 130 ग्राम सोने के आभूषणों से भरी पोटली को चालाकी से नकली पोटली से बदल दिया और मौके से फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर थाना कोतवाली शामली में मुकदमा दर्ज किया गया।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर गठित टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 1 अप्रैल 2026 को चारों आरोपियों राजेश उर्फ गंगाशरण, श्रीनिवास,

भवानी शंकर और जतन को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में आरोपियों ने खुलासा किया कि वे खुद को ज्योतिषी बताकर लोगों का विश्वास जीतते थे। हाथ देखकर सही जानकारी देकर भरोसा बनाते और फिर पितृ दोष या अन्य बाधाओं का डर दिखाकर पूजा के नाम पर आभूषण एकत्र कर लेते थे। पूजा के दौरान ही असली आभूषणों को नकली पोटली से बदलकर फरार हो जाते थे।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि यह गिरोह शामली, मेरठ, गाजियाबाद, हरिद्वार, लखनऊ, आगरा, मथुरा, हापुड़ और जोधपुर सहित कई शहरों में इसी तरह की ठगी की वारदातों को अंजाम दे चुका है।

इस सफल कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक सचिन कुमार शर्मा समेत पूरी पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस अब आरोपियों के अन्य आपराधिक इतिहास की भी गहन जांच कर रही है।

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि ऐसे ढोंगी बाबाओं और झाड़ फूंक के नाम पर ठगी करने वालों से सतर्क रहें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

## तालिब खालिद प्रकरण : बिजनौर में पूर्व विधायक और कारोबारियों के बीच हाई वोल्टेज ड्रामा, तीन हिरासत में

**बिजनौर (शिखर समाचार)।** जनपद के चर्चित तालिब खालिद प्रकरण ने बुधवार को उस समय नया मोड़ ले लिया, जब प्रशासन द्वारा सील की गई आरा मशीन को अवैध रूप से संचालित किए जाने की सूचना पर मौके पर पहुंचे पूर्व विधायक और कारोबारियों के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। देखते ही देखते मामला इतना बढ़ गया कि मौके पर हंगामे की स्थिति बन गई और तालिब व खालिद बंधुओं ने आवेश में आकर पूर्व विधायक के वाहन के आगे कूदकर जान देने का प्रयास किया। इस घटना से क्षेत्र में अफरा तफरी मच गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए मौके से तीन लोगों को हिरासत में ले लिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पूर्व विधायक कुंवर भारतेंद्र सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों को सूचना दी थी कि तालिब खालिद की आरा मशीन, जिसे पहले ही सील किया जा चुका है, चोरी छिपे चलाई जा रही है। सूचना पर वन प्रभाग अधिकारी जय सिंह कुशवाहा और अपर जिला मजिस्ट्रेट (न्यायिक) की टीम जांच के लिए मौके पर पहुंची। पूर्व विधायक भी अपने समर्थकों के साथ वहां उपस्थित रहे।

अधिकारियों की मौजूदगी में जैसे ही जांच शुरू हुई, तालिब और खालिद बंधु भड़क उठे। उन्होंने पूर्व विधायक पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनसे पांच करोड़ रुपये की मांग की जा रही है और प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर उनका उत्पीड़न किया जा रहा है। आरोपों और तनाव के बीच दोनों भाइयों ने अचानक पूर्व विधायक के वाहन के सामने कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया, जिससे मौके पर भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। इस घटनाक्रम के बाद जनपद की राजनीति भी गर्मा गई है। भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने इस प्रकरण में हस्तक्षेप करते हुए पूर्व विधायक के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और इसे एकतरफा उत्पीड़न करार दिया है।

उल्लेखनीय है कि यह विवाद प्रारंभ में भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष रॉबिन चौधरी के साथ वाहन खड़ा करने को लेकर शुरू हुआ था, जो बाद में तूल पकड़ते हुए सांप्रदायिक और राजनीतिक रंग ले बैठा।

दूसरी ओर पूर्व विधायक कुंवर भारतेंद्र सिंह का कहना है कि वे केवल अवैध रूप से संचालित हो रही मशीन की सूचना पर अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे थे, जहां उनके साथ अभद्र व्यवहार किया गया और उन पर हमला करने का प्रयास हुआ। वहीं पुलिस अधिकारियों के अनुसार तालिब और खालिद सहित तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे विधिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

## कछुआ तस्कर गिरफ्तार : 16 प्रतिबंधित कछुए बरामद, वन विभाग को सौंपे गए

**दादरी (शिखर समाचार)।** जारचा कोतवाली क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक कछुआ तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से 16 प्रतिबंधित कछुए, एक विक्की मोपेड और शिकार में प्रयुक्त जाल बरामद किया गया है। बरामद कछुओं को वन विभाग की टीम को सुपुर्द कर दिया गया है, जबकि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ के अनुसार, हरियाणा के पानीपत स्थित राजनगर निवासी गगन बुधवार को अपनी विक्की मोपेड से समाना नहर पहुंचा था। वहां उसने नहर में जाल बिछाकर 16 कछुओं को पकड़ लिया और उन्हें कट्टे में भरकर ले जाने लगा। इसी दौरान पुलिस को गोपनीय सूचना मिली, जिसके आधार पर टीम ने मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू की। जैसे ही आरोपी वहां से निकला, पुलिस ने उसे रोककर तलाशी ली। कट्टे की जांच में 16 प्रतिबंधित कछुए और शिकार का जाल बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पकड़े गए कछुओं को बेचकर उनका तेल और दवाइयों में उपयोग करता था। वह पिछले करीब एक साल से इस अवैध गतिविधि में संलिप्त था। पुलिस ने सभी कछुओं को सुरक्षित बरामद कर वन विभाग को सौंप दिया है। साथ ही आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

## धूमधाम से निकली हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा, 8 किमी पैदल चले श्रद्धालु

**दादरी (शिखर समाचार)।** हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में नगर में भव्य ध्वज शोभायात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालु शामिल हुए। जीटी रोड स्थित बालाजी मंदिर से शुरू हुई यह यात्रा सादोपुर स्थित बालाजी धाम तक पहुंची। लगभग 8 किलोमीटर लंबी इस यात्रा में ऊंट, घोड़ी, आकर्षक झांकियां और डीजे की धुन पर झूमते श्रद्धालु आकर्षण का केंद्र रहे। महंत रोहित महाराज के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में महिला पुरुषों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में नगर के कई गणमान्य लोग भी मौजूद रहे।

## मुंडन संस्कार के लिए जा रही डीसीएम खाई में गिरी, सात महिलाएं गंभीर घायल

**सहारनपुर (शिखर समाचार)।** मां शाकुंभरी देवी के दर्शन व मुंडन संस्कार के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी एक डीसीएम गुरुवार को अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में गिर गई। हादसे में सात महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। दुर्घटना कलसिया छुटमलपुर रोड पर गांव संसारपुर के पास बिजलीघर के समीप हुई। जानकारी के अनुसार थाना देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव चकहरेटी निवासी सुमित अपने दो वर्षीय पुत्र अक्षित उर्फ लड्डू का मुंडन संस्कार कराने के लिए परिवार सहित मां शाकुंभरी देवी धाम जा रहा था। बताया जा रहा है कि वाहन चालक उमेश के पास बैठे मासूम अक्षित ने अचानक स्टेयरिंग घुमा दिया, जिससे चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और डीसीएम सड़क किनारे खाई में पलट गई। हादसे में शालू (25), नीलम (30), प्रीति (50), सोनम (31), गुड़िया (31), वर्षा (29) और काव्या (5) गंभीर रूप से घायल हो गईं। सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को बेहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बेहट सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार के बाद घायलों की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस व प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया तथा परिजनों को सूचना दी। फिलहाल सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में जारी है।

## सत्ता में भागीदारी से ही समाज का उत्थान संभव : डॉ. संजय निषाद

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री डॉ. संजय निषाद ने कहा कि समाज के समग्र विकास के लिए उसका शिक्षित और जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक समाज की सत्ता में भागीदारी नहीं होगी, तब तक उसका वास्तविक उत्थान संभव नहीं है। डॉ. निषाद कस्बा पतला में कश्यप समाज द्वारा आयोजित सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहना होगा और शिक्षा के माध्यम से खुद को सशक्त बनाना होगा। उन्होंने वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा दावा करते हुए कहा कि निषाद पार्टी के सहयोग के बिना कोई भी सरकार नहीं बन पाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में जिस दल की सरकार बनेगी, उनकी पार्टी उसके साथ रहकर समाज के हितों की रक्षा करेगी। डॉ. निषाद ने आरोप लगाया कि आज भी बड़ी जातियों द्वारा छोटी जातियों के लोगों का उत्पीड़न किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में समाज को एकजुट होकर अपने अधिकारों की रक्षा करनी होगी। कार्यक्रम में कश्यप समाज के अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

## दिल्ल मेरठ एक्सप्रेसवे पर दर्दनाक हादसा, बाइक सवार युवक की मौत

**मोदीनगर (शिखर समाचार)।** भोजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत दिल्ली मेरठ तीव्रगति मार्ग पर बीती रात एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के जिला नीलकंठ के गांव महिसा निवासी 35 वर्षीय सूरज कुमार मंगलवार की रात अपनी मोटरसाइकिल से दिल्ली से मेरठ की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जैसे ही वह तीव्रगति मार्ग पर अमराला गांव के पास पहुंचा, तभी अचानक उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित हो गई और सड़क के बीच बने विभाजक से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सूरज कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे तत्काल उपचार के लिए मेरठ के अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, जहां उनका रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस का कहना है कि शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है तथा मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

राष्ट्रीय शिखर
सत्यों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

# संपादकीय

## होर्मुज संकटः ईरान के सामने झुका अमेरिका या बदलती वैश्विक शक्ति संतुलन की कहानी

पर्शियन गल्फ का संकरा लेकिन अत्यंत महत्वपूर्ण जलमार्ग होर्मुज जलडमरूमध्य आज फिर वैश्विक राजनीति के केंद्र में है। विश्व के कुल तेल व्यापार का बड़ा हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है, इसलिए यहां किसी भी प्रकार का तनाव न केवल क्षेत्रीय बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी झकझोर देता है। 1 अप्रैल 2026 के परिप्रेक्ष्य में जब अमेरिका और ईरान के बीच होर्मुज को लेकर तनातनी चरम पर है, तो यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या वास्तव में अमेरिका इस मामले में कमजोर पड़ गया है या यह बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत है।

हाल के घटनाक्रमों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ईरान ने इस रणनीतिक जलमार्ग पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। अमेरिका, जो लंबे समय तक खुद को वैश्विक समुद्री सुरक्षा का संरक्षक मानता रहा है, अब इस क्षेत्र में अपनी सीमाओं को महसूस कर रहा है। ईरान की सैन्य रणनीति, विशेष रूप से उसकी नौसेना और मिसाइल क्षमताओं में हुई बढ़ोतरी, ने अमेरिका के लिए सीधी टक्कर को जोखिम भरा बना दिया है। यही कारण है कि होर्मुज को खुलवाने के प्रयासों में अमेरिका को अपेक्षित सफलता नहीं मिल रही और उसकी कूटनीतिक सक्रियता बढ़ गई है।

यह स्थिति केवल सैन्य शक्ति की नहीं, बल्कि कूटनीतिक परिपक्वता और क्षेत्रीय समीकरणों की भी परीक्षा है। ईरान ने न केवल अपनी भौगोलिक स्थिति का लाभ उठाया है, बल्कि उसने चीन और रूस जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को भी मजबूत किया है। इन देशों का अप्रत्यक्ष समर्थन ईरान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मजबूती प्रदान करता है। दूसरी ओर, अमेरिका के पारंपरिक सहयोगी भी इस मुद्दे पर खुलकर उसके साथ खड़े होने से बच रहे हैं, क्योंकि वे क्षेत्रीय स्थिरता और अपने आर्थिक हितों के बीच संतुलन साधना चाहते हैं।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि अमेरिका इस समय एक जटिल दुविधा में फंसा हुआ है। यदि वह सैन्य कार्रवाई करता है, तो यह एक बड़े युद्ध का रूप ले सकता है, जिसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा। वहीं, यदि वह केवल कूटनीतिक प्रयासों तक सीमित रहता है, तो यह उसकी वैश्विक नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़े करता है। यही कारण है कि अमेरिका के पसीने छूटने जैसी स्थिति बन गई है जहां हर कदम सोच समझकर उठाना पड़ रहा है। ईरान की रणनीति भी उल्लेखनीय है। उसने सीधे टकराव से बचते हुए प्रेशर पॉलिटिक्स का सहारा लिया है। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही पर प्रभाव डालकर वह वैश्विक बाजारों को संदेश दे रहा है कि उसकी अनदेखी संभव नहीं है। यह एक प्रकार का स्ट्रेटेजिक लीवरेज है, जिसके जरिए ईरान अपने ऊपर लगे प्रतिबंधों और दबावों का जवाब दे रहा है। इस पूरी स्थिति में तेल की कीमतों में उतार चढ़ाव और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर असर साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे देशों के लिए यह संकट विशेष रूप से चिंताजनक है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से आयात करता है। ऐसे में होर्मुज में किसी भी प्रकार की बाधा सीधे भारतीय अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि भारत सहित कई देश इस तनाव को कम करने के लिए शांतिपूर्ण समाधान की वकालत कर रहे हैं। भारत की संतुलित कूटनीति इस संदर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है, जहां वह सभी पक्षों के साथ संवाद बनाए रखते हुए अपने हितों की रक्षा कर सके।

### ~ मौलिक चिंतन ~

**हर किसी की, हर बात पर भरोसा करना हानिकारक हो सकता है।**

~~~~~~~~~~

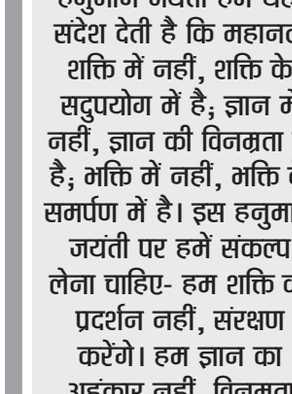

© विनय संकोची

## अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जाना तय

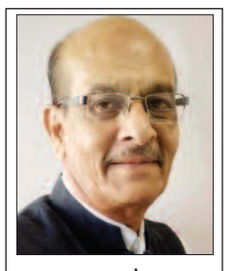

सनत जैन

अमेरिका का राजा ट्रंप नहीं- जनता... दुनिया का सबसे ताकतवर देश, अमेरिका इस वक्त अपने देश और वैश्विक स्तर पर दोनों तरफ से भारी दबाव में नजर आ रहा है। एक तरफ पश्चिम एशिया में ईरान के साथ लड़ाई जारी है, दूसरी तरफ देश के अंदर ही ट्रंप के खिलाफ लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर है और लोग सड़कों पर उतर आए हैं। शनिवार को अमेरिका के सभी 50 राज्यों में बड़े पैमाने पर 3300 से ज्यादा स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए। इन प्रदर्शनों का नाम था- नो किंग्स देश में कोई राजा नहीं चलेगा। लोकतंत्र में राजा जनता है। अमेरिका ही नहीं बल्कि यूरोप, लैटिन अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया सहित कई देशों में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध हो रहा है। सवाल उठता है, आखिरकार यह आंदोलन कितना बड़ा है? ट्रंप के खिलाफ विरोध की यह तीसरी बड़ी लहर है। इससे पहले भी लाखों लोग सड़कों पर उतर चुके हैं। इस बार का आंकड़ा सबसे बड़ा है। अमेरिका के सभी राज्यों में इस आंदोलन की आग फैल गई है। 3300 से ज्यादा जगहों पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं। इस आंदोलन की खास बात यह है, यह शहरों के साथ-साथ गांवों में भी देखने को मिला है। लोगों ने खुलकर अपना विरोध जताया है। इस बार सबसे बड़ा विरोध मिनसोटा की राजधानी सेंट पॉल में हुआ। जहां मशहूर सिंगर ब्रूस प्रिंस्टीन ने भी आंदोलन में भाग लिया, और एक खास गाना गाया। जो हाल की एक दुखद घटना से जुड़ा हुआ था। उनके साथ कई बड़े सेलिब्रिटी जिसमें एक्टर्स, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता भी आंदोलन के मंच पर नजर आए। सवाल उठता है, अमेरिका और आस-पास के देश के लोगों में आखिर किस बात का गुस्सा भरा है? प्रदर्शन करने वालों के पास कम प्रशासन की शिकायतों की लंबी फेहरिस्त थी। सबसे ज्यादा नाराजगी ट्रंप सरकार की इमीग्रेशन नीति को लेकर है। लोगों का मानना है, सख्ती और छापेमारी से आम लोग डर और भय के साथ जी रहे हैं। इसके अलावा ईरान के साथ चल रहे संघर्ष का विरोध, ट्रांसजेंडर के अधिकारों में कटौती, अमीर-गरीब के बीच बढ़ती खाई जैसे मुद्दों पर लोगों ने खुलकर आवाज उठाई है। वाशिंगटन, न्यूयॉर्क और सैंडियागो जैसे शहरों में हजारों लोग सड़कों पर उतरे। बैनर और नारों के साथ सरकार के खिलाफ यहां पर भारी गुस्सा दिखा। ट्रंप के खिलाफ विरोध के असर की बात की जाए, तो यह विरोध अमेरिका तक सीमित नहीं रहा। यूरोप के कई देशों में लोग इसी तरह के संदेश के साथ ट्रंप के विरोध में सड़कों पर उतरे हैं। कहीं तानाशाही के खिलाफ तो कहीं युद्ध के खिलाफ नारे लगे। यूरोप के देशों में अच्छीखासी भीड़ सड़कों पर देखने को मिली। रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों ने भी हाल ही में बैठक से बहिष्कार कर ट्रंप की नीतियों का विरोध किया। ट्रंप समर्थकों का कहना है, इन प्रदर्शनों को ज्यादा अहमियत नहीं है। उनका कहना है कि यह सब राजनीतिक एजेंडा है। ट्रंप के विरोध में जो तस्वीर जमीन पर दिख रही है, उसके अनुसार जिस तरह संसद और रिपब्लिकन पार्टी के सांसदों और विशिष्ट वर्ग में राष्ट्रपति ट्रंप का विरोध बढ़ रहा है। उनके ऊपर हाल ही में इनसाइडर ट्रेडिंग के आरोप लगे हैं। संसद से अनुमति लिए बिना ट्रंप ने यह युद्ध छेड़ा है। जिसके कारण वह संसद में अलग-थलग पड़ रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ कुछ ऐसे राज्यों में भी प्रदर्शन हुए हैं, जहां ट्रंप को भारी समर्थन मिला था। अमेरिका में माहौल इन दिनों काफी गर्म है। पिछले कुछ महीनो में महंगाई काफी तेजी के साथ बढ़ी है। अमेरिका एक तरफ बाहरी तनाव, दूसरी तरफ आंतरिक विरोध से जूझ रहा है। दोनों स्थितियों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दिन-प्रतिदिन कमजोर होते चले जा रहे हैं। आने वाले समय में यह आंदोलन किस दिशा में जाएगा, यह देखना अहम होगा। अमेरिका और इजरायल ने जिस तरह से ईरान पर आक्रमण किया है, इसका असर अब सारी दुनिया के देशों पर पड रहा है। ट्रंप की नीतियों के कारण डॉलर मुद्रा और पेट्रोल डॉलर व्यापार को काफी नुकसान हुआ है जिसका असर अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर भी पढ़ रहा है। ट्रंप के समय में कर्ज भी तेजी के साथ बढ़ा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण आम नागरिक बहुत परेशान हैं। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की इमेज साइको के रूप में देखने को मिल रही है। जिसके कारण राजनीतिक क्षेत्र में कहा जा रहा है, कि डोनाल्ड ट्रंप शायद ही अपना कार्यकाल पूरा कर पाएं। जिस तरह से उन्होंने अमेरिका को मुसीबत में फंसाया है। डेमोक्रेटिक के साथ-साथ रिपब्लिकन सांसद भी उनके विरोध में खड़े हो रहे हैं। जिसके कारण ज्यादा दिनों तक राष्ट्रपति पद पर बने रहना उनके लिए आसान नहीं होगा।

## होर्मुज संकट से बेहाल दुनिया को चीन की ऊर्जा नीति से सीख लेनी चाहिए

नीरज कुमार दुबे

वैश्विक ऊर्जा संकट के बीच एक सख्त सच्चाई उभर कर सामने आ रही है। होर्मुज जलडमरूमध्य पर मंडराते खतरे ने पूरी दुनिया की सांसें रोक दी हैं, लेकिन इस उथल पुथल के बीच चीन एक अलग ही खेल खेलता नजर आ रहा है। जहां एशिया के कई देश ऊर्जा बचाने की अपील कर रहे हैं, वहीं चीन आत्मविश्वास से भरा हुआ है और दावा कर रहा है कि उसके पास ऊर्जा का पर्याप्त रणनीतिक भंडार है।

दरअसल, यह आत्मविश्वास यूं ही नहीं आया। चीन ने पिछले कई वर्षों में एक ऐसी रणनीति तैयार की है जिसने उसे वैश्विक तेल आपूर्ति के झटकों से काफी हद तक सुरक्षित बना दिया है। जब दुनिया तेल के लिए समुद्री मार्गों पर निर्भर है, चीन ने अपनी निर्भरता को योजनाबद्ध तरीके से कम किया है।

सबसे बड़ा बदलाव चीन के इलेक्ट्रिक वाहन अभियान में दिखता है। जहां 2020 में लक्ष्य रखा गया था कि 2025 तक नए वाहनों में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी इलेक्ट्रिक वाहनों की होगी, वहीं यह आंकड़ा अपेक्षा से कहीं आगे निकल गया और आधे से ज्यादा नई गाड़ियां इलेक्ट्रिक हो गईं। इसका सीधा असर यह हुआ कि चीन की तेल खपत अब स्थिर होने लगी है।

आंकड़े बताते हैं कि केवल इलेक्ट्रिक वाहनों के कारण जितना तेल बचा है, वह लगभग उतना ही है जितना चीन सऊदी अरब से आयात करता था। यह बदलाव मामूली नहीं है, बल्कि यह ऊर्जा भू राजनीति की दिशा बदलने वाला संकेत है।

चीन की दूसरी सबसे बडी ताकत उसका विविधीकृत आयात तंत्र है। जहां जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश एक या दो आपूर्तिकताओं पर निर्भर हैं, वहीं चीन ने अपने तेल स्रोतों को आठ से ज्यादा देशों में फैला रखा है। रूस, ईरान, वेनेजुएला जैसे देशों से सस्ता तेल लेकर उसने पश्चिमी प्रतिबंधों को भी अपने हित में बदल लिया है। रणनीतिक दृष्टि से यह कदम बेहद महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है कि यदि किसी एक क्षेत्र में संकट आता है, तो चीन पूरी तरह ठप नहीं होगा।

तीसरा और सबसे खतरनाक दांव है चीन का विशाल तेल भंडार। अनुमान है कि उसके पास इतना तेल जमा है कि वह होर्मुज मार्ग बंद होने की स्थिति में करीब सात महीने तक अपनी जरूरतें पूरी कर सकता है। यह भंडारण केवल आर्थिक सुरक्षा नहीं बल्कि सामरिक हथियार भी है। देखा जाये तो ऊर्जा सुरक्षा के इस खेल में चीन ने केवल तेल पर ही भरोसा नहीं किया है। उसकी बिजली व्यवस्था लगभग आत्मनिर्भर हो चुकी है। कोयले और तेजी से बढ़ती नवीकरणीय ऊर्जा के दम पर चीन ने अपने ग्रिड को बाहरी निर्भरता से लगभग मुक्त कर लिया है।

इसके साथ ही सौर और पवन ऊर्जा का विस्फोटक विस्तार इस बात का संकेत है कि चीन भविष्य की ऊर्जा लड़ाई के लिए पहले ही तैयार है। इसका सीधा असर यह हुआ है कि उसे कम एलएनजी आयात करना पड रहा है और तटीय इलाकों की निर्भरता भी घट रही है। गैस के मामले में भी चीन ने चालाकी दिखाई है। पाइपलाइन नेटवर्क के जरिए उसने रूस, मध्य एशिया और म्यांमार से सीधी आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है। इससे समुद्री मार्गों पर निर्भरता और कम हो गई है। सामरिक नजरिए से देखें तो यह पूरी रणनीति एक गहरी सोच का परिणाम है। चीन ने समझ लिया था कि भविष्य की जंग केवल हथियारों से नहीं बल्कि ऊर्जा पर नियंत्रण से जीती जाएगी।

आज जब होर्मुज जलडमरूमध्य पर खतरा मंडरा रहा है, तब भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देश चिंता में डूबे हुए हैं। लेकिन चीन इस संकट को अवसर में बदलने की स्थिति में है। सबसे बड़ी बात यह है कि चीन की तेल मांग अब चरम पर पहुंचकर घटने की ओर बढ़ रही है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में उसकी आयात निर्भरता और कम होगी, जिससे वैश्विक बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत होगी।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम एक साफ संदेश देता है। जो देश समय रहते अपनी ऊर्जा रणनीति नहीं बदलेंगे, वे आने वाले संकटों में बुरी तरह फंस सकते हैं। चीन ने यह साबित कर दिया है कि दीर्घकालिक योजना, आक्रामक निवेश और रणनीतिक विविधीकरण के दम पर किसी भी वैश्विक संकट को मात दी जा सकती है। अब सवाल यह है कि क्या बाकी दुनिया इस सबक को समझेगी या फिर अगला संकट उन्हें पूरी तरह झकझोर देगा।

## अपने भीतर के हनुमान को जगाने का पर्व

ललित गर्ग

**हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा।**

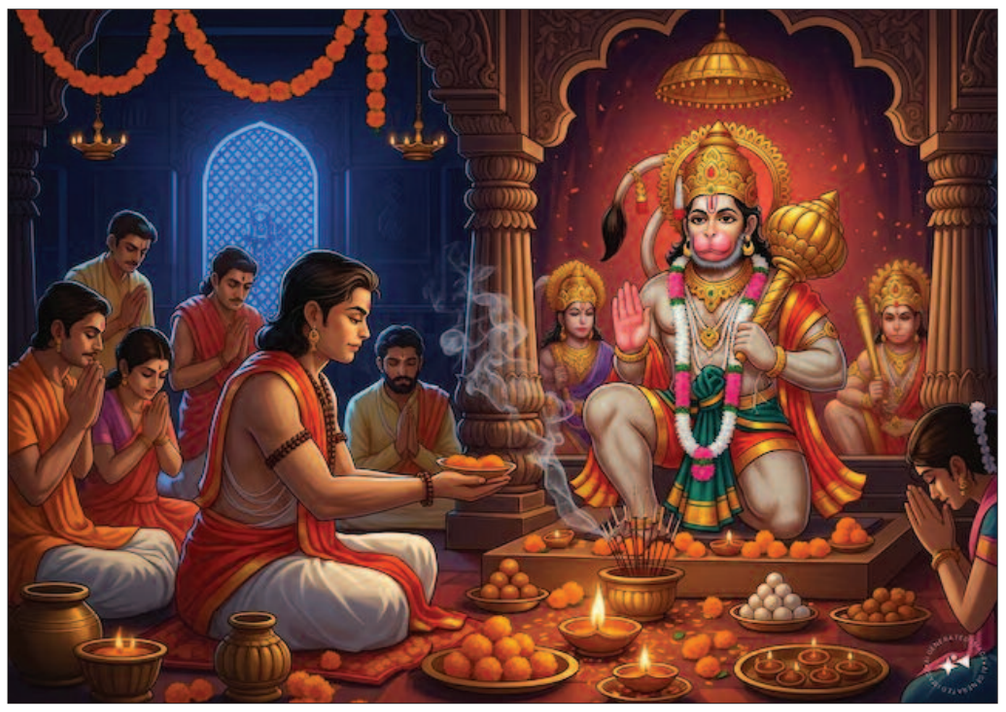

हनुमान जयंती केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि मानव जीवन के चरित्र-निर्माण, आत्मबल, संयम, सेवा और समर्पण की प्रेरणा देने वाला महान दिवस है। यह दिन हमें मंदिरों में दीप जलाने से अधिक अपने भीतर के अंधकार को दूर करने का संदेश देता है। हनुमान केवल शक्ति के प्रतीक नहीं हैं, वे शक्ति के सदुपयोग, ज्ञान की विनम्रता, भक्ति की पराकाष्ठा और सेवा की परंपरा के प्रतीक हैं। इसलिए हनुमान जयंती मनाने का वास्तविक अर्थ है- अपने भीतर के हनुमान को जगाना। हनुमान जी को मंगलकर्ता और विघ्नहर्ता कहा गया है। लेकिन वे विघ्न केवल बाहरी नहीं हटाते, वे मनुष्य के भीतर के विघ्न- अहंकार, भय, आलस्य, क्रोध, लोभ, मोह, इन सबका भी नाश करते हैं। आज का मनुष्य बाहरी समस्याओं से कम और आंतरिक कमजोरियों से अधिक परेशान है। इसलिए आज हनुमान की प्रासंगिकता पहले से कहीं अधिक है।

हनुमान शक्ति के प्रतीक हैं, लेकिन उनकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उन्होंने कभी अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं किया। उन्होंने अपनी शक्ति को सेवा में लगाया। आज का युग शक्ति प्रदर्शन का युग बन गया है-धन का प्रदर्शन, पद का प्रदर्शन, ज्ञान का प्रदर्शन, शक्ति का प्रदर्शन। लेकिन हनुमान हमें सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, उसका संरक्षण और सदुपयोग ही महानता है। सर्वशक्तिमान होकर भी उन्होंने स्वयं को ह्लराम का दासह्व कहा। इससे बड़ी विनम्रता और क्या हो सकती है? हनुमान हमें यह भी सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का अहंकार नहीं होना चाहिए। ज्ञान यदि विनम्रता नहीं देता, तो वह अज्ञान है। शक्ति यदि सेवा में नहीं लगती, तो वह विनाश का कारण बनती है। इसलिए हनुमान शक्ति और ज्ञान के साथ-साथ विनम्रता और सेवा के भी प्रतीक हैं।

हनुमान को ज्ञानियों में अग्रगण्य कहा गया है- 'ज्ञानिनामग्रगण्यम'। वे केवल बलवान नहीं थे, वे महान विद्वान, व्याकरणाचार्य, तर्कशास्त्री, संगीतज्ञ और नीतिज्ञ भी थे। लेकिन इतनी विद्या होने पर भी उनमें अहंकार नहीं था। वे सरलता, सादगी और सेवा के प्रतीक बने रहे। आज शिक्षा बढ़ रही है, लेकिन विनम्रता घट रही है। डिग्रियाँ बढ़ रही हैं, लेकिन चरित्र घट रहा है। ऐसे समय में हनुमान का चरित्र हमें ज्ञान के साथ विनम्रता का संतुलन सिखाता है। हनुमानजी को हिन्दू देवताओं में सबसे शक्तिशाली माना गया है, वे रामायण जैसे महाग्रंथ के सह पात्र थे। वे भगवान शिव के ग्यारवें रूद्र अवतार थे जो श्रीराम की सेवा करने और उनका साथ देने त्रेता युग में अवतरित हुए थे। उनको बजरंग बलि, मारुतिनंदन, पवनपुत्र, केशरीनंदन आदि अनेकों नामों से पुकारा जाता है। उनका एक नाम वायुपुत्र भी है, उन्हें वातात्मज भी कहा गया है अर्थात वायु से उत्पन्न होने वाला। इन्हें सात चिरंजीवियो में से एक माना जाता है। वे सभी कलाओं में सिद्धहस्त एवं माहिर थे। वीरो में वीर, बुद्धिजीवियों में सबसे विद्वान। इन्होंने अपने पराक्रम और विद्या से अनेकों कार्य चुटकीभर समय में पूर्ण कर दिए है। वे शौर्य, साहस और नेतृत्व के भी प्रतीक हैं। समर्पण एवं भक्ति उनका सर्वाधिक लोकप्रिय गुण है। रामभक्त हनुमान बल, बुद्धि और विद्या के सागर तो थे ही, अष्ट सिद्धि और नौ निधियों के दाता और ज्योतिष के भी प्रकांड विद्वान थे।

हनुमान के जीवन में तीन महान तत्व दिखाई देते हैं-ज्ञान, भक्ति और कर्म। ज्ञान उन्हें दिशा देता है, भक्ति उन्हें प्रेरणा देती है और कर्म उन्हें महान बनाता है। यदि किसी व्यक्ति के जीवन में ज्ञान है पर कर्म नहीं, तो वह अधूरा है। यदि कर्म है पर भक्ति नहीं, तो उसमें संवेदना नहीं होगी। यदि भक्ति है पर ज्ञान नहीं, तो वह अंधविश्वास बन सकती है। इन तीनों का समन्वय यदि किसी चरित्र में दिखाई देता है, तो वह हनुमान का चरित्र है। हनुमान का जीवन संयम का जीवन था। वे बलशाली थे, पर ब्रह्मचारी थे। वे विद्वान थे, पर विनम्र थे। वे वीर थे, पर शांत थे। वे शक्तिशाली थे, पर सेवक थे। यह संतुलन ही उन्हें महान बनाता है। आज मनुष्य के पास साधन हैं, पर संयम नहीं। ज्ञान है, पर दिशा नहीं। शक्ति है, पर सेवा नहीं। इसलिए समाज में अशांति बढ़ रही है। हनुमान का जीवन हमें संयम और संतुलन का संदेश देता है।

हनुमान के बाल स्वरूप की कथा भी अत्यंत प्रेरणादायक है। बालक हनुमान ने सूर्य को फल समझकर पकड़ने का प्रयास किया। यह केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि एक महान संदेश है। यह बालकों की असीम जिज्ञासा, उत्साह और ऊर्जा का प्रतीक है। यह कथा समाज को संदेश देती है कि बच्चों की जिज्ञासा को दबाया नहीं जाना चाहिए, उसे सही दिशा देनी चाहिए। यदि बालकों को सही मार्गदर्शन मिले, तो उनमें से हर बालक हनुमान बन सकता है-ऊर्जावान, जिज्ञासु, साहसी और रचनात्मक। आज के माता-पिता और समाज की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों में हनुमान जैसे गुण विकसित करें-साहस, जिज्ञासा, अनुशासन, सेवा, विनम्रता और भक्ति। यदि बचपन में ही यह संस्कार मिल जाएं, तो समाज का भविष्य उज्ज्वल हो सकता है। हनुमान भक्ति का वास्तविक अर्थ भी समझना जरूरी है। हनुमान भक्ति केवल चालीसा पढ़ना नहीं है, बल्कि हनुमान के गुणों को जीवन में उतारना है।

हनुमान भक्ति का अर्थ है- अहंकार छोड़ना, सेवा करना, सत्य का साथ देना, संयम रखना, कर्तव्य निभाना और अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। जब तक भक्ति केवल मंदिर तक सीमित रहेगी, तब तक भगवान अलग रहेंगे और भक्त अलग रहेगा। जब भक्ति जीवन बन जाती है, तब भगवान और भक्त अलग नहीं रहते। हनुमान की भक्ति प्रदर्शन नहीं, आत्मपरिवर्तन की प्रक्रिया है। यह भक्ति व्यक्ति को भीतर से बदल देती है-अहंकार की जगह विनम्रता, क्रोध की जगह क्षमा, भय की जगह साहस और निराशा की जगह आशा भर देती है। आज समाज में सबसे बड़ी समस्या शक्ति की नहीं, चरित्र की है; ज्ञान की नहीं, दिशा की है; साधनों की नहीं, संयम की है। इसलिए आज समाज को हनुमान की जरूरत है-मंदिरों में नहीं, जीवन में; मूर्तियों में नहीं, व्यक्तित्व में। हर व्यक्ति के भीतर एक हनुमान सोया हुआ है- किसी में साहस का हनुमान, किसी में सेवा का हनुमान, किसी में ज्ञान का हनुमान, किसी में भक्ति का हनुमान। जरूरत केवल उसे जगाने की है।

अपने भीतर के हनुमान को जगाने का अर्थ है- अपने भीतर के भय को हराना, अपने भीतर के अहंकार को मिटाना, अपने भीतर की शक्ति को सेवा में लगाना, अपने ज्ञान को समाज के काम में लगाना, अपने जीवन को किसी महान उद्देश्य से जोड़ना। यदि हनुमान जयंती पर हम केवल पूजा करें और जीवन न बदलें, तो यह पर्व अधूरा है। यदि हम अपने जीवन में साहस, सेवा, संयम, विनम्रता और भक्ति का एक भी गुण उतार लें, तो हनुमान जयंती सार्थक हो जाएगी। आज आवश्यकता मंदिरों में हनुमान खोजने की नहीं, अपने भीतर हनुमान जगाने की है। जब व्यक्ति के भीतर हनुमान जागेगा, तब उसका भय समाप्त होगा। जब समाज के भीतर हनुमान जागेगा, तब अन्याय समाप्त होगा। जब राष्ट्र के भीतर हनुमान जागेगा, तब कमजोरी समाप्त होगी।

हनुमान जयंती हमें यही संदेश देती है कि महानता शक्ति में नहीं, शक्ति के सदुपयोग में है; ज्ञान में नहीं, ज्ञान की विनम्रता में है; भक्ति में नहीं, भक्ति के समर्पण में है। इस हनुमान जयंती पर हमें संकल्प लेना चाहिए- हम शक्ति का प्रदर्शन नहीं, संरक्षण करेंगे। हम ज्ञान का अहंकार नहीं, विनम्रता रखेंगे। हम भक्ति का प्रदर्शन नहीं, जीवन में समर्पण लाएंगे। हम अपने भीतर के हनुमान को जगाएंगे। यदि हर व्यक्ति अपने भीतर के हनुमान को जगा ले, तो परिवार सुधर जाएगा, समाज सुधर जाएगा, राष्ट्र सुधर जाएगा और मानवता का भविष्य उज्ज्वल हो जाएगा। यही हनुमान जयंती का वास्तविक संदेश है- अपने भीतर के हनुमान को जगाइए, जीवन को शक्ति, ज्ञान, भक्ति और सेवा का संगम बनाइए।
~~~~~~~~~~

# रसीले फलों का मौसम

## गर्मी के अनूठे फल....

**बार**-बार पलट पलट कर आती सर्दी से डरिए नहीं क्योंकि गर्मी बस आने ही वाली है। फिर शुरू होगा रसीले फलों का मौसम। फलाहार से जीवन में स्वास्थ्य प्राप्त होता है।। हमारे ऋषि-मुनि भी फल, कंद-मूल खाकर ही स्वस्थ जीवन बिताते थे। ऋतुओं के साथ फल भी बदल जाते हैं। ग्रीष्म ऋतु के आते ही नए-नए फल आ जाते हैं।

**फलों का राजा आम**

आम फलों का राजा कहलाता है। विश्व के अनेक देशों में आम की अलग-अलग जाति होती है। फिर भी हिंदुस्तान का प्रसिद्ध फल आम ही है। स्वाद, स्वास्थ्य एवं बल संवर्धन की दृष्टि से आम सभी फलों में आगे है। आम भिन्न-भिन्न जाति के होते हैं। किन्तु सभी आमों के गुण प्राय: एक से ही होते हैं। आम को खाने से पहले 2-3 घंटे पानी में रखने से गर्मी निकल जाती है।

**अद्वितीय फल खरबूजा**

यह ग्रीष्म ऋतु का अद्वितीय फल है। यह हर कहीं सहजता से उपलब्ध रहता है एवं सस्ता होने के कारण सभी खरीद सकते हैं। खरबूजा तृप्तिकारक, शीतल, बलवर्धक तथा पित्त, वायु, कब्ज निवारक है। शारीरिक श्रम के बाद यह फल खाने से थकान दूर हो जाती है तथा तृप्ति मिलती है।

**पानी का खजाना तरबूज**

इसका गूदा जितना लाल होगा, वह उतना ही मीठा, स्वादिष्ट तथा रसभरा होगा। इसमें 75 प्र.श. पानी रहता है। वास्तव में यह ग्रीष्म ऋतु का सबसे मजेदार फल है। यह ग्रीष्म ऋतु में आनंद, मुख तृप्ति तथा स्वास्थ्य प्रदाता फल माना जाता है।

तरबूज का हर हिस्सा काम का होता है, इसके छिलके की सब्जी भी बढ़िया बनती है।

**अनुपम ककड़ी**

यह उष्ण तथा ग्रीष्म ऋतु का अनुपम उपहार फल तथा सब्जी दोनों है। ककड़ी अपने शीतल प्रभाव से मन, मस्तिष्क तथा वायु कोशिकाओं को तृप्ति एवं स्वास्थ्य प्रदान करती है। यह गर्मी तथा लू से बचाती है। खीरा और ककड़ी के गुणधर्म एक से होते है।

# खूब खाएं टमाटर

**टमाटर** लगभग हर सब्जी में प्रयोग किया जाता है। इसके बिना खाना अधूरा माना जाता है। सलाद के रूप में भी इसे काफी पसंद किया जाता है। टमाटर में प्रोटीन, विटामिन, वसा आदि तत्व विद्यमान होते हैं। यह सेवफल व संतरा दोनों के गुणों से युक्त होता है। इतना ही नहीं, यह अनेक बीमारियों का इलाज भी करता है। आइए जानें कि टमाटर से किन-किन रोगों का उपचार होता है -

- बच्चों को सूखा रोग होने पर आधा गिलास टमाटर के रस का सेवन कराने से फायदा होता है।
- दो या तीन पके हुए टमाटरों का नियमित सेवन करने से बच्चों का विकास शीघ्र होता है।
- शरीर का भार घटाने के लिए सुबह-शाम एक गिलास टमाटर का रस पीना लाभप्रद है।
- यदि गठिया रोग हो, तो एक गिलास टमाटर के रस की सोंठ तैयार करें व इसमें एक चम्मच अजवायन का चूर्ण सुबह-शाम पीने से लाभ होता है।
- गर्भवती महिलाओं के लिए सुबह एक गिलास टमाटर के रस का सेवन फायदेमंद है।
- टमाटर के नियमित सेवन से पेट साफ रहता है।
- कफ होने पर टमाटर का सेवन अत्यंत लाभदायक है।
- प्रात: बिना कुल्ला किए पका टमाटर खाना स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद होता है।
- पेट में कीड़े होने पर सुबह खाली पेट टमाटर में पिसी हुई कालीमिर्च लगाकर खाने से लाभ होता है।
- भोजन करने से पहले दो या तीन पके टमाटरों को काटकर उसमें पिसी हुई कालीमिर्च, सेंधा नमक एवं हरा धनिया मिलाकर खाएं। इससे चेहरे पर लाली आती है व पौरूष शक्ति बढ़ती है।
- टमाटर के गूदे में कच्चा दूध व नींबू का रस मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर चमक आती है।
- टमाटर के नियमित सेवन से अन्य रोग जैसे डायबिटीज, आंखों व पेशाब संबंधी रोगों, पुरानी कब्ज व चमड़ी के रोगों का उपचार होता है।

# हेल्थ प्लस

## फूलगोभी बचाए त्वचा कैंसर से

**कैंसर** से बचने के लिए हरी सब्जियों को लम्बे समय से एक अच्छा 'हथियार' माना जाता रहा है। लेकिन, अब जल्दी ही इनसे बनी क्रीम को चेहरे पर लगाने से भी कैंसर से बचा जा सकेगा। फूलगोभी में पाए जाने वाले आइसोथियोसायनेट्स मिश्रिण पर आधारित यह क्रीम अत्यन्त घातक त्वचा (स्किन) कैंसर से बचाएगी।

वैज्ञानिकों ने इस मिश्रिण का इस्तेमाल कर क्रीम बनाई है जो 'मैलिगनेंट मेलानोमा' नाम के कैंसर से बचाएगी। हालांकि इस क्रीम को बाजार में आने में काफी समय लगेगा, लेकिन प्रयोग के तौर पर कैंसर के इलाज में सकारात्मक असर देखने को मिला है।

## विटामिन सी भागे झुर्री

**एक** अध्ययन से मालूम हुआ है कि विटामिन सी से भरपूर फल-सब्जियों का सेवन करके त्वचा को झुर्रियों से बचाया जा सकता है। यानी आपकी उम्र भले ही बढ़ रही हो, लेकिन त्वचा की चमक कमसिन उम्र जैसी बरकरार रह सकती है।

**विटामिन सी के स्रोत**

मिर्च, ब्रोकोली, संतरा, कीवी, स्ट्रॉबेरी, टमाटर, हरी पत्तेदार सब्जियां, पपीता, आम, तरबूज, फूलगोभी, पत्तागोभी, आस एवं नीबू।

**अध्ययन**

ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने पोषक तत्वों का त्वचा की उम्र पर असर जानने के लिए 4000 से अधिक 40-74 वर्षीय महिलाओं पर अध्ययन किया। इन महिलाओं की त्वचा की गहराई से जांच की गई और वे क्या खाती हैं इसकी भी जानकारी ली गई। निष्कर्ष के रूप में न्यूट्रीशनल एपिडेमियोलॉजिस्ट कोसग्रोव व उनकी टीम ने पाया कि जो महिलाएं नियमित रूप से विटामिन सी का सेवन कर रही थीं उनमे झुर्रियों की मात्रा विटामिन सी न खाने वाली महिलाओं की अपेक्षा बहुत कम थी। जरूरी है

**विटामिन सी एक एंटीऑक्स**

यह त्वचा को लचीला रखने वाले प्रोटीन 'कोलाजन' के संश्लेषण में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। इसके अलावा ओमेगा-6 फैटी एसिड युक्त भोजन भी त्वचा में सूखापन, झुर्रियां और पतलापन नहीं आने देता यानी त्वचा की लचक को बरकरार रखता है। विटामिन सी पानी में घुलनशील विटामिन है। यह 'कोलाजन' प्रोटीन का निर्माण करता है। यही कोलाजन हड्डियों, कार्टिलेज, मांसपेशियों एवं रक्त-घमनियों का स्ट्रक्चर प्रदान करता है।

# गर्भावस्था में अजीर्णता और अपच

**गर्भावस्था** के दूसरी (4 से 6 मास) और तीसरी (7 से 9 मास) त्रैमासिक अवधि में अजीर्णता में तीव्रता आ सकती है।अजीर्णता में छाती के मध्य में जलन महसूस होती है।

**कारण**

गर्भावस्था में स्त्री हॉरमोनों की बढ़ी हुई मात्रा से आमाशय एवं भोजन नली के बीच की संकोचक-पेशी ढीली पड़ जाती है, जिससे आमाशय अम्ल भोजन नली में चले जाते हैं तथा श्लेष्मा झिली को हानि पहुंचाते हैं।

- अपचन एक पाचन संबंधी परेशानी है।
- गर्भावस्था के शुरूआत में हॉरमोन परिवर्तन।
- गर्भावस्था के बाद के दिनों में बढ़ रहे गर्भाशय के कारण आमाशय पर दबाव पड़ना।
- चाय, कॉफी, तले और तैलीय भोजन के अत्यधिक सेवन से तथा कम पानी पीने के कारण लक्षणों में वृद्धि हो सकती है।

**लक्षण**

अजीर्णताह्व गैस अधिक बनना/अफाराह्व पेट फूलना डकार आना सामान्य भोजन लेने पर भी पेट में भारीपन होना।

**क्या करें**

- भोजन करते समय सीधे बैठें।
- बिस्तर के सिर वाले हिस्से को थोड़ा ऊपर कर लें जिससे लेटने पर आमाशय से खाना भोजन नली में न जाए।

**क्या न करें**

- जिन खाद्य पदार्थों से तकलीफ होती हो एवं तले, मसालेदार, व तैलीय पदार्थों का सेवन न करें।
- खाना खाते समय पानी न पीएं।
- सोने से तुरंत पहले खाना अथवा पानी न लें।
- खाने के तुरंत बाद न लेटें।
- 'गर्भावस्था में अजीर्ण और अपच' के लिए औषधियां चिकित्सक की सलाह से लें।

**लक्षण**

- आमाशय में खालीपन महसूस करना।
- खाने के बाद अर्जीणता के लक्षणों में आराम मिलना।

**एनाकार्डियम 30**

- आमाशय में अफारा और भार महसूस करना जैसे पत्थर रखा हो। खाने के बाद तकलीफ बढ़ जाना।
- कॉफी पीने से बदहजमी अथवा अपचन।
- आमाशय वाले हिस्से में दबाने से तकलीफ महसूस करना।

**नक्स वोमिका 30**

- तैलीय भोजन, केक, पेस्ट खाने से बदहजमी।
- तैलीय और गर्म भोजन के प्रति अनिच्छा।
- भोजन के काफी देर पश्चात् भी मुंह में भोजन का स्वाद रहना।
- सुबह मुंह का स्वाद खराब होना और अम्लीय द्रव्य मुंह में आना।
- जिव्हा सूखी होने पर भी प्यास नहीं लगना।

**पल्सैटिला 30**

- पेट में खालीपन महसूस करना जिसमें खाने के बाद भी आराम नहीं आता।
- सिरका, खट्टी चीजें और अचार की तीव्र इच्छा होना।
- अम्लता (एसिडिटी) के साथ अफारापन और खट्टी डकार आना।

# बैक्टीरिया से सुरक्षित भोजन

**यूएस** रिसर्चर्स ने एक ऐसे डिवाइस की खोज की है, जो भोजन में मौजूद खतरनाक बैक्टीरिया को पैकिंग के वक्त ही नष्ट कर देता है।

पूरड्यू यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इस डिवाइस के जरिए फूड प्रिजर्वेशन की फील्ड में बहुत महत्वपूर्ण काम किया है। इस डिवाइस के जरिए अब पालक और टमाटर से बनने वाले पैकेज फूड को आसानी से बैक्टीरिया रहित बनाया जा सकेगा।

यूनिवर्सिटी के डिपॉर्टमेंट ऑफ फूड साइंस में एसोसिएट प्रोफेसर केविन कीनर ने एक छोटे से ट्रांसफार्मर से हाई वोल्टेज क्राइल्स को जोड़कर ये डिवाइस तैयार किया है। यह सामान्य तापमान में ही प्लाज्मा फील्ड पैकेज्ड फूड तैयार कर लेगा और इसमें गैसों को आयनीकृत करके भरा जाएगा।

इस प्रक्रिया के माध्यम से हार्मफुल बैक्टीरिया को मारा जा सकता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह डिवाइस पब्लिक हेल्थ को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है।

# टाईम पास

## आज का राशिफल

**मेष** (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-2-5-7

**वृष** (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी व अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभांक-5-6-7

**मिथुन** (का की कू घ ङ छ के को हा)

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-5-6-9

**कर्क** (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरूपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। शुभांक-1-6-7

**सिंह** (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-2-5-6

**कन्या** (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-3-8-7

**तुला** (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। रुपए पैसों की सुविधा मिल जाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-2-3-7

**वृश्चिक** (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। शुभांक-2-6-8

**धनु** (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग बना है। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। शुभांक-4-8-9

**मकर** (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। कार्यक्षेत्र में तनाव पैदा होगा। खान-पान में सावधानी रखें। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-5-6-8

**कुंभ** (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-8-9

**मीन** (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-3-6-8

## काकुरो पहेली - 3846

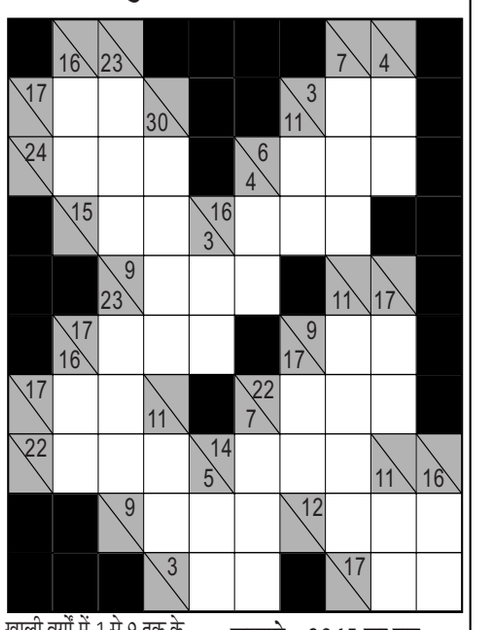

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

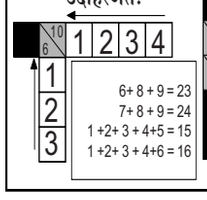


**काकुरो - 3845 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 16 | 23 | | | 4 | 12 | | |
| 17 | 9 | 8 | 16 | 3 | 1 | 2 | 10 | |
| 22 | 7 | 6 | 9 | 6 14 | 3 | 1 | 2 | 30 |
| | 24 | 9 | 7 | 8 | 23 3 | 6 | 8 | 9 | 17 |
| | | | 6 3 | 2 | 1 | 3 | 17 | 8 | 9 |
| | 4 | 7 9 | 1 | 4 | 2 | 4 | 15 10 | 7 | 8 |
| 9 | 3 | 4 | 2 | | 10 | 3 | 1 | 6 | |
| 3 | 1 | 2 | 17 | 16 | 3 | 1 | 2 | 3 | 12 |
| | 20 | 3 | 8 | 9 | | 18 | 7 | 2 | 9 |
| | | 16 | 9 | 7 | | 4 | 1 | 3 | |

## हंसी के फव्वारें

'सुधीर, आज जब मैं पढ़ा रहा था तो तुम बातें कर रहे थें. अध्यापक ने कहा.'

'नहीं सर, आपको भ्रम हो गया लगता है मैं तो नींद में कभी बाते नहीं करता हूँ .'

□ □ □

'कल रात अंधेरे में एक चोर मेरे कमरे में घुस आया.' एक लड़की ने अपने प्रेमी को बताया.

'फिर क्या उसने कुछ चुराया ?' प्रेमी ने पूछा.

'हां, बहुत कुछ चुराकर ले गया, मैं समझी कि तुम आये हो.'

□ □ □

मालिक(नौकर से) : रामू इस वर्ष तुम चार बार अपने दादा के मरने की छुट्टी ले चुके हो अब किस बात की छुट्टी चाहिए?

रामू: मालिक मेरी दादी की शादी है.

□ □ □

एक महिला ने अपनी सखी को बताया, 'मेरे लिए पति की देखभाल करना मुश्किल काम नहीं, आखिर मैं अपने चार बच्चों को पाल चुकी हूँ.'

□ □ □

रात्रि का समय था. हवलदार ने एक साइकिल सवार को बिना रोशनी लगाये आते देखा तो उसने रोका और पूछा-'यह साइकिल तुम्हारी है?'

'जी नहीं.'

'तुम्हारा नाम'

'जी वह मेरा अपना है.'

## फिल्म वर्ग पहेली- 3846

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | ■ | 4 | | 5 | | ■ |
| ■ | | ■ | 6 | | | ■ | | ■ | 7 |
| 8 | ■ | 9 | | ■ | 10 | 11 | | 12 | ■ |
| 13 | | | ■ | 14 | ■ | | ■ | | ■ |
| | ■ | 15 | 16 | | ■ | 17 | 18 | | 19 |
| | ■ | ■ | | ■ | 20 | ■ | | ■ | |
| ■ | 21 | 22 | | ■ | 23 | | ■ | 24 | |
| 25 | ■ | | ■ | 26 | | ■ | 27 | | ■ |
| 28 | | | ■ | | ■ | 29 | | ■ | 30 |
| | ■ | ■ | 31 | | | ■ | 32 | | |

**बायें से दायें:-**

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेंमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

**फिल्म वर्ग पहेली- 3845**

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| य | स | बॉ | स | | ह | मे | श | | स |
| हू | | ड | | रॉ | की | | | खो | फ |
| दी | दा | र | | | क | स | क | | र |
| | मि | | की | म | त | | री | ना | |
| सु | नी | ल | | र्या | | हि | ना | | कि |
| जा | | व | ही | दा | | म्म | | जि | स्म |
| ता | ल | | रे | | सौ | त | न | | त |
| | ल | म्हे | | सौ | दा | | ज | या | |
| श | का | | जीं | | ग | | र | | प्या |
| का | र | तू | स | | र | वी | ना | | सा |

## सूडोकु -3846

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 8 | | | | 1 | 5 | |
| 2 | | | | | 1 | 8 | | |
| 3 | | | 4 | | 6 | 7 | | 9 |
| 5 | | | | | 9 | | | |
| | 9 | | 2 | 3 | 4 | | 7 | |
| | | | 1 | | | | | 8 |
| 4 | | 7 | 6 | | 5 | | | 1 |
| | | 6 | 7 | | | | | 4 |
| | 5 | 3 | | | | 2 | | |

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु -3845 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 7 | 5 | 2 | 1 | 4 | 8 | 6 |
| 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 8 | 7 | 1 | 3 |
| 8 | 6 | 1 | 3 | 7 | 4 | 9 | 5 | 2 |
| 2 | 8 | 9 | 1 | 5 | 3 | 6 | 4 | 7 |
| 4 | 7 | 3 | 2 | 8 | 6 | 5 | 9 | 1 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 9 | 7 | 2 | 3 | 8 |
| 9 | 3 | 4 | 7 | 1 | 2 | 8 | 6 | 5 |
| 7 | 5 | 6 | 8 | 3 | 9 | 1 | 2 | 4 |
| 1 | 2 | 8 | 6 | 4 | 5 | 3 | 7 | 9 |

## शब्द पहेली - 3846

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | | 3 | | ■ | ■ | 4 | | 5 | ■ |
| 6 | | ■ | | ■ | 7 | | | ■ | 8 | 9 |
| | ■ | ■ | 10 | | | ■ | | ■ | ■ | |
| 11 | | 12 | | ■ | ■ | 13 | ■ | 14 | 15 | |
| | ■ | | ■ | 16 | | | ■ | | | ■ |
| ■ | 17 | | ■ | | ■ | | ■ | 18 | | ■ |
| ■ | | ■ | 19 | | | | ■ | | ■ | 20 |
| 21 | | | ■ | | ■ | ■ | 22 | | | |
| | ■ | ■ | 23 | ■ | 24 | | | ■ | ■ | |
| 25 | 26 | ■ | 27 | | | ■ | | ■ | 28 | |
| ■ | 29 | | | ■ | ■ | 30 | | | | |

**बाएँ से दाएँ**

1. उड़ीसा का शहर जहां इस्पात फैक्ट्रियां हैं-5
4. कराह,टीस,लालसा-3
6. हानि,आपत्ति-2
7. दुश्मनी,बैर-3
8. इंसाफ-2
10. साठवीं जयंती-3
11. जलाऊ लकड़ी-4
14. छोटा भाई-3
16. निरंकुश,आवारा-4
17. ठाठ-बाट-2
18. आफत,मुसीबत-2
19. शैतानी,बदमाशी-4
21. सहायता-3
22. इच्छा,लालसा-4
24. कवि,गजलकार-3
25. जरा,थोड़ा-2
27. मुलायम,नाजुक-3
28. गुफा,खोह-2
29. प्रियतम,सनम-3
30. मन मोहने वाला-5

**ऊपर से नीचे**

1. सार्वजनिक मार्ग, आम रास्ता-5
2. उत्साह.शक्ति-2
3. बिना बाल वारा,गंजा-4
4. पंक्ति,लाइन-3
5. लड़की,पुत्री,बेटी-2
7. वहम,संदेह-2
9. जुड़वा-3
12. प्रतिज्ञा,कसम-3
13. गंगा का पानी-4
15. तीखा,तीक्ष्ण-3
16. आतुर,धैर्यहीन-4
17. संभवतः-3
18. मर्कट,कपि-3
20. गोविंदा,खुशबू की फिल्म-5
21. पानी रखने का चमड़े का पात्र-3
22. मनोकामना -4
23. साजन,प्रेमी-3
24. संध्या,सांझ-2
26. आनंद-2
28. महीना,मास-2

**शब्द पहेली -3845 का हल**

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | प | रा | या | प | न | | म | च | ल | ना |
| सां | ग | | च | | का | ली | न | | त | ट |
| व | | त | क | रा | र | | का | ल | | की |
| ला | चा | र | | | दे | श | | त | न | य |
| प | | ती | | पा | ना | | गा | | क | |
| न | क | ब | ज | न | | चा | ल | च | ल | न |
| | हा | | मा | | च | र | | ह | | म |
| म | र | ना | | द | म | | | क | स | क |
| र | | श | क | | क | रा | ह | ना | | या |
| दू | ब | | ल | बा | दा | | रा | | या | त्रा |
| द | या | क | र | | र | च | ना | का | र | |

# शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

## सेंसेक्स 1186, निफ्टी 348 अंक उछला

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को भारी तेजी के साथ बंद हुआ। वित्त वर्ष के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के साथ जारी संघर्ष के शीघ्र समाप्त होने के संकेतों से भी बाजार उछला है।

इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में कमी से भी बाजार धारणा मजबूत हुई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1186.77 अंक ऊपर आकर 73,134.32 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी 348 अंकों की बढ़त के साथ ही 22,679.40 के स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले मार्च में दोनों प्रमुख इंडेक्स 11 फीसदी से ज्यादा गिरे थे। इससे निवेशकों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। आज बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण लगभग 13 लाख करोड़ रुपए बढ़कर 425 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा पहुंच गया। इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 1814.88 अंकों की बढ़त के साथ 73,762.43 पर खुला जबकि निफ्टी 567 अंकों की तेजी के साथ 22,899 के स्तर पर पहुंचा। आज मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी मजबूत खरीदारी देखने को मिली, जहां निफ्टी मिडकैप 100 में 3.30 फीसदी और स्मॉलकैप 100 में 3.61 फीसदी की तेजी दर्ज की गई।

## हुंदै मोटर इंडिया की बिक्री मार्च में 2ण्5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई हुई




**नई दिल्ली ।**

हुंदै मोटर इंडिया लिमिटेड ;एचएमआईएलद्ध की मार्च में कुल बिक्री सालाना आधार पर 2ण्5 प्रतिशत बढ़कर 69ए004 इकाई रही। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी ने बयान में कहा कि मार्च 2026 की बिक्री में घरेलू बिक्री की 55ए064 इकाई और 13ए940 इकाई का निर्यात शामिल हैं। घरेलू बिक्री मार्च के किसी भी महीने की अब तक की सबसे अधिक रही और इसमें सालाना आधार पर 6ण्3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसमें कहा गया कि जनवरी से मार्च 2026 की अवधि में कुल बिक्री 2ए08ए275 इकाई रही जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 8ण्7 प्रतिशत अधिक है। इसमें चौथी तिमाही ;जनवरी से मार्चद्ध में घरेलू बिक्री 1ए66ए578 इकाई रहीए जो सालाना आधार पर 8ण्5 प्रतिशत अधिक है जो उसकी स्थापना के बाद से सर्वाधिक रही। कंपनी ने बताया कि चौथी तिमाही में निर्यात 41ए697 इकाई रहा जो सालाना आधार पर 9ण्4 प्रतिशत अधिक है।

# रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले बुधवार को भारतीय रुपया 1.41 रुपये की बढ़त के साथ ही 93.44 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 15 पैसे बढ़कर 94.70 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। घरेलू शेयर बाजारों में तेजी और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने से घरेलू मुद्रा को थोड़ा समर्थन मिला। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 93.62 प्रति डॉलर पर मजबूत खुला। हालांकि जल्द इसने थोड़ी बढ़त खो दी डॉलर के मुकाबले 94.70 पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 15 पैसे की बढ़त दिखाता है। रुपया सोमवार को कारोबार के दौरान पहली बार 95 के स्तर के पार चला गया था। हालांकि अंत में थोड़ा संभलता हुआ 94.85 प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ था। श्री महावीर जयंती के अवकाश के उपलक्ष्य में मंगलवार को विदेशी मुद्रा बाजार बंद थे। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.13 फीसदी की गिरावट के साथ 99.63 पर रहा।



## सरकार ने एसईजेड इकाइयों को घरेलू बाजार में रियायती शुल्क पर बिक्री की मंजूरी दी

**- विशेष आर्थिक क्षेत्रों को मिले वित्तीय सहारे के नए उपाय**



**नई दिल्ली ।**

सरकार ने विशेष आर्थिक क्षेत्रों (एसईजेड) की विनिर्माण इकाइयों के लिए एकमुश्त विशेष राहत योजना की घोषणा की है। इस कदम का उद्देश्य वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच एसईजेड इकाइयों की उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना और उनके वित्तीय दबाव को कम करना है। यह छूट केवल उन्हीं इकाइयों को मिलेगी जिन्होंने 31 मार्च 2025 या उससे पहले उत्पादन शुरू किया हो। लाभ के लिए यह भी आवश्यक है कि वस्तुएं एसईजेड में निर्मित हों और उनमें कम से कम 20 प्रतिशत मूल्य संवर्धन हुआ हो। इकाइयों को यह प्रमाणित करना होगा कि ये सभी शर्तें पूरी हुई हैं। विनिर्माण इकाइयां अब अपने उत्पाद घरेलू शुल्क क्षेत्र (डीटीए) में रियायती दरों पर बेच सकती हैं। इसके तहत मूल सीमा शुल्क और कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर में 6.5 फीसदी से 12.5 फीसदी तक की छूट मिलेगी, जो उत्पाद के अनुसार भिन्न है। यह योजना फिलहाल 2026-27 के लिए है, लेकिन परिस्थितियों के अनुसार इसे बढ़ाया जा सकता है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, कई एसईजेड इकाइयों के पास अतिरिक्त उत्पादन क्षमता है, और यह कदम उन्हें घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ाने में मदद करेगा। इससे न केवल आयात में कमी आएगी, बल्कि एसईजेड की इकाइयों की वित्तीय स्थिति और उत्पादन क्षमता का बेहतर उपयोग भी संभव होगा।

## डॉलर लहर ने सैफ अली खान के साथ पेश किया साइ-फाई विज्ञापन अभियान



**इंदौर।**

प्रमुख इनरवियर ब्रांड डॉलर लहर ने गर्मी के सीजन के लिए अपना नया विज्ञापन अभियान लॉन्च किया है। बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान अभिनीत यह अभियान हास्य, कल्पना और साइ-फाई (स्ध्द्व-स्नद्ब) तत्वों का एक अनूठा मिश्रण है।हाईवे ढाबे की पृष्ठभूमि पर आधारित इस फिल्म में दोस्तों के एक समूह और एलियंस के बीच की मुलाकात को यान और बनियान के मजेदार शब्द-खेल (ड्ड्रश्वह्म्-श्चद्यड्ड4) के जरिए दिखाया गया है। ञ्जक्चङ्ख/स्द्धठ्ठल्ड्डह्य द्वारा तैयार और उजेर खान द्वारा निर्देशित यह विज्ञापन ब्रांड को एक विश्वसनीय डेली एसेंशियल के रूप में स्थापित करता है।डॉलर इंडस्ट्रीज लिमिटेड के एमडी विनोद कुमार गुप्ता ने कहा कि सैफ अली खान की हाजिरजवाबी और लोकप्रियता ने ब्रांड को नई ऊंचाइयों पर पहुँचाया है।

यह अभियान डिजिटल प्लेटफॉर्म समेत सभी प्रमुख मीडिया माध्यमों पर जारी कर दिया गया है।

## मार्च में जीएसटी संग्रह 2 लाख करोड़ पार, 8.8 फीसदी की बढ़ोतरी

**– घरेलू बिक्री और आयात से कर संग्रह में बढ़ोतरी देखी गई**

**नई दिल्ली।**

मोदी सरकार के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में सकल माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह 8.8 प्रतिशत बढ़कर 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। मार्च 2025 में यह संग्रह 1.83 लाख करोड़ रुपये था। वृद्धि का मुख्य कारण घरेलू बिक्री और आयात से राजस्व में बढ़ोतरी को बताया गया है। घरेलू राजस्व 5.9 प्रतिशत बढ़कर 1.46 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ। वहीं, आयात से प्राप्त राजस्व में 17.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई और यह 53,861 करोड़ रुपये रहा। मार्च में रिफंड राशि 13.8 प्रतिशत बढ़कर 22,074 करोड़ रुपये हो गई। रिफंड समायोजित करने पर शुद्ध जीएसटी राजस्व करीब 1.78 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 8.2 प्रतिशत अधिक है। पूरा वित्त वर्ष 2025-26 में सकल जीएसटी संग्रह 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से अधिक हुआ, जबकि रिफंड समायोजित शुद्ध राजस्व 19.34 लाख करोड़ रुपये रहा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह आर्थिक गतिविधियों में स्थिरता और नकदी प्रवाह में सुधार का संकेत है।

रेवेन्यू के अलग-अलग हिस्सों पर नजर डालें तो घरेलू लेनदेन से मिलने वाला ग्रॉस रेवेन्यू 1.46 लाख करोड़ रुपये रहा, जिसमें 5.9 प्रतिशत की बढ़त हुई। वहीं, इंपोर्ट से मिलने वाला रेवेन्यू 0.54 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिसमें 17.8 प्रतिशत की तेज बढ़ोतरी दिखाई दी। इसका मतलब है कि देश में आयात गतिविधियां भी काफी मजबूत रही हैं। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के अनुसार ग्रॉस जीएसटी कलेक्शन 8.3 प्रतिशत बढ़कर 22.27 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया। वहीं नेट जीएसटी रेवेन्यू 7.1 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19.34 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। राज्यों में महाराष्ट्र ने सबसे ज्यादा योगदान दिया, जहां से करीब 0.13 लाख करोड़ रुपये का टैक्स कलेक्शन हुआ।

इसके बाद कर्नाटक और गुजरात का स्थान रहा।




## भारतीय रेलवे तैयार कर रहा है कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन में बड़ा बदलाव

**- नई नीति यात्रियों को समय पर निर्णय लेने के लिए प्रेरित करेगी**



**नई दिल्ली ।**

भारतीय रेलवे कन्फर्म टिकट कैंसिलेशन नियमों में बड़े बदलाव की तैयारी कर रहा है। आधिकारिक घोषणा की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के अनुसार इसे जल्द ही सार्वजनिक किया जा सकता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में इस दिशा में संकेत दिए थे। नई नीति का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को समय पर अपने टिकट रद्द करने के लिए प्रेरित करना और आखिरी समय पर कैंसिलेशन से होने वाले नुकसान को कम करना है। प्रस्तावित नियमों के अनुसार रिफंड राशि यात्रा शुरू होने से पहले कितने घंटे में टिकट कैंसिल किया गया, इस पर निर्भर करेगी-

* 72 घंटे से पहले कैंसिलेशन: अधिकतम रिफंड मिलेगा, केवल न्यूनतम फ्लैट शुल्क कटेगा।
* 24 से 72 घंटे पहले: कुल किराए का 25 प्रतिशत काटा जाएगा।
* 8 से 24 घंटे पहले: केवल 50 प्रतिशत राशि वापस मिलेगी।
* 8 घंटे से कम समय में: कोई रिफंड नहीं मिलेगा।

नई व्यवस्था का सबसे अधिक असर उन यात्रियों पर पड़ेगा जिनकी यात्रा योजनाएं अक्सर बदलती रहती हैं। इसमें व्यवसायी यात्री, तत्काल टिकट लेने वाले और ऐसे परिवार शामिल हैं जिनकी प्लानिंग अचानक बदल जाती है। ऐसे यात्रियों को अब समय पर कैंसिलेशन का निर्णय लेना अनिवार्य होगा, अन्यथा उन्हें अधिक शुल्क देना पड़ेगा। रेलवे का लक्ष्य है कि यात्रियों को समय पर निर्णय लेने की आदत विकसित हो और आखिरी समय पर टिकट कैंसिल करने पर अधिक वित्तीय नुकसान को रोका जा सके। इससे रेलवे का रिफंड प्रबंधन भी सरल होगा और टिकट की बुकिंग सिस्टम अधिक पारदर्शी और सुनिश्चित बनेगी।

## सरकार ने आरओडीटीईपी योजना का लाभ 30 सितंबर तक बढ़ाया

**– पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी**



**नई दिल्ली ।**

पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के कारण वैश्विक व्यापार में व्यवधान को देखते हुए सरकार ने निर्यातित उत्पादों पर शुल्क एवं कर की छूट (आरओडीटीईपी) योजना के तहत निर्यातकों को मिलने वाला वित्तीय लाभ छह महीने के लिए बढ़ाकर 30 सितंबर 2026 कर दिया है। आरओडीटीईपी योजना 2021 में शुरू हुई थी और इसके तहत निर्यातकों पर लगाए गए कर, शुल्क और उपकरों की वापसी 0.3 फीसदी से 3.9 फीसदी तक होती है।

पहले यह योजना 31 मार्च 2026 तक मान्य थी। डीजीएफटी ने कहा कि एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच किए गए पात्र निर्यात पर वही दरें लागू रहेंगी। पश्चिम एशिया संकट के कारण समुद्री और हवाई मालभाड़ा बढ़ा है, जबकि बीमा प्रीमियम भी महंगा हो गया है। फरवरी में भारतीय निर्यात 36.61 अरब डॉलर पर घट गया। सरकार ने 487 करोड़ रुपए की 'रिलीफ' योजना भी शुरू की। इसके अलावा तूर, उड़द और पीली मटर का आयात बिना प्रतिबंध के बढ़ाया गया है। वर्जिन मल्टी-लेयर पेपर बोर्ड का न्यूनतम आयात मूल्य एक महीने के लिए 67,220 रुपए प्रति टन किया गया।

इन कदमों का उद्देश्य बढ़े खर्च और जोखिम से जूझ रहे निर्यातकों को समय पर समर्थन देना है।

## महाराष्ट्र में प्याज हुआ सस्ता, उत्पादक संघ ने की एमआईएस लागू करने की मांग

**– किसानों के वित्तीय संकट को देखते हुए सरकार से तुरंत कदम उठाने की अपील**

**मुंबई ।**

महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ ने सरकार से बाजार हस्तक्षेप योजना (एमआईएस) को तुरंत लागू करने की मांग की है। संघ का कहना है कि प्याज की कीमतों में तेज गिरावट ने किसानों को गंभीर वित्तीय संकट में डाल दिया है। महाराष्ट्र राज्य प्याज उत्पादक संघ के एक पदो धिकारी ने कहा कि कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी स्पष्ट रूप से संकटग्रस्त बिक्री की स्थिति को दर्शाती है और एमआईएस लागू करने के मानदंड पूरे करती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो राज्यव्यापी विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और सुनेत्रा पवार को ज्ञापन भेजकर बताया कि पूरे राज्य में प्याज उत्पादक मंडियों में कीमतों में गिरावट से भारी नुकसान झेल रहे हैं।



उन्होंने कहा कि एमआईएस लागू होने पर सरकार खरीदार के रूप में प्रवेश करके कीमतों को स्थिर, घबराहट में बिक्री रोकने और व्यापारियों द्वारा दरें दबाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने में मदद कर सकती है।

किसानों को फिलहाल प्याज के लिए *300-800 रुपये प्रति क्विंटल मिल रहे हैं, जबकि उत्पादन लागत 1,500-1,800 रुपये प्रति क्विंटल है।

इस स्थिति में किसान मजबूरी में कम दाम पर बिक्री कर रहे हैं और कई मामलों में सड़क पर प्याज फेंकने को मजबूर हैं। उन्होंने मांग की कि तालुका स्तर पर सरकारी खरीद केंद्र स्थापित किए जाएं, न्यूनतम समर्थन मूल्य तय किया जाए और मूल्य कमी भुगतान योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया जा

# आकाश चोपड़ा ने पंजाब किंग्स से हार के बताई गुजरात टाइटन्स की सबसे बड़ी कमजोरी

Credit : X @gujarat_titans

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि गुजरात टाइटन्स कप्तान शुभमन गिल, जोस बटलर और साई सुदर्शन सहित शीर्ष तीन बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर है जिसके कारण टीम परेशानी में पड़ सकती है।

पिछले कुछ सत्र में गुजरात टाइटन्स अपने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों पर बहुत अधिक निर्भर रहा है और यह सिलसिला मंगलवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ आईपीएल के इस सत्र के उसके पहले मैच में भी जारी रहा। इस मैच में गुजरात के मध्य क्रम की कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई।

चोपड़ा ने जियोस्टार पर कहा, 'गुजरात टाइटन्स के लिए शीर्ष तीन बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा क्योंकि वे खुद को कोई दूसरा उपाय खोजने का मौका नहीं दे रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'कई लोग शायद इस बात पर यकीन न करें लेकिन ग्लेन फिलिप्स के 25 रन वास्तव में आईपीएल में उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है। उनसे और अधिक निरंतरता की उम्मीद की जाती है। वाशिंगटन सुंदर को भी तेजी से रन बनाने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने टीम के चयन और बल्लेबाजी क्रम पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, 'उन्होंने शाहरुख खान को टीम में बनाए रखा है, लेकिन मुझे लगता है कि कुमार कुशाग्र भी चयन के हकदार थे। गुजरात को अपने चौथे, पांचवें और छठे नंबर के बल्लेबाजों पर फिर से विचार करने की जरूरत है।'

चोपड़ा ने गिल की कप्तानी की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 'उनकी रणनीति समझ से परे है। जब मैच लगभग खत्म हो चुका था तब भी मोहम्मद सिराज के दो ओवर बचे थे और प्रसिद्ध कृष्णा को काफी देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया। कुल मिलाकर शुभमन गिल की कप्तानी में कुछ कमियां नजर आईं।'

# आईपीएल में आज केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

**कोलकाता (एजेंसी)।** यहां के ईडन गार्डन में गुरुवार को कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच मुकाबला होगा। दोनो ही टीम अपने-अपने शुरुआती मुकाबले में हारी हैं, ऐसे में दोनो का ही लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर जीत दर्ज करना रहेगा। पिछले आईपीएल सत्र में इन दोनों ही टीमों के बीच कुल दो मुकाबले खेले गए हैं जिसमें से एक केकेआर और एक सनराइजर्स हैदराबाद ने जीता था। इनके बीच अंतिम बार मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में हुआ था जिसमें सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने केकेआर को आसान से हराया था। केकेआर को इस बार कोलकाता में अपने घरेलू मैदान का लाभ मिल सकता है। इस मैदान पर खेले गए आखिरी पांच टी20 मैचों में से तीन मैच लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीता है। ऐसे में टॉस की भी अहम भूमिका रहेगी। इस मैच पर औसत स्कोर 165 के करीब रहा है। आंकड़ों की बात करें तो अब तक केकेआर और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच 30 मुकाबले हुए हैं जिसमें से केकेआर ने 20 जबकि सनराइजर्स ने 10 जीते हैं।

केकेआर की टीम को कप्तान अजिंक्य रहाणे, अंगकृष रघुवंशी और वरुण चक्रवर्ती जैसे खिलाड़ियों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। केकेआर अपने गेंदबाजों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। पिछले मैच में अर्धशतक लगाने वाले रहाणे एक बार फिर अच्छी शुरुआत दिलाने की कोशिश करेंगे।

वहीं सनराइजर्स की ओर से ईशान किशन, हेनरिक क्लासेन और अभिषेक शर्मा पर पारी का दारोमदार रहेगा। कुल मिलाकर देखा जाये तो मैच भी रोमांचक होना तय है।

नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने से सनराइजर्स की कमान ईशान के पास ही रहेगी। ईशान ने पहले ही मैच में 80 रनों की शानदार पारी खेली थी जिसे वह दोहराना चाहेंगे।

### टीम इस प्रकार है

**कोलकाता नाइट राइडर्स**

अजिंक्य रहाणे (कप्तान), कैमरून ग्रीन, फिन एलन, अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, सुनील नरेन, वरुण चक्रवर्ती, वैभव अरोड़ा, और ब्लेसिंग मुजरबानी।

**सनराइजर्स हैदराबाद**

ईशान किशन (कप्तान/विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, अनिकेत वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ईशान मलिंगा, और डेविड पायने।

# खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में रेसलिंग का शानदार समापन

**-पुरुषों में हिमाचल प्रदेश और महिला वर्ग में असम बना ओवरऑल चैंपियन, सरगुजा में दिखा खिलाड़ियों का दम**

**सरगुजा (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर स्थित गांधी स्टेडियम में आयोजित 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026' की कुश्ती स्पर्धा का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। चार दिनों तक चली इस कड़ी प्रतिस्पर्धा में देशभर के जनजातीय खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक और रणनीति का लोहा मनवाया। परिणामों के अनुसार, पुरुष वर्ग में हिमाचल प्रदेश ने अपनी बादशाहत कायम करते हुए ओवरऑल चैंपियन की ट्रॉफी जीती, जबकि जम्मू-कश्मीर फर्स्ट रनरअप रहा। वहीं, महिला वर्ग में असम की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया, जिसमें झारखंड की टीम फर्स्ट रनरअप के स्थान पर रही।

इस प्रतियोगिता में हिमाचल प्रदेश के गोल्ड मेडलिस्ट पहलवान नवीश कुमार विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। नवीश ने बताया कि उन्होंने दो साल बाद मैट पर वापसी करते हुए स्वर्ण पदक जीता है। हिमाचल की महिला कोच अंकिता ठाकुर के अनुसार, उनके राज्य के 15 खिलाड़ियों के दल ने कुल चार गोल्ड, पांच सिल्वर और कई ब्रॉन्ज मेडल जीतकर ऑल ओवर टूर्नामेंट की ट्रॉफी पर कब्जा किया। स्वर्ण पदक विजेताओं को सरकार की ओर से 5 लाख रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जिससे जनजातीय क्षेत्रों के उभरते खिलाड़ियों को भविष्य में अपनी डाइट और ट्रेनिंग की सुविधाओं को बेहतर बनाने में बड़ी मदद मिलेगी। समापन समारोह के दौरान खिलाड़ियों और कोचों ने छत्तीसगढ़ की मेजबानी और आयोजन की जमकर प्रशंसा की। महिला कोच अंकिता ठाकुर ने कहा कि अब हिमाचल और असम जैसे राज्यों की लड़कियां भी कुश्ती में लड़कों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। हालांकि, उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि जनजातीय बच्चों में अपार शक्ति और स्ट्रेंथ है, लेकिन उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चमकने के लिए और अधिक बेहतर कोच, आधुनिक डाइट प्लान और विश्वस्तरीय सुविधाओं की आवश्यकता है। इस आयोजन ने सिद्ध कर दिया है कि यदि सही मंच मिले, तो देश के दूरदराज के आदिवासी क्षेत्रों से भी विश्वस्तरीय पहलवान निकल सकते हैं।

# ईरान को मैच खेलने जाना ही होगा अमेरिका, फीफा का कड़ा फरमान, प्रेसिडेंट ने साफ किया रुख

**ईरान (एजेंसी)।** ईरान को विश्व कप 2026 के अपने मुकाबले अमेरिका में ही खेलने होंगे। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट किया कि सभी मैच तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किए जाएंगे।

फीफा विश्व कप 2026 की मेजबानी अमेरिका के साथ कनाडा और मैक्सिको के पास है। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक 16 अलग-अलग मैदानों पर खेला जाएगा। इस बार प्रतियोगिता में 48 टीमें हिस्सा ले रही हैं, जिनमें ईरान की टीम भी शामिल है। ग्रुप जी में ईरान का मुकाबला बेल्जियम, मिस्र और न्यूजीलैंड से होगा। उसके ग्रुप चरण के मैच इंगलवुड और सिएटल में आयोजित किए जाएंगे।

### अमेरिका में ही खेलने होंगे मुकाबले

फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने स्पष्ट कर दिया है कि ईरान को अपने सभी मुकाबले तय कार्यक्रम के अनुसार ही खेलने होंगे। उन्होंने साफ कहा कि

मुकाबलों का स्थान नहीं बदला जाएगा और सभी मैच उसी देश में होंगे, जहां उन्हें पहले से निर्धारित किया गया है। गौरतलब है कि ईरानी फुटबॉल संघ ने हाल ही में यह इच्छा जताई थी कि उनके मुकाबलों को अमेरिका से हटाकर मैक्सिको में कराया जाए। लेकिन फीफा प्रमुख ने इस मांग को खारिज करते हुए कहा कि प्रतियोगिता का कार्यक्रम नहीं बदलेगा और सभी टीमों को तय स्थानों पर ही खेलना होगा।

### ईरान की तैयारी जारी

इन सबके बीच ईरान की टीम अपनी तैयारियों में जुटी हुई है। तुर्की में खेले जा रहे अभ्यास मुकाबलों के दौरान टीम ने अपनी मजबूती दिखाई है। कोस्टा रिका के खिलाफ खेले गए अभ्यास मुकाबले में ईरान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 5-0 से जीत हासिल की। इसी दौरान जियानी इन्फेंटिनो ने यह भी स्पष्ट किया कि ईरान विश्व कप में जरूर हिस्सा लेगा। उन्होंने कहा कि ईरान एक मजबूत टीम है और उसे प्रतियोगिता में खेलते देखना सुखद होगा। उनके इस बयान से उन अटकलों पर विराम लग गया, जिनमें कहा जा रहा था कि ईरान शायद इस बार विश्व कप में हिस्सा नहीं ले पाएगा।

### इतिहास बदलने की चुनौती

ईरान की टीम अब तक सात बार विश्व कप में हिस्सा ले चुकी है और 2026 उसका आठवां अवसर होगा। हालांकि, अब तक वह कभी भी ग्रुप चरण से आगे नहीं बढ़ सकी है। ऐसे में इस बार टीम के सामने इतिहास बदलने की बड़ी चुनौती होगी। मौजूदा फॉर्म को देखते हुए ईरान से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। अब देखना होगा कि क्या यह टीम इस बार अपने पुराने रिकॉर्ड को सुधारते हुए अगले दौर में जगह बना पाती है या नहीं।

# अर्शदीप आईपीएल में सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे खिलाड़ी बने

न्यू चंडीगढ़। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने यहां गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले के एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंककर एक अनचाहा रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही वह सबसे लंबा ओवर फेंकने वाले संयुक्त रुप से छठे गेंदबाज बन गये हैं। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज, तुषार देशपांडे, शार्दुल ठाकुर, संदीप शर्मा और हार्दिक पंड्या सहित पांच गेंदबाजों के नाम संयुक्त रुप से आईपीएल में सबसे लंबा ओवर करने का रिकार्ड है। वहीं गुजरात के खिलाफ मुकाबले में अर्शदीप ने पारी के 20वें ओवर में कुल 11 गेंदें फेंकी। इसके बाद अर्शदीप ने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड की। अगली दो गेंदों पर कोई रन नहीं बना। राहुल ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगा दिया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड गेंदें की। वहीं पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने एक रन लिया। वहीं अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड की।

# मेसी के गोल और असिस्ट से अर्जेंटीना की शानदार जीत, मैत्री मैच में जाम्बिया को 5-0 से हराया

ब्यूनस आयर्स। लियोनेल मेसी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत अर्जेंटीना राष्ट्रीय फुटबॉल टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में मंगलवार को जाम्बिया को 5-0 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला ब्यूनस आयर्स के मशहूर ला बोम्बोनेरा स्टेडियम में खेला गया। कोच लियोनेल स्कालोनी ने पिछले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद मेसी को दोबारा प्लेइंग इलेवन में शामिल किया, और उन्होंने तुरंत असर दिखाया। मैच के चौथे मिनट में ही मेसी ने शानदार पास देकर जूलियन अल्वारेज से पहला गोल करवाया।

# मोटे बल्ले से बल्लेबाजी करते हुए पकड़े गये राहुल तेवतिया

मुल्लापुर। गुजरात टाइटन्स के बल्लेबाज राहुल तेवतिया आईपीएल में पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच में उस समय फंस गये जब अंपायर ने मोटे बल्ले का प्रयोग करने के लिए उन्हें पकड़ लिया। अंपायर ने जांच में पाया कि तेवतिया का बल्ला मोटा था। इस प्रकार के बल्ले को वैध नहीं माना जाता है। इसके बाद अंपायर ने तेवतिया को बल्ला बदलने के लिए कहा। तेवतिया ने अंपायर की बात मानते हुए एकदम से बल्ला बदल लिया। आईपीएल में मैच के दौरान कभी भी बल्ले की जांच हो जाती है। अंपायरों के पास एक बैट गेज होता है, जिसकी जांच में अगर बल्ला अगर नहीं निकलता है तो उस बल्ले को बदल दिया जाता है। तेवतिया के मामले में भी ऐसा ही हुआ। वहीं तेवतिया ने कहा कि उनके बल्ले के पीछे स्टीकर लगा हुआ है, जिसकी वजह से बल्ला मोटा नजर आ रहा है पर अंपायरों ने उनकी नहीं सुनी और बल्ला बदलवा दिया। एमसीसी के नियमों के अनुसार बल्लेब की मोटाई 67एमएम से ज्यादा नहीं होनी चाहिए और किनारे 40एमएस से ज्यादा मोटे न हों। मोटे बल्ले के लिए कोई तय सजा नहीं है पर आईपीएल आचारसंहिता के हिसाब ने 50 फीसदी तक की मैच फीस काटी जा सकती है।

# वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले : माइकल वॉन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 सत्र के पहले ही मैच में वैभव सूर्यवंशी की शानदार बल्लेबाजी की सराहना करते हुए कहा है उसे भारतीय टीम में जगह मिलनी चाहिये। वैभव ने जिस प्रकार राजस्थान रॉयल्य की ओर से खेलते हुए चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 15 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया उससे वॉन हैरान हैं। वॉन ने कहा कि वैभव को अब आने वाले समय में इंग्लैड दौरे पर भेजना चाहिये। उनका मानना है कि इस

उभरते हुए बल्लेबाज को एकदिवसीय सीरीज के लिए तैयार किया जाना चाहिये। वॉन के अनुसार अगर वैभव इंग्लैंड दौरे के लिए सीमित ओवरों के लिए अंतिम ग्यारह में भी जगह नहीं बना पाते, तो भी उन्हें तीन टी20 मैचों की टीम में शामिल किया जाना चाहिए। इससे उन्हें सीनियर खिलाड़ियों के साथ रहने और माहौल समझने का अनुभव मिलेगा। वॉन ने कहा, 'वो भारतीय टीम में कब शामिल किया जाता है मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। अगर मैं भारतीय क्रिकेट में होता, तो मैं उसे उस दौरे पर ले जाता। जरूरी नहीं कि वो अभी टीम में खेल रहे खिलाड़ियों की जगह ले पर उसे टीम के माहौल में लाना जरूरी है। उसे टीम के साथ लाओ, अगर एक-दो मैच खेलने का मौका मिले तो शानदार, लेकिन उसे दौरे पर ले जाओ। उन्होंने साथ ही कहा, 'मैं उसे भारतीय टीम के साथ थोड़ा अनुभव दिलाता। जरूरी नहीं कि वो सीधे टीम में शामिल हो पर उसका टीम के साथ रहना अनुभव के हिसाब से अच्छा रहेगा। उसके प्रदर्शन पर किसी को भी संदेह नहीं है।' पिछले एक साल में वैभव ने काफी रन बनाए हैं। सिर्फ आईपीएल ही नहीं अंडर-19 क्रिकेट में भी धमाका किया है। उन्होंने इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका में शतक लगाये हैं। वहीं इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में 80 गेंद में 175 रन बनाये। इसके अलावा अंडर-19 विश्वकप में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। इस बल्लेबाज ने पिछले साल गुजरात टाइटंस के खिलाफ आईपीएल में 35 गेंद में शतक लगाकर अपनी प्रतिभा दिखायी थी। उसे बाद से ही वैभव ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

# अंडर-20 एशियाई कप फुटबॉल में जापान के खिलाफ अभियान शुरू करेगा भारत

**पाथुम थानी (थाईलैंड) (एजेंसी)।** भारतीय अंडर-20 महिला राष्ट्रीय फुटबॉल टीम बृहस्पतिवार को एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 में अपना अभियान जापान की मजबूत टीम के खिलाफ शुरू करेगी और इस टूर्नामेंट में खेलने के 20 साल के इंतजार को खत्म करेगी। भारत के लिए यह एक मैच से कहीं अधिक है क्योंकि टीम ने दो दशक में पहली बार इस टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई किया है।

मुख्य कोच जोकिम एलेक्जेंडरसन ने शुरुआती मैच से पहले वास्तविकता और महत्वाकांक्षा दोनों पर जोर दिया। स्वीडन के कोच एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमें अच्छी तरह पता है कि भारतीय टीम के साथ हम अभी इस माहौल में नए हैं। हम जानते हैं कि हमारा सामना मजबूत विरोधियों से है और हम उनका सम्मान करते हैं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन साथ ही हमारी सोच यह है कि हम इस ग्रुप से आगे बढ़ें और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करें। यह पूरे देश के लिए बहुत शानदार होगा।'

इस टूर्नामेंट के लिए भारत की तैयारी

बहुत विस्तृत और व्यवस्थित तरीके से हुई है। कजाखस्तान में खेले गए मैत्री मुकाबलों से लेकर स्वीडन में एक महीने तक चले ट्रेनिंग शिविर तक पूरा ध्यान एक ऐसी टीम बनाने पर रहा है जो बड़े स्तर की प्रतियोगिताओं की चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो। कोच ने कहा, 'हम पिछले तीन महीने से लगातार एक साथ हैं।'

एलेक्जेंडरसन ने कहा, 'हमने कजाखस्तान में कुछ मैत्री मैच खेले। हम एक महीने के शिविर के लिए स्वीडन भी गए और हमने उज्बेकिस्तान की टीम को भी भारत में आमंत्रित किया था।' उन्होंने कहा, 'तो हमारी तैयारी काफी अच्छी रही है। मुझे लगता है कि हम इस टूर्नामेंट के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। म्यांमार में हुए क्वालीफायर मुकाबलों के बाद से हमने बहुत ही एकाग्र होकर काम किया है। हमने तकनीकी, रणनीतिक और मानसिक हर तरह से एक टीम के तौर पर काफी सुधार किया है। हमें पूरा भरोसा है कि हमारी तैयारी ने हमें सबसे अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया है।'

प्रतियोगिता के पहले मैच में भारत के सामने दुनिया की सबसे मजबूत टीम में से एक की चुनौती है। अंडर-20 एशियाई कप की रिकॉर्ड छह बार की चैंपियन जापान की टीम इस बार भी प्रबल दावेदार के तौर पर आई है और 2018 में विश्व चैंपियन भी बनी थी। मुख्य कोच अकीरा इजिरी ने अपनी टीम के इरादे साफ किए। उन्होंने कहा, 'हमारा लक्ष्य साफ है। हम ग्रुप चरण से आगे बढ़कर विश्व कप जीतना चाहते हैं। इस लक्ष्य को पाने के लिए हम अपनी पूरी जान लगा देंगे।'

जापान, ऑस्ट्रेलिया (पांच अप्रैल) और चीनी ताइपे (आठ अप्रैल) के साथ कड़े ग्रुप सी में होने की वजह से भारत का नॉकआउट चरण में जगह बनाना मुश्किल लग रहा है। तीनों ग्रुप में से शीर्ष दो टीम और तीसरे नंबर पर रहने वाली दो सर्वश्रेष्ठ टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी। इस टूर्नामेंट की शीर्ष चार टीम फीफा अंडर-20 महिला विश्व कप पोलैंड 2026 के लिए क्वालीफाई करेंगी।

# आईसीसी महिला टी20 रैंकिंग में बेथ को पीछे छोड़कर जॉर्जिया शीर्ष पर पहुंची

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर परिषद (आईसीसी) की महिला टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज जॉर्जिया वॉल नंबर एक स्थान पर पहुंच गयी हैं। जॉर्जिया वॉल ने अपनी ही साथी खिलाड़ी बेथ मूनी को पीछे छोड़ा है। जॉर्जिया 8 स्थान ऊपर आयी हैं। वहीं भारत की स्मृति मंधाना दूसरे से तीसरे नंबर पर फिसल गयी हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग की बात करें तो न्यूजीलैंड की अमेलिया केर पहले नंबर पर हैं। वहीं वेस्टइंडीज की हीली मैथ्यूज अब दूसरे स्थान पर आ गयी हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में रेणुका सिंह ठाकुर पांचवें स्थान पर खिसक गई हैं। गेंदबाजी रैंकिंग की बात करें तो शीर्ष पर सादिया इकबाल हैं, जबकि दूसरे स्थान पर सोफी एक्लेस्टोन हैं। तीसरे पायदान पर दीप्ति शर्मा, चौथे नंबर पर लॉरेन बेल और पांचवें पायदान पर रेणुका सिंह ठाकुर हैं। ऑलराउंडर्स की रैंकिंग पर नजर डालें तो शीर्ष पर अमेलिया केर हैं। दूसरे पायदान पर हीली मैथ्यूज, तीसरे पर दीप्ति शर्मा, चौथे पर एश्ली गार्डनर और चमारी अट्टापट्टू पांचवें नंबर पर हैं। नई रैंकिंग में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। आईसीसी ने जो लेटेस्ट रैंकिंग जारी की है, उसमें नई नंबर वन बल्लेबाज और नई नंबर वन ऑलराउंडर देखने को मिली है।

# श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख जुर्माना

मुल्लापुर( ईएमएस)। आईपीएल मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। ये जुर्माना गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में पंजाब टीम की धीमी ओवर गति के लिए लगाया गया है। आईपीएल की आचार संहिता का उल्लंघन मानते हुए श्रेयस पर ये जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल की ओर से कहा गया है कि पंजाब किंग्स ने धीमी ओवर गति के साथ ही आचार संहिता का उल्लंघन किया है। इसी कारण पंजाब के कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। टीम पंजाब किंग्स टीम अपने घरेलू मैदान में खेले गये इस मैच में टाइटन्स के खिलाफ समय पर आखिरी ओवर को शुरू नहीं कर पाई थी। पहली पेनल्टी तो मैच में ही पंजाब किंग्स पर लग गई थी, जब एक फील्डर को टीम बाहर नहीं रख पाई थी। पांच की जगह चार ही फील्डर बाउंड्री लाइन पर थे। वहीं, अब उन पर स्लो ओवर रेट के लिए फाइन भी लगा है। नियम के अनुसार एक बार टीम इस अपराध के लिए दोषी पाई जाती है तो टीम की मैच फीस भी काटी जाती है कप्तान को दोगुन जुर्माना भरना पड़ता है। इसके अलावा कप्तान पर एक मैच के लिए प्रतिबंध भी लगता है।

# अच्छे प्रदर्शन के बाद भी मुझे टी20 के लिए योग्य नहीं माना जा रहा : शमी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का कहना है कि उन्हें पिछले पांच से छह साल में 130 विकेट लेने के बाद भी टी20 के लिए उपयुक्त नहीं माना जा रहा है। शमी के अनुसार उन्होंने एकदिवसीय में सबसे तेजी से 200 विकेट लिए हैं। टी20 प्रारुप में भी उनका रिकॉर्ड काफी अच्छा है। इसके बाद भी उन्हें टी20 मैचों में अवसर नहीं मिल रहे हैं। इस तेज गेंदबाज ने माना कि आईपीएल के पिछले सत्र में उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था पर इसके पहले के सत्र में उनका नाम सबसे अधिक विकेट लेने वालों में शामिल था। शमी ने साल 2023 में सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल किय था। इसके बाद भी उन्हें टी20 के लायक नहीं माना जा रहा है। इसी को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 5-6 सालों में उन्होंने 130 के करीब विकेट लिए हैं, फिर भी उन्हें टी20 गेंदबाज नहीं समझा जाता, ऐसे में वह क्या कर सकते हैं।

शमी ने कहा, 'आईपीएल के बाद पिछला रिकॉर्ड देखने पर पता चलता है कि देश कोई भी अन्य गेंदबाज मेरे करीब नहीं पहुंचा है। इसके बाद भी मुझे टी20 का गेंदबाज नहीं कहा जाता है।' इसके बाद उन्होंने कहा कि आईपीएल में पर्पल कैप के बाद भी उनको टी20 का गेंदबाज नहीं माना जाता।शमी पिदले दो से तीन साल से टेस्ट में शामिल नहीं हैं। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने अंतिम बार साल 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर हैं। चैंपियंस ट्रॉफी में शमी भारत की तरफ से संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। उसके बाद से ही वह टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। इस दौरान घरेलू क्रिकेट में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है हालांकि इसके बाद भी उन्हें एशिया कप और टी20 क्रिकेट विश्व कप में जगह नहीं मिली। शमी का अब 2027 एकदिवसीय विश्वकप में भी खेलना संदिग्ध है।

गौरतलब है कि शमी आईपीएल में भी शानदार प्रदर्शन करते आए हैं पर पिछला सीजन उनके लिए अच्छा नहीं गया था। आईपीएल 2025 में वह सनराइजर्स हैदराबाद का हिस्सा थे लेकिन 9 मैच में सिर्फ 6 विकेट ही ले पाये थे। शमी 2019 से लेकर 2024 तक लगातार आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में से एक रहे हैं। उन्होंने पंजाब किंग्स की तरफ से 2019 में 19 विकेट, 2020 में 20 विकेट और 2021 में 19 लिए थे। 2022 में शमी गुजरात टाइटंस के साथ चले गए और उन्होंने 20 विकेट झटके। आईपीएल 2023 में उन्होंने 28 विकेट झटके और पर्पल कैप जीता। आईपीएल 2024 में वह नहीं खेले थे और पिछले

साल यानी आईपीएल 2025 में वह सिर्फ 6 विकेट ही ले पाए थे। इस बार वह लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम में शामिली हैं। उनके आने से सुपरजायंट्स की गेंदबाजी मजबूत हुई है।

चैत्र पूर्णिमा पर भगवान शिव के ग्यारहवें अवतार हनुमान का जन्म हुआ था और यह दिन हनुमान जयंती के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। शास्त्रों के अनुसार हनुमान जयंती वर्ष में दो बार मनाई जाती है, पहली चैत्र मास की शुक्ल पूर्णिमा के दिन और दूसरी कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्दशी को।

# शिव के ग्यारहवें रुद्र हैं हनुमान

वाल्मीकि रामायण के अनुसान हनुमान का जन्म कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी को हुआ जबकि पुराणों में पवनसुत का जन्म चैत्र पूर्णिमा बताया गया है। वैसे अधिकांश जगहों पर चैत्र पूर्णिमा को ही मारुतिनंदन हनुमान की जयंती धूमधाम से मनाई जाती है। स्कंदपुराण में वर्णन है कि शिव के ग्यारहवें रुद्र ही विष्णु के अवतार श्रीराम की सहायता हेतु हनुमान रूप में अवतरित हुए। भगवान शंकर ने श्री विष्णु से दास्य का वरदान प्राप्त किया था, जिसे पूर्ण करने हेतु वह अवतार लेना चाहते थे ।परंतु उनके समक्ष धर्मसंकट यह था कि जिस रावण के वध हेतु वह श्रीराम की सहायता करना चाहते थे वह उनका परम भक्त था। अपने परम भक्त के विरुद्ध राम की सहायता वह आखिर कैसे करते यह प्रश्न था। रावण ने अपने दस सिरों को अर्पित कर भगवान शंकर के दस रुद्रों को संतुष्ट कर रखा था। अत- हनुमान ग्यारहवें रुद्र के रूप में अवतरित हुए और राम के सहायक बने। कलियुग में भक्तों के कष्टों को हरने में हनुमान समान दूसरा कोई देव नहीं है। वे जल्दी कृपा करते हैं। गोस्वामी तुलसीदास उनके बारे में लिखते हैं –

**संकट कटे मिटे सब पीरा**
**जो सुमिरै हनुमत बल बीरा।**

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं। जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद की शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्न होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं। वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है।

## मनोकामना पूर्ण करेंगे पवनसुत

तंत्र शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन हनुमान को प्रसन्ना करने के लिए कुछ उपाय सार्थक सिद्ध होते हैं। ऐसे ही कुछ उपाय-

मंगलवार को संध्याकाल में किसी हनुमान मंदिर में जाएं और एक सरसों तेल का और शुद्ध घी का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का पाठ करें। मंगलवार की सुबह पीपल के पेड़ के नीचे सरसों के तेल का दीया जलाएं। उसके बाद पूर्व दिशा की ओर मुख करके राम नाम का जाप करें।

यदि शनि दोष से पीढ़ित हैं तो हनुमान चालीसा का पाठ करने पर शनिदेव व्यक्ति का बुरा नहीं करते हैं।

## हनुमान जयंती पर करें ये उपाय

हनुमान जयंती के दिन रामायण और राम रक्षास्त्रोत का पाठ करने से आपको मानसिक और शारीरिक शक्ति मिलती है।

हनुमान जयंती पर उन्हें सिंदूर और चमेली का तेल चढ़ाएं। ऐसा करने से शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

यदि व्यापार में गिरावट हो तो हनुमानजी को चोला चढ़ाने से फायदा मिलता है।

हनुमान जयंती के दिन किसी हनुमान मंदिर की छत पर लाल झंडा लगाने से हर तरह के आकस्मिक संकट से मुक्ति मिलती है।

## सौभाग्य के लिए आजमाएं यह उपाय

हनुमानजी के मंत्रों का प्रयोग किसी भी शुभ मुहूर्त में मंगलवार या शनिवार को किया जा सकता है। जो व्यक्ति नौकरी, व्यवसाय, करियर, प्यार, सेहत और प्रगति की मनोकामना रखता है, उसके लिए यह प्रयोग वरदान साबित हो सकता है। अत : जिस किसी को भी अपने जीवन में हर तरफ से सफलता पाना है, उसे यह उपाय अवश्य करना चाहिए।

रोजगार-ऐश्वर्य प्राप्ति के लिए हनुमत्गायत्री मंत्र की यथाशक्ति 11-21-51 माला करें। देशकाल के अनुसार हवन करें। मंत्र सिद्ध हो जाएगा। पश्चात नित्य 1 माला जपें।

ऊँ नम : शिवाय ऊँ हं हनुमते श्री रामचन्द्राय नम :।
ऊँ नमो भगवते आंजनेयाय महाबलाय स्वाहा।
ऊँ नमो भगवते हनुमते महारुद्राय हुं फट स्वाहा
ऊँ हं पवन नंदनाय स्वाहा
ऊँ नमो हरिमर्कट मर्कटाय स्वाहा।
ऊँ ह्रीं आंजेनाय विद्महे, पवनपुत्राय धीमहि तन्नो : हनुमान प्रचोद्यात।।

## इसलिए चढ़ाते हैं हनुमान जी को सिंदूर

रामायण में एक कथा प्रसिद्ध है कि हनुमानजी ने जानकी की मांग में सिंदूर लगा देख आश्चर्य से पूछा- माते, आपने यह लाल द्रव्य मस्तक पर क्यों लगाया है? माता जानकी ने हनुमान की इस उत्सुकता पर कहा, पुत्र, इसे लगाने से मेरे स्वामी की रक्षा होती है, वे दीर्घायु होते हैं और वे मुझ पर सदैव प्रसन्न रहते हैं। हनुमानजी ने यह सुना तो वे बहुत प्रसन्ना हुए और विचार किया कि जब अंगुलीभर सिंदूर से प्रभु की रक्षा होती है तो क्यों न पूरे शरीर पर सिंदूर लगाकर स्वामी को सुरक्षित कर दूं। उन्होंने वैसा ही किया। जब वे इस तरह श्रीराम के सामने पहुंचे तो प्रभु मुस्कुराए बिना न रह सके। हनुमान का विश्वास मां जानकी के वचनों में पक्का हो गया। तभी से हनुमान की भक्ति का स्मरण करते हुए उन्हें सिंदूर चढ़ाया जाने लगा।

## शनि के प्रभाव से बचाते हैं हनुमान

रामायण से विदित होता है कि लंकापति रावण के सभी भ्राता व पुत्रों की जब मृत्यु हो रही थी तो अपने अमरत्व के लिए उसने सौरमंडल के सभी ग्रहों को अपने दरबार में कैद कर लिया था। रावण की कुंडली में शनि ही एकमात्र ऐसा ग्रह था जिसकी वक्रावस्था व योगों के कारण रावण के लिए मार्केश की स्थिति उत्पन्न हो रही थी जिसे बदलने के लिए रावण ने शनि को दरबार में उलटा लटका दिया था और यातनाएं दी थीं परंतु शनि के व्यवहारों में कोई बदलाव नहीं आया था। जब विभीषण ने हनुमान को इस बारे में में बताया तो हनुमान ने शनि को रावण की कैद से मुक्त कराया था। तभी शनिदेव ने हनुमान को वरदान दिया था कि जो भी उनकी आराधना करेगा उसे वह कष्ट नहीं पहुंचाएंगे।

# हनुमान जी की पूजा कब और कैसे करें

भगवान शिव के एकादश रुद्रावतारों में से एक हैं हनुमानजी। आपका जन्म वैशाख पूर्णिमा को हुआ माना जाता है। इसी दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। उनके पूजन की शिवार्चन के जैसी सरल साधना विधि है। आवश्यकता के अनुसार मंत्र इत्यादि में परिवर्तन किया जाता है। पूर्णत : सात्विक रहते हुए हनुमानजी का पूजन-भजन करना चाहिए अन्यथा देव कोप भोगना पड़ सकता है।

साधारणतया हनुमान प्रतिमा को चोला चढ़ाते हैं। हनुमानजी की कृपा प्राप्त करने के लिए मंगलवार को तथा शनि महाराज की साढ़े साती, अढैया, दशा, अंतरदशा में कष्ट कम करने के लिए शनिवार को चोला चढ़ाया जाता है। साधारणतया मान्यता इन्हीं दिनों की है, लेकिन दूसरे दिनों में रवि, सोम, बुध, गुरु, शुक्र को चढ़ाने का निषेध नहीं है। चोले में चमेली के तेल में सिन्दूर मिलाकर प्रतिमा पर लेपन कर अच्छी तरह मलकर, रगड़कर चांदी या सोने का वर्क चढ़ाते हैं। इस प्रक्रिया में कुछ बातें समझने की हैं। पहली बात चोला चढ़ाने में ध्यान रखने की है। अछूते (शुद्ध) वस्त्र धारण करें। दूसरी नख से शिख तक (सृष्टि क्रम) तथा शिख से नख तक संहार क्रम होता है। सृष्टि क्रम यानी पैरों से मस्तक तक चढ़ाने में देवता सौम्य रहते हैं। संहार क्रम से चढ़ाने में देवता उग्र हो जाते हैं। यह चीज श्रीयंत्र साधना में सरलता से समझी जा सकती है। यदि कोई विशेष कामना पूर्ति हो तो पहले संहार क्रम से, जब तक कि कामना पूर्ण न हो जाए, पश्चात सृष्टि क्रम से चोला चढ़ाया जा सकता है। ध्यान रहे, पूर्ण कार्य संकल्पित हो। सात्विक जीवन, मानसिक एवं शारीरिक ब्रह्मचर्य का पालन अनिवार्य है। हनुमानजी के विग्रह का पूजन एवं यंत्र पूजन में काफी असमानताएं हैं। प्रतिमा पूजन में सिर्फ प्रतिमा का पूजन तथा यंत्र पूजन में अंग देवताओं का पूजन होता है।

हनुमान चालीसा एवं बजरंग बाण सर्वसाधारण के लिए सरल उपाय हैं। सुन्दरकांड का पाठ भी अच्छा है, समय जरूर अधिक लगता है। हनुमानजी के काफी मंत्र उपलब्ध हैं। आवश्यकता के अनुसार चुनकर साधना की जा सकती है। शाबर मंत्र भी हैं, लेकिन इनका प्रयोग गुरुदेव की देखरेख में करना उचित है। एकदम जादू से कोई सिद्धि नहीं मिलती अत : धैर्य, श्रद्धा, विश्वास से करते रहने पर देवकृपा निश्चित हो जाती है।

शास्त्रों में लिखा है- 'जपात सिद्धि-जपात सिद्धि' यानी जपते रहो, जपते रहो, सिद्धि जरूर प्राप्त होगी। कलयुग में साक्षात देव हनुमानजी हैं। हनुमानजी की साधना से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष सभी करतलगत हो सकते हैं। इति।

## हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम मिटाएंगे जीवन के सारे संकट.

प्रभु श्रीराम के भक्त हनुमानजी की उपासना से जीवन के सारे संकट मिट जाते है। माना जाता है कि हनुमानजी एक ऐसे देवता है जो थोड़ी-सी प्रार्थना और पूजा से ही शीघ्र प्रसन्न होते है। इनके पूजन के लिए मंगलवार और शनिवार का दिन श्रेष्ठ हैं। इन दो दिनों के अलावा भी प्रतिदिन हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नामों का जप करने से हर प्रकार की मनोकामनाएं पूरी हो जाती है और जीवन के सभी संकटों से मुक्ति मिल जाती है। हनुमानजी के 12 चमत्कारिक नाम

हनुमान अंजनीसुत वायुपुत्र महाबल।
रामेष्ठ फाल्गुण सखा पिंगाक्ष।
अमित विक्रम उदधिक्रमण।
सीता शोक विनाशन लक्ष्मण प्राणदाता।
दशग्रीव दर्पहा।

## हनुमानजी की यह स्तुति करती है हर समस्या का निदान

हनुमानजी को बजरंगबली, पवनसुत, मारुतिनंदन, केसरीनंदन इस तरह के कई नामों से उनकी स्तुति की जाती है। श्री हनुमान जी की स्तुति जिसमें उनके बारह नामों का उल्लेख मिलता है। इन नामों के जप से भक्तों को सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। आनंद रामायण 8/3/8-11 में उल्लेखित यह स्तुति अगर आप मंगलवार या शनिवार को करते हैं तो आपको इसका फल और भी जल्दी मिलने की संभावना रहती है।

**दोहा**

उर प्रतीति दृढ़, सरन ह्वै, पाठ करै धरि ध्यान।
बाधा सब हर, करैं सब काम सफल हनुमान॥

**स्तुति**

हनुमान अंजनी सूत् वायु पुत्रो महाबल :।
रामेष्ट : फाल्गुनसखा पिङ्गाक्षोऽमित विक्रम :॥
उदधिक्रमणश्चैव सीता शोकविनाशन :।
लक्ष्मणप्राणदाता च दशग्रीवस्य दर्पहा॥
एवं द्वादश नामानि कपीन्द्रस्य महात्मन :।
सायंकाले प्रबोधे च यात्राकाले च य : पठेत॥
तस्य सर्वभयं नास्ति रणे च विजयी भवेत।

# भक्तों के कष्ट हरते हैं मंगल मूर्ति मारुति नंदन पवनसुत हनुमान

हनुमान जयंती पवनपुत्र हनुमान के जन्म की प्रसंग तिथि है। हनुमान शिव के ग्यारहवें अवतार के रूप में सर्वत्र पूजनीय हैं। चूंकि शिव भी राम का स्मरण करते हैं इसलिए उनके अवतार हनुमान को भी राम नाम प्रिय है। हनुमान बल और बुद्धि के देव हैं। रामकथा उनके बिना पूरी नहीं होती। वे धर्म में इस शिक्षा के साथ हैं कि अपनी बुद्धि और बल के गर्व से दूर रहते हुए, विनम्र होकर ही संसार का आदर प्राप्त किया जा सकता है। उनका श्रद्धाभाव अतुलनीय है। मंदिरों में हनुमानजी की मूर्ति को पर्वत उठाए और राक्षस का मान मर्दन करते हुए दिखाया जाता है लेकिन राम मंदिरों में वे प्रभु चरणों में मस्तक झुकाए बैठे हैं। वे अनुपम भक्त हैं। हनुमान के संबंध में एक लोककथा है कि एक बार वे माता अंजनी को रामायण सुना रहे थे। उनकी कथा से प्रभावित माता अंजनी ने पूछा, तुम इतने शक्तिशाली हो कि तुम्हारी पूंछ के एक वार से पूरी लंका को उड़ा सकते थे, रावण को मार सकते थे और मां सीता को छुड़ाकर ला सकते हो फिर तुमने ऐसा क्यों नहीं किया? अगर तुम ऐसा करते तो युद्ध में नष्ट हुआ समय बच जाता? हनुमान विनम्रता से कहते हैं, क्योंकि राम ने कभी मुझे ऐसा करने के लिए नहीं कहा। राम के प्रति इस अगाध श्रद्धा के कारण हनुमान पूरे संसार में पूजे जाते हैं। हनुमान जयंती के दिन अगर भक्त 7 बार हनुमान चालीसा का पाठ करते हैं तो उनके कष्टों का हरण होता है। हनुमान बाण से सभी तरह के तांत्रिक रोगों का नाश होता है। राम नाम मात्र से ही वे सारे मनोरथ पूरे करते हैं।

## रामकथा सुनते हैं हनुमान

माना जाता है कि जहां रामकथा होती है वहां हनुमान कथा सुनने पहुंचते हैं। कहा गया है एक बार राजदरबार में श्रीराम ने हनुमान को अपने गले से मोती की माला उतार कर दी। हनुमान ने हर एक मोती को दांत से काटकर देखा और पूरी माला तोड़ दी। श्रीराम ने पूछा इतनी सुंदर माला तुमने दांत से काट-काटकर क्यों फेंक दी। हनुमान ने कहा कि प्रभु जिस वस्तु में आप नहीं वह मेरे किस काम की। तब श्रीराम ने पूछा, तुम्हारे हृदय में श्रीराम का निवास है? हनुमान ने हृदय चीरकर दिखाया कि उसमें राम, लक्ष्मण और सीता विद्यमान है। हनुमान को राम नाम प्रिय है। जहां भी रामकथा होती है वहां वे कथा श्रवण आते हैं।

# हर समस्या का समाधान है हनुमानजी के पास

हनुमान जी कलयुग में जीवित देवता के रूप में माने जाते हैं। हिंदू धर्म ग्रंथों के अनुसार हनुमान जी एकमात्र ऐसे देवता हैं, जो सशरीर इस पृथ्वी पर विचरण करते हैं, और अपने भक्तों की हर मनोकामना पूरी करते हैं। मान्यता है कि हनुमान जी का जन्म मंगलवार को हुआ था। इसीलिए मंगलवार के दिन उनकी पूजा का विशेष महत्व है। इसके अतिरिक्त शनिवार को भी हनुमान पूजा का विधान है। हनुमान जी को प्रसन्न करना बहुत सरल है। राह चलते उनका नाम स्मरण करने मात्र से ही सारे संकट दूर हो जाते हैं। मानव जीवन का सबसे बड़ा दुख भय है और जो साधक श्री हनुमान जी का नाम स्मरण कर लेता है वह भय से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। हनुमान जी की उपासना से बुद्धि, यश, शौर्य, साहस और आरोग्यता में वृद्धि होती है।

## परेशानी दूर करने के अचूक उपाय

रोज हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करने वाले भक्तों को सभी सुख मिलते हैं और धन की प्राप्ति होती है। ऐसे लोगों को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होती और उनकी किस्मत का सितारा चमक जाता है। सुंदरकांड श्रीरामचरितमानस का चौथा अध्याय है। यह श्रीरामचरितमानस का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला भाग है क्योंकि इसमें हनुमान जी के बल, बुद्धि, पराक्रम व शौर्य का वर्णन किया गया है। सुंदरकांड के पढ़ने व सुनने से मन में एक अद्भुत ऊर्जा का संचार होता है। सुंदरकांड के हर दोहा, चौपाई व शब्द में गहन अध्यात्म छुपा है, जिससे मनुष्य जीवन की हर समस्या का सामना कर सकता है। विवाहित स्त्रियां अपने पति या स्वामी की लंबी उम्र के लिए मांग में सिंदूर लगाती हैं, ठीक उसी प्रकार हनुमानजी भी अपने स्वामी श्रीराम के लिए पूरे शरीर पर सिंदूर लगाते हैं। इसलिए मंगलवार को हनुमान जी के मंदिर में जाकर उन्हें सिंदूर व चमेली का तेल अर्पित करें। आपकी मनोकामनाएं जरूर पूरीं होगीं।

## सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे प्रतिभा रांटा और रोहित सराफ?

अभिनेता रोहित सराफ इन दिनों अभिनेत्री प्रतिभा रांटा के साथ रिश्ते को लेकर चर्चा में हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक दोनों की आपस में अच्छी बनती है और वह अच्छे दोस्त हैं। दोनों को एक दूसरे का साथ पसंद आ रहा है। वे एक दूसरे के साथ अक्सर अच्छा वक्त बिताते हैं। उनके बीच अच्छा रिश्ता होने के बावजूद वह अपने रिश्ते को कोई नाम नहीं दे रहे हैं। कई जगहों पर एक साथ स्पॉट होने की वजह से दोनों चर्चा का विषय बने हुए हैं। दिलचस्प है कि न तो प्रतिभा रांटा और न ही रोहित सराफ ने अब तक अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है।

### इस सीरीज का होंगे हिस्सा

इस बीच खबर आ रही है कि रोहित और प्रतिभा सीरीज 'द रिवोल्यूशनरीज' का हिस्सा होंगे। इसके निर्देशक निखिल आडवाणी हैं। इसकी कहानी एक किताब पर आधारित है। इन दोनों कलाकारों के अलावा इसमें भुवन बाम, गुरफतेह पीरजादा और जेसन शाह होंगे। यह सीरीज इसी साल अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होने वाली है।

### प्रतिभा रांटा का वर्कफ्रंट

प्रतिभा रांटा बॉलीवुड फिल्म 'लापता लेडीज' (2024) में नजर आ चुकी हैं। वह 'एक्यूज्ड' (2026) का भी हिस्सा रह चुकी हैं।

### रोहित सराफ का वर्कफ्रंट

रोहित सराफ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' (2025) और 'ठग लाइफ' (2025) का हिस्सा रहे हैं।

# जिंदगी को भी 'गेम' जैसे खेलती हूं

'सेक्रेड गेम्स' की कुकू हो या 'द ट्रायल' की सना शेख, एक्ट्रेस कुब्रा सैत को जब भी दमदार किरदार मिले, उन्होंने उसे निचोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इन स्ट्रॉन्ग, कॉम्प्लेक्स लड़कियों में उन्होंने बिंदासियत और संवेदनशीलता का मिला-जुला रंग भरकर यादगार बना दिया। अब अपनी नई सीरीज 'संकल्प' में भी वह डीएसपी परवीन शेख की सशक्त भूमिका में हैं।

कुब्रा का कहना है, 'मैं खुशनसीब हूं कि मुझे ये किरदार निभाने को मिले। उनमें जो कॉम्प्लेक्सिटी है, उसे निभाना सौभाग्य की बात है। मैं इनसे सीख पाती हूं कि सिर्फ ताकतवर होना ही मजबूती नहीं है। असुरक्षित, टूटा होकर खड़ा होना भी ताकत है। मुझे लगता है कि ये जितने भी किरदार मैंने निभाए हैं, उनमें कुछ न कुछ मेरा होगा क्योंकि ये सारे रंग हम सबमें हैं। वो चाहे बिंदासियत हो, ताकत या असुरक्षित महसूस करना, इन किरदारों के जरिए मुझे अपने बारे में भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। अच्छी बात ये है कि ऑडियंस इनसे रिलेट कर पा रही है, पसंद कर रही है तो हम कुछ तो सही कर रहे है। यही चीज मुझे प्रेरित करती है।'

कुब्रा की पहली ही फिल्म रेडी सलमान खान जैसे सुपरस्टार के साथ थी। उनके साथ काम करते वक्त कोई डर या इंटीमिडेशन था, यह पूछने पर वह कहती हैं, 'नहीं यार, मैं बहुत कॉन्फिडेंट थी तो मैं सबके साथ बैठकर बातें करती थी। मुझे सबके बारे में जानना था। मैं सलमान खान सर के साथ भी बैठती थी। उनसे पूछती थी कि ये कैसे हुआ, वो कैसे हुआ, तो वे भी बातें करते थे। मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि नई हूं तो कोने में बैठना जरूरी है।

टैलंट के बावजूद 15 साल लंबे करियर में कुब्रा मेन लीड में ना के बराबर ही दिखी हैं। क्या इस बात का कभी मलाल होता है? इस सवाल पर उन्होंने कहा, 'नहीं यार, ये सब सोचूंगी तो जो काम हो रहा है वो भी बंद हो जाएगा। मुझे बहुत कुछ क्रिएट करना है। अपना बहुत कुछ करना है। मैं इन बातों में फंसी तो आगे बढ़ना मुश्किल हो जाएगा। इससे बेहतर जो काम है या जो काम मैं करना चाहती हूं, उस पर फोकस करूं। बाकी तो बहुत कुछ हो सकता था, पर मैं आज यहां पर हूं और अपने काम में मुझे मजा आ रहा है, इससे बड़ी बात और क्या होगी। हां, कभी कभी लगता है। जैसे, कोविड के वक्त मुझे लगा था कि सब खत्म हो गया। अब कुछ नहीं होगा। मैं अपना सामान पैक करके वापस घर चली जाऊंगी, मगर नहीं गए, टिके रहे और यहां पर टिके रहने का ही गेम है।

# अक्षय ने 'वक्त' फिल्म से सीखा जीवन का सबसे बड़ा सबक

अभिनेता अक्षय कुमार इन दिनों रियलिटी क्विज शो 'व्हील ऑफ फॉर्च्यून' की मेजबानी करते नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने अपने शो में सभी को समय की कीमत के बारे में अच्छे तरीके से समझाया। इस दौरान उन्होंने अमिताभ बच्चन की साथ में की फिल्म 'वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम' का जिक्र करते हुए कहा कि असल जिंदगी फिल्मों की तरह नहीं होती। दरअसल, इस फिल्म में ईश्वरचंद ठाकुर (अमिताभ बच्चन) एक जिम्मेदार पिता है जो अपने बिगड़े हुए बेटे आदित्य (अक्षय कुमार) को जीवन का सबक सिखाना चाहता है, लेकिन जब ईश्वरचंद को पता चलता है कि उसे कैंसर है, तो वह एक सख्त फैसला लेता है ताकि उसका बेटा जिम्मेदार बने। अक्षय ने बताया कि 'वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम' उनकी खास फिल्मों में से एक थी और इसकी एक लाइन ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। अक्षय ने कहा, 'मैं आपको एक फिल्म बताता हूं, जो मेरी जिंदगी के लिए बहुत खास फिल्मों में से थी। उसका नाम था 'वक्त'। इस फिल्म में एक लाइन होती है, 'कोई बात नहीं बेटा है, सुधर जाएगा', लेकिन असलियत में ऐसा नहीं होता। हम अक्सर सोचते हैं कि कल सुधर जाएगा, बाद में कर लेंगे, लेकिन समय किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने आगे 'सूरज चमकते समय घास बनाने' की कहावत का भी जिक्र किया। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि मौका मिलते ही काम कर लेना चाहिए, वरना बाद में पछतावा ही रह जाता है।

एक प्रतियोगी रोहित को संबोधित करते हुए अक्षय ने सीधे कहा, 'रोहित, मैं सच बता रहा हूं बेटा, वक्त किसी का इंतजार नहीं करता।'

अक्षय ने कहा, 'मैं बचपन से ही पढ़ाई में अच्छा नहीं था। इसलिए 14 साल की उम्र से ही काम करना शुरू कर दिया था, क्योंकि धीरे धीरे मुझे महसूस हुआ कि अपनी जिंदगी खुद संभालनी होगी।'

अक्षय ने अपने संदेश को एक मजबूत निष्कर्ष के साथ खत्म किया। उन्होंने कहा, 'मैं सबको यह कहना चाहता हूं कि कभी यह मत सोचिए कि सही वक्त आने पर कर लेंगे। अगर कुछ करना है तो आज ही शुरू कर दो। वरना वह काम कभी नहीं हो पाएगा। समय बहुत तेजी से गुजरता है और पीछे मुड़कर देखने पर सिर्फ अफसोस रह जाता है।'

साल 2005 में रिलीज हुई फिल्म 'वक्तः द रेस अगेंस्ट टाइम' विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्देशित एक सफल भावनात्मक बॉलीवुड पारिवारिक ड्रामा है, जिसमें अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और शेफाली शाह ने अभिनय किया है। फिल्म बॉक्स ऑफिस में काफी सफल रही थी।

# 'धुरंधर 2' से प्रभावित होकर राम गोपाल वर्मा ने 'सरकार' सीरीज टाली, बनाएंगे सिंडिकेट

फिल्म निर्माता-निर्देशक राम गोपाल वर्मा आदित्य धर की हालिया रिलीज फिल्म 'धुरंधर 2' से खासा प्रभावित हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक बार फिर से फिल्म की तारीफ करते हुए उन्होंने अपने बचपन के सपनों के बारे में दिलचस्प बातें साझा कीं। साथ ही बताया कि अब 'सरकार' नहीं बल्कि 'सिंडिकेट' पर काम करना चाहते हैं। राम गोपाल वर्मा ने बताया कि 10 साल की उम्र में वह ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहते थे, क्योंकि एक्सीलरेटर तेज होने पर निकलने वाली 'वूम-वूम' की आवाज उन्हें बहुत आकर्षित करती थी। एक लंबा नोट लिखते हुए राम गोपाल वर्मा ने कहा, ' बदलाव ही एकमात्र स्थिर चीज है जिसके साथ हम सब बड़े हुए। मेरे जीवन के शुरुआती सालों में सपने लगातार बदलते रहे। उन्होंने लिखा, 'जब मैं करीब 10 साल का था, तो ऑटो रिक्शा ड्राइवर बनना चाहता था। फिर 15 साल की उम्र में चचेरे भाई से प्रेरित होकर जंगल में रहना चाहा। कुछ साल बाद इंजीनियर बनने का सपना देखा, लेकिन फिर मन बदलकर डायरेक्टर बनने का फैसला किया।'

फिल्म मेकर ने अपनी पढ़ने की आदतों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि एनिड ब्लाइटन की किताबें उन्हें बहुत पसंद थीं, लेकिन जब जेम्स हैडली चेस के बारे में पता चला तो वे उन्हें सबसे शानदार लेखक लगे। बाद में फ्रेडरिक फोर्सिथ ने उन्हें और भी ज्यादा प्रभावित किया। उन्होंने लिखा कि नए अनुभव हमें बदलते हैं और हमारे बेंचमार्क को ऊंचा उठाते हैं, ऐसा होना भी चाहिए।अपनी फिल्मों के बारे में बात करते हुए उन्होंने बताया कि उनकी बेंचमार्क फिल्में 'द साउंड ऑफ म्यूजिक' (जिससे 'रंगीला' प्रेरित हुई), 'एक्सॉर्सिस्ट' (जिससे 'रात' और 'भूत') व 'गॉडफादर' (जिससे 'सत्या', 'कंपनी' और 'सरकार' सीरीज) रही हैं। उन्होंने मुख्य रूप से 'गॉडफादर' से प्रेरणा लेकर फिल्में बनाईं।

उन्होंने 'धुरंधर: द रिवेंज' की खूब तारीफ की। साथ ही कहा कि इस फिल्म ने उन्हें इतना प्रभावित किया कि उन्होंने 'सरकार' फ्रैंचाइजी की अगली कड़ी को टाल दिया है और अब 'सिंडिकेट' पर काम करने का फैसला किया है। राम गोपाल वर्मा ने लिखा, 'जानिए सिंडिकेट क्यों, सरकार क्यों नहीं? सिंडिकेट की कहानी इस सोच पर आधारित है कि क्या होगा अगर भारत का पूरी कानून-व्यवस्था एक दिन में ही ढह जाए? यह हॉरर फिल्म जैसी होगी, लेकिन कोई सुपरनैचुरल तत्व नहीं, बल्कि इंसानी दिमागों में छिपी भयानक चीजों को दिखाएगी। यह एक ऐसे संगठन की कहानी है जो इतना शक्तिशाली और संगठित हो जाता है कि देश के अस्तित्व के लिए खतरा बन जाता है।'

राम गोपाल ने आगे बताया कि 'धुरंधर 2' देखने के बाद उनकी पुरानी फिल्में उन्हें कुछ भी नहीं लगतीं। अगर पहले 'गॉडफादर' उनका पैमाना था, तो अब 'धुरंधर 2' को वह 'गॉडफादर का भी गॉडफादर' मानते हैं। फिल्म के हर पहलू कहानी कहने का अंदाज, किरदार, बैकग्राउंड म्यूजिक, एक्शन और अदाकारी ने उन्हें पूरी तरह प्रभावित किया।

# 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाना चाहते हैं इमरान खान

अनिल कपूर स्टारर 'मिस्टर इंडिया' अपनी रिलीज के 29 साल बाद भी दर्शकों के बीच काफी पॉपुलर है। फिल्म को हर पीढ़ी के दर्शक काफी पसंद करते हैं। कई बार फिल्म का सीक्वल बनाने की भी चर्चाएं उठीं। अब अभिनेता इमरान खान ने 'मिस्टर इंडिया' का रीमेक बनाने की इच्छा जताई है।

### 'मिस्टर इंडिया' के फैन रहे हैं इमरान

हाल ही में रेडिट के एक आस्क मी एनिथिंग सेशन में इमरान खान ने फैंस के अलग-अलग सवालों के जवाब दिए। इसी दौरान एक प्रशंसक ने इमरान खान से पूछा, 'अगर आपको कभी दुनिया के किसी भी इंडस्ट्री के किसी भी पॉपुलर किरदार (सुपरहीरो सहित) को अपने नजरिए से फिर से लिखने का मौका मिले, तो आप किसे चुनेंगे?'

इसके जवाब इमरान ने कहा कि यह सुनने में थोड़ा अजीब लगेगा, लेकिन कई साल से मेरा सपना रहा है कि मैं 'मिस्टर इंडिया' का सीक्वल बनाऊं। मैं इस फिल्म का बहुत बड़ा फैन रहा हूं। क्योंकि यह एक फिक्शनल कॉमिक बुक फिल्म को यथार्थवादी और इमोशनल रूप से मजबूत बनाने का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह शानदार है। अनिल कपूर आज भी उतने ही अच्छे दिखते हैं जितने तब दिखते थे।

### इमरान को पसंद है 'मिस्टर इंडिया' की मासूमियत

इसी दौरान इमरान से पूछा गया, ''मिस्टर इंडिया' एक महान किरदार हैं। उनकी यात्रा का आधुनिक रूप देखना बहुत रोमांचक होगा। इसलिए इसमें कुछ भी अजीब नहीं है। लेकिन क्या आप उसे एक हीरो वाला कैरेक्टर ही रखेंगे या एक क्लासिक विलेन के रूप में बदलने का जोखिम उठाना चाहेंगे?' इस पर इमरान ने कहा कि मेरे लिए इस किरदार की खूबसूरती उसकी ईमानदारी और आदर्शवाद में ही है। एक्टर ने कहा कि मुझे सच में लगता है कि मूल फिल्म में अनिल कपूर का जो आकर्षण और मासूमियत थी, उसे रीमेक में आप बखूबी निभा सकते हैं। मुझे जरूर बताएं कि मैं इसके लिए कहां साइन अप कर सकता हूं।

### 1987 में रिलीज हुई थी 'मिस्टर इंडिया'

शेखर कपूर द्वारा निर्देशित 'मिस्टर इंडिया' साल 1987 में रिलीज हुई थी। यह एक लोकप्रिय सुपरहीरो फिल्म है। इसमें अनिल कपूर ने अरुण वर्मा का किरदार निभाया है, जो एक वायलिन वादक है और अनाथ बच्चों का पालन-पोषण करता है।

### 11 साल बाद इस फिल्म में लीड एक्टर के तौर पर नजर आएंगे इमरान

इमरान खान के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता आखिरी बार इसी साल रिलीज हुई फिल्म 'हैप्पी पटेल: खतरनाक जासूस' में एक छोटी सी भूमिका में नजर आए थे। उनकी लीड हीरो के रूप में अगली फिल्म 'अधूरे हम अधूरे तुम' है। इस फिल्म के जरिए इमरान लगभग 11 साल बाद लीड एक्टर के तौर पर वापसी करेंगे।

## प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी मोना सिंह वेब सीरीज 'मां का सम'

मोना सिंह और मिहिर आहूजा वेब सीरीज 'मां का सम' में एक साथ नजर आने वाले हैं। मोना और मिहिर के अलावा इस सीरीज में अंगिरा धर और रणवीर बराड़ भी अहम किरदार में नजर आएंगे। 'मां का सम' एक नई वेब सीरीज है। जिसका निर्देशन निकोलस खारकोंगोर ने किया है। इस सीरीज में मोना सिंह के साथ मुख्य भूमिका में मिहिर आहूजा नजर आएंगे। यह सीरीज 3 अप्रैल 2026 को प्राइम वीडियो रिलीज हो रही है।

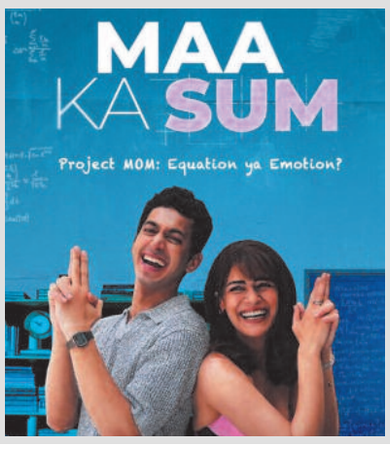

## संक्षिप्त समाचार

### जैश सरगना मसूद के भाई आतंकी ताहिर की संदिग्ध हालत में मौत

**इस्लामाबाद, एजेंसी।** पाकिस्तान के कुख्यात आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद के सरगना मसूद अजहर के बड़े भाई आतंकी ताहिर अनवर की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने आधिकारिक रूप से इस बारे में कुछ नहीं कहा है लेकिन अनाधिकारिक रूप से अनवर की मौत की पुष्टि की है। हालांकि मौत की वजहों का खुलासा नहीं किया है। उसकी मौत बहावलपुर में हुई बताई जा रही है। ताहिर अनवर भी जैश से जुड़ा था और संगठन में बहुत अहम भूमिका निभाता था। बताया जाता है कि वह संगठन की सभी आतंकी योजनाओं में सक्रिय हिस्सेदारी करता था। सूत्रों के मुताबिक उसका अंतिम संस्कार बहावलपुर में जैश के मुख्यालय में किया जाएगा। भारतीय सुरक्षा एजेंसियां पूरी घटना पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं। ताहिर जैश के सैन्य मामलों का प्रमुख था और आतंकियों की ट्रेनिंग की पूरी जिम्मेदारी साल 2001 से संभाल रहा था। 62 साल का ताहिर अनवर 12 भाई बहनों में सबसे बड़ा था और आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद के गठन से पहले मुर्गी पालन करता था।

### मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति ने तीसरी बार शपथ ली

**बैंगुई, एजेंसी।** मध्य अफ्रीकी गणराज्य के राष्ट्रपति फॉस्टिन-आर्चेंज टौएडेरा ने तीसरी बार राष्ट्रपति पद की शपथ ली है। यह शपथ विवादित चुनाव के तीन महीने बाद हुई है। टौएडेरा को दिसंबर में हुए चुनाव में विजेता घोषित किया गया था, लेकिन विपक्षी दलों ने चुनाव का बहिष्कार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव निष्पक्ष नहीं था। नए कार्यकाल की अवधि अब सात साल होगी, क्योंकि पहले संविधान में बदलाव कर दिया गया था। राष्ट्रपति ने कहा कि उनका लक्ष्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना और संसाधनों का पारदर्शी इस्तेमाल करना है। हालांकि, देश में 2013 से जारी संघर्ष और अस्थिरता अभी भी चिंता का विषय है। कई विद्रोही समूह अब भी सक्रिय हैं, जिससे हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाए हैं।

### चीन में हाईवे टनल निर्माण स्थल पर विस्फोट, 4 की मौत, 9 घायल

**बीजिंग, एजेंसी।** दक्षिण-पश्चिम चीन के चोंगकिंग इलाके में निर्माणाधीन हाईवे टनल में हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। यह धमाका सोमवार दोपहर हुबेई और सिचुआन प्रांतों को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से के निर्माण स्थल पर हुआ। वानझोउ जिला परिवहन आयोग के अनुसार, हादसा टनल निर्माण के दौरान हुआ। शुरुआती रिपोर्ट में एक व्यक्ति के लापता होने और 12 लोगों के घायल होने की जानकारी सामने आई थी। बाद में मंगलवार रात तक बचाव दल ने लापता व्यक्ति का शव बरामद कर लिया। वहीं, घायलों में से तीन लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया, जिसकी पुष्टि सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने की। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि विस्फोट ज्वलनशील गैस के कारण हुआ हो सकता है। घटना के बाद प्रशासन ने इलाके को घेर लिया है और हादसे के कारणों की जांच जारी है।

### चिली में स्कूल सुरक्षा सख्त करने की तैयारी

**सैंटियागो, एजेंसी।** चिली के राष्ट्रपति जोसे एंटोनियो कास्ट ने हाल ही में स्कूलों में बढ़ती हिंसा की घटनाओं के बाद सुरक्षा कड़ी करने का ऐलान किया है। पिछले शुक्रवार एक स्कूल में चाकू से हमला हुआ, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और चार लोग घायल हो गए। इसके अलावा सोमवार को एक 15 साल का छात्र स्कूल में भरी हुई बंदूक लेकर घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया। इन घटनाओं के बाद सरकार अब स्कूलों में सख्त कदम उठाने की योजना बना रही है। राष्ट्रपति कास्ट ने कहा कि अब छात्रों की सुरक्षा सबसे बड़ी प्राथमिकता है और स्कूलों में प्रवेश के नियम और कड़े किए जाएंगे। शिक्षा मंत्री मारिया पाज अरजोला ने बताया कि एक नया कानून तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत शिक्षक छात्रों के बैग की जांच कर सकेंगे। साथ ही स्कूलों में मेटल डिटेक्टर लगाने की योजना भी तेज की जाएगी। हालांकि चिली में स्कूलों में हथियारों से हमले आम नहीं हैं, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने सरकार और समाज दोनों को चिंता में डाल दिया है।

### बाइडन दंपती ने दो पिल्लों को गोद लिया

**न्यूयॉर्क, एजेंसी।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी पत्नी जिल बाइडन ने अपने घर में दो नए पिल्लों को शामिल किया है। इन पिल्लों के नाम 'बू' और 'स्काउट' रखे गए हैं। ये दोनों कुत्ते पहले एक पशु आश्रय में थे, जहां से उन्हें बचाया गया था। बाद में एक पशु कल्याण संस्था मानवीय पशु भागीदार ने इन्हें बाइडन परिवार से मिलवाया। बाइडन परिवार पहले भी अपने पालतू कुत्तों के लिए जाना जाता रहा है। व्हाइट हाउस में रहते समय उनके जर्मन शेफर्ड कुत्ते भी काफी चर्चा में रहे थे।

# सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी का निधन; पीएम मोदी ने दुख जताया

**पारामारिबो, एजेंसी।** सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति चंद्रिकाप्रसाद संतोखी का 67 साल की उम्र में निधन हो गया है। स्थानीय मीडिया की तरफ से मंगलवार (भारतीय समयानुसार) को इस घटना की जानकारी दी गई। हालांकि, उनकी मौत का कारण नहीं बताया गया। पूर्व राष्ट्रपति संतोखी का भारत के बिहार राज्य के साथ एक खास कनेक्शन भी रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति का सोमवार को अचानक निधन हो गया। देश की वर्तमान राष्ट्रपति जेनिफर सिमंस ने 67 वर्ष के संतोखी के निधन की पुष्टि की। संतोखी 2020 से 2025 तक राष्ट्रपति के पद पर अपनी जिम्मेदारी निभाते रहे। वह प्रोग्रेसिव रिफॉर्म पार्टी के नेता भी थे और इससे पहले देश में न्यायिक मंत्री का पद संभाल चुके थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताया और उनके व्यक्तिगत संबंध और भारत और सूरीनाम के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करने में संतोखी की भूमिका को याद किया।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'मेरे दोस्त और सूरीनाम के पूर्व राष्ट्रपति, चंद्रिका प्रसाद संतोखी जी के अचानक निधन से बहुत सदमा लगा है और दुखी हूं। यह न केवल सूरीनाम के लिए बल्कि दुनिया भर में फैले भारतीय समुदाय के लिए भी एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं हो सकती। अपनी

बातचीत के बारे में बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'मुझे उनके साथ हुई कई मुलाकातें अच्छी तरह याद हैं। सूरीनाम के लिए उनकी बिना थके सेवा और भारत-सूरीनाम के संबंधों को मजबूत करने की उनकी कोशिशें हमारी बातचीत में साफ दिखती थीं। उन्हें भारतीय संस्कृति से खास लगाव था। जब उन्होंने संस्कृत में शपथ ली तो उन्होंने कई लोगों का दिल जीत लिया।'

पीएम मोदी ने आगे कहा, 'इस दुख की घड़ी में मैं उनके परिवार और सूरीनाम के लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। ओम शांति।' प्रधानमंत्री ने दिवंगत नेता के साथ अपनी पिछली मुलाकातों की तस्वीरें भी शेयर कीं। बता दें, सूरीनाम के वानिका जिले के लेलीडॉर्प में जन्मे संतोखी एक इंडो-सूरीनाम हिंदू परिवार से थे और नौ भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। उनके दादा-दादी 19वीं सदी में बिहार से बंधुआ मजदूर के तौर पर आए थे। उनके पिता पारामारिबो में बंदरगाह पर काम करते थे, जबकि उनकी मां एक दुकान में सहायक के तौर पर काम करती थीं। कानून प्रवर्तन में अपने शुरुआती करियर की वजह से, उन्हें 'शेरिफ' निकनेम मिला। संतोखी ने सूरीनाम में व्यापार, ऊर्जा और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ संबंध मजबूत करने में अहम भूमिका निभाई। सूरीनाम में लगभग 27 फीसदी आबादी की जड़ें भारतीय बंधुआ मजदूरों से जुड़ी हैं। उन्हें प्रवासी भारतीय सम्मान दिया गया था और वे प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि के तौर पर भी शामिल हुए थे। इंडो-सूरीनाम विरासत के संदर्भ में, 2020 में संतोखी का शपथ ग्रहण भारत के साथ मजबूत सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाता है। दरअसल, संतोखी ने संस्कृत भाषा में राष्ट्रपति पद की शपथ ली थी। सूरीनाम के किसी राष्ट्रपति ने पहली बार संस्कृत भाषा में शपथ ली थी। इसके साथ ही यह देश में बड़ी संख्या में मौजूद भारतीय मूल की आबादी का सम्मान भी है, जो 19वीं सदी के बंधुआ मजदूरों के वंशज हैं। पीएम मोदी ने अपने मासिक महीने के रेडियो कार्यक्रम मन की बात में पूर्व राष्ट्रपति का जिक्र किया था और भारत की जनता को भारतीय भाषा और संस्कृति के साथ उनके जुड़ाव के बारे में बताया।

### 53 साल बाद इंसान फिर जाएगा चांद पर

**वाशिंगटन, एजेंसी।** अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने 53 साल बाद इंसानों को फिर से चांद पर भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके लिए 'आर्टेमिस-2' मिशन का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। यह रॉकेट बुधवार शाम को लॉन्च किया जाएगा और इसमें चार अंतरिक्ष यात्री सवार होंगे। यह मिशन लगभग 10 दिन का होगा। इसमें अंतरिक्ष यात्री पहले पृथ्वी की कक्षा में घूमेंगे और फिर चांद के पास जाकर बिना उतरे वापस लौट आएंगे। मिशन के अंत में उनका कैप्सूल समुद्र में उतरेगा।

इस बार मिशन की खास बात यह है कि इसमें एक महिला, एक अश्वेत और एक गैर-अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री भी शामिल हैं। नासा का कहना है कि यह मिशन पूरी मानवता के लिए एक नई शुरुआत है। पहले यह मिशन फरवरी में होना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं के कारण इसे टाल दिया गया था। अब सभी दिक्कतें दूर कर ली गई हैं और मौसम भी अनुकूल बताया जा रहा है। नासा का उद्देश्य भविष्य में चांद पर स्थायी मिशन भेजना और आगे मंगल ग्रह तक पहुंचने की तैयारी करना है। यह मिशन अंतरिक्ष अनुसंधान में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

# भारत आने वाले ईरानी विमान पर अमेरिका का हमला, तेहरान ने कड़ी निंदा की; मानवीय मिशन बाधित

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान भारत के लिए उड़ान भर रहे मानवता मिशन विमान पर अमेरिकी हवाई हमले के बाद आगबबूला है। घटना के बाद ईरान ने इसे युद्ध अपराध करार दिया और अमेरिका पर अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। रिपोर्टों के अनुसार, महान एयर का यह विमान ईरान के मशहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाला था। यह विमान मानवीय सहायता मिशन के लिए नई दिल्ली आने वाला था, जहां से उसे राहत सामग्री ले जानी थी। हमले से विमान क्षतिग्रस्त हो गया और पूर्व नियोजित मानवीय सहायता मिशन बाधित हो गया। भारत में ईरानी दूतावास ने कहा कि सिविल एविएशन ऑर्गेनाइजेशन के नियमों के अनुसार, मानवीय मिशनों में लगे नागरिक विमानों को निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। दूतावास ने लिखा दवाइयों और चिकित्सा उपकरणों को ले जा रहे इस ईरानी विमान पर हमला करना युद्ध अपराध है। ईरानी दूतावास ने बताया कि शिकागो कन्वेंशन (1944) और मॉन्ट्रियल कन्वेंशन (1971) के तहत, नागरिक विमानों पर हमले अंतरराष्ट्रीय अपराध माने जाते हैं। इसके अलावा जिनेवा कन्वेंशन के अतिरिक्त प्रोटोकॉल द्व, अनुच्छेद 52 के अनुसार, नागरिक वस्तुओं पर

हमले, जिनमें मानवतावादी सहायता विमान भी शामिल हैं, युद्ध अपराध में आते हैं। दूतावास ने अमेरिका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्रवाई की मांग की है और कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि भविष्य में ऐसी घटनाएं दोबारा न हों। बताया जा रहा है कि यह विमान 1 अप्रैल सुबह 4:00 बजे पहुंचने वाला था। इस घटना के बाद देश में नागरिक उड्डयन की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। बता दें कि, महान एयर एक निजी स्वामित्व वाली ईरानी एयरलाइन है जो पश्चिम एशिया, मध्य एशिया, दक्षिण एशिया, दक्षिणपूर्व एशिया और पूर्वी एशिया के कई देशों में उड़ानें संचालित करती है। क्षतिग्रस्त हुए विमान को भारत से दवाइयों सहित 11 टन मानवीय सहायता ईरान ले जानी थी। पहले की खेपों में भारतीय उड़ानों का इस्तेमाल नहीं किया गया था। ईरान के लिए भारत की पहली सहायता खेप 18 मार्च 2026 को भेजी गई थी। तब भारत ने कहा था कि यह सहायता दोनों देशों के बीच दोस्ती और सभ्यतागत संबंधों का प्रतीक है।

### फ्लोरिडा एयरपोर्ट का नाम ट्रंप के नाम पर रखने की मंजूरी

**फ्लोरिडा, एजेंसी।** अमेरिका के फ्लोरिडा में एक एयरपोर्ट का नाम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर रखने को मंजूरी मिल गई है। साथ ही ट्रंप ने मियामी में अपनी प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के लिए प्रस्तावित गगनचुंबी इमारत का डिजाइन भी जारी किया। फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किए, जिसके तहत पाम बीच इंटरनेशनल एयरपोर्ट का नाम बदलकर 'प्रेसिडेंट डोनाल्ड जे. ट्रंप इंटरनेशनल एयरपोर्ट' रखा जाएगा। यह बदलाव जुलाई से लागू होगा। यह एयरपोर्ट ट्रंप के मार-ए-लागो एस्टेट के पास स्थित है। इसके कुछ घंटों बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें उनकी प्रस्तावित प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी के डिजिटल डिजाइन की झलक दिखाई गई। डिजाइन का श्रेय मियामी स्थित फर्म बर्मेलो अजामिल को दिया गया है। ट्रंप ने इस वीडियो के साथ कोई विस्तृत जानकारी साझा नहीं की, केवल अपनी लाइब्रेरी की एक नई वेबसाइट का लिंक दिया, जिस पर 'जल्द आ रहा है' लिखा है और दान करने का विकल्प भी मौजूद है।

व्हाइट हाउस ने इस योजना को लेकर पूछे गए सवालों का तत्काल कोई जवाब नहीं दिया है। इस परियोजना के लिए मियामी डेड कॉलेज ने शहर के केंद्र में लगभग 3 एकड़ जमीन उपहार के रूप में दी है। दिसंबर में एक न्यायाधीश ने इस जमीन के हस्तांतरण को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज कर दिया था। इस जमीन की कीमत 6.7 करोड़ डॉलर से अधिक बताई जा रही है।

**मंगोलिया को एक साल में मिला तीसरा प्रधानमंत्री : उलानबटार, एजेंसी।** मंगोलिया की संसद ने उच्चाल न्याम-ओसोर को देश का नया प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। एक साल के भीतर यह तीसरी बार है, जब देश को नया प्रधानमंत्री मिला है। यह फैसला संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने और आर्थिक चुनौतियों से निपटने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मंगोलिया में बढ़ते आर्थिक दबाव के बीच उच्चाल ने राजनीतिक एकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आंतरिक मतभेदों ने बाहरी चुनौतियों को और गंभीर बना दिया है। सोमवार रात संसद के 126 में से 107 सांसदों ने मतदान में हिस्सा लिया, जिनमें से 88 सांसदों (करीब 82.2 प्रतिशत) ने उच्चाल के समर्थन में वोट दिया। इसके साथ ही 39 वर्षीय नेता के प्रधानमंत्री बनने का रास्ता साफ हो गया।

# पाकिस्तान खुद एक समस्या, भारत है उससे अच्छा मीडिएटर, इजरायल से उठी मांग

**येरूशलम, एजेंसी।** इजरायल का कहना है कि पाकिस्तान से अच्छा मध्यस्थ भारत साबित होता। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब पाकिस्तान लगातार मध्यस्थ बनने की कोशिश कर रहा है। हालांकि, खबरें हैं कि ईरानी पक्ष ने बातचीत से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने वार्ता की मेजबानी करने का अनुरोध किया था। एक इंटरव्यू के दौरान इजरायली विदेश मंत्रालय की विशेष दूत फ्लूर हसन-नहूम से पाकिस्तान की मध्यस्थता को लेकर सवाल किया गया। उन्होंने कहा, 'मेरा मतलब है, मुझे नहीं पता कि पाकिस्तानियों को क्या लगता है कि वे क्या कर रहे हैं। मुझे लगता है कि वे खुद को प्रासंगिक बनाने की कोशिश कर रहे हैं। वे खुद जिहादी आतंकवाद की दुनिया में एक बहुत

बड़ी समस्या हैं। लेकिन, आप जानते हैं, वे कोशिश कर सकते हैं। मुझे यकीन नहीं है कि वे बहुत सफल होंगे।'

**भारत की तारीफ :** इस दौरान उन्होंने भारत की तरफ से उठाए गए कदमों की भी चर्चा की। उन्होंने कहा, 'भारत इजरायल का एक बहुत करीबी सहयोगी है। जैसा कि आप जानते हैं, युद्ध शुरू होने से कुछ ही दिन पहले आपके प्रधानमंत्री यहां आए थे। और हम समझते हैं कि भारत सभी के साथ बेहतरीन संबंध रखता है। अगर आप मुझसे पूछें, तो वे पाकिस्तान की तुलना में कहीं बेहतर मध्यस्थ हो सकते हैं। लेकिन देखते हैं कि चीजें आगे कैसे बढ़ती हैं।

**पाकिस्तान कर रहा कोशिशें :** पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने रविवार को कहा कि सऊदी अरब, मिस्र और तुर्किये के विदेश मंत्रियों के साथ बैठक के बाद इस्लामाबाद अमेरिका और ईरान के बीच वार्ता आयोजित करेगा। डार ने विदेश मंत्रियों के पश्चिम एशिया संघर्ष पर चर्चा किए जाने के दौरान यह बात कही। पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था में गंभीर संकट पैदा हुए हैं।

**ईरान ने कर दिया बातचीत से इनकार :** ईरान ने सोमवार को अमेरिका के साथ युद्ध खत्म करने पर बातचीत करने से इनकार किया है। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि तेहरान को मध्यस्थों के माध्यम से संदेश मिले हैं कि अमेरिका बातचीत के लिए तैयार है। उनकी ओर से भेजी गई शर्तें अतार्किक हैं। हमारा रुख साफ है। हमपर सैन्य हमला हुआ है। इसलिए हमारी पूरी ताकत अपनी रक्षा पर ध्यान लगा रहे हैं। प्रेस ब्रीफिंग में इस्माइल बघाई ने कहा कि अब तक ईरान और अमेरिका के बीच सिर्फ मध्यस्थों के जरिए संदेशों का आदान-प्रदान हुआ है। कोई सीधी बातचीत नहीं हुई है। पाकिस्तान में हुई बैठकों पर ईरान ने स्पष्ट किया कि ये उनकी अपनी पहल है, इसमें ईरान शामिल नहीं है। बघाई ने कहा कि ईरान का रुख शुरू से स्पष्ट रहा है, जबकि अमेरिका अपने रवैए में लगातार बदलाव करता रहा है। बघाई ने कहा कि अमेरिकी अधिकारी जो चाहें बोल सकते हैं।

# पत्रकारों से बदसलूकी पर इस्राइली सेना की कार्रवाई, बटालियन को किया निलंबित; सेनाध्यक्ष ने जताया खेद

**यरुशलम, एजेंसी।** इस्राइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने वेस्ट बैंक के जुडिया और सामरिया इलाके में पत्रकारों के साथ अपने सैनिकों के गलत व्यवहार को स्वीकार किया है। चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ की अगुवाई में हुई एक आंतरिक जांच के बाद सेना ने यह कदम उठाया है। यह मामला 'एरिया ए' में एक अवैध चौकी को खाली कराने के अभियान से जुड़ा है। इस्राइली सेना ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि चीफ ऑफ द जनरल स्टाफ ने पत्रकारों के प्रति सैनिकों के आचरण की जांच पूरी कर ली है। जांच में पाया गया कि पत्रकारों के साथ व्यवहार के दौरान सैनिकों से कई गलतियां हुईं। रिपोर्ट के अनुसार, सैनिकों के व्यवहार के तरीके में कमियां थीं और उन्होंने सेना के आदेशों का उल्लंघन किया। सैनिकों ने प्रेस के सदस्यों के साथ बातचीत के लिए तय किए गए नियमों का पालन नहीं किया।

जांच के नतीजों से पता चला कि उस इलाके में तैनात सैनिकों ने सैन्य प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया। ऑपरेशन वाले क्षेत्रों में पत्रकारों के साथ कैसे पेश आना है, इसके लिए बने नियमों को तोड़ा गया। इन गलतियों ने यूनिट के अनुशासन और नियमों के पालन पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

**बटालियन को किया गया निलंबित :** इन कमियों को देखते हुए इस्राइली सेना ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। सेना ने उस इलाके में तैनात बटालियन के ऑपरेशनल तैनाती को तुरंत निलंबित कर दिया है। सेना ने अपना रुख साफ करते हुए कहा कि वह प्रेस की आजादी का सम्मान करती है और उसे बढ़ावा देती है। सेना ने इस घटना पर गहरा खेद जताया है। यह कदम मीडिया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह भरोसा दिलाने के लिए उठाया गया है कि सेना प्रेस की स्वतंत्रता के प्रति प्रतिबद्ध है। मुख्य सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर ने इस मामले पर कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने इसे एक गंभीर नैतिक घटना बताया जो सेना के मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हर सैनिक भर्ती के समय शपथ लेता है कि हथियारों का इस्तेमाल केवल मिशन को पूरा करने के लिए होगा। हथियारों का इस्तेमाल कभी भी बदला लेने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि इस्राइली सेना के भीतर ऐसी घटनाओं को कभी स्वीकार नहीं किया जाएगा। वेस्ट बैंक में अवैध बस्तियों को खाली कराना हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित प्रक्रिया रही है। इन अभियानों के दौरान अक्सर पत्रकार, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग वहां मौजूद रहते हैं। ऐसे में सेना के लिए नियमों का सख्ती से पालन करना और मीडिया के साथ सही तालमेल बनाए रखना बहुत जरूरी होता है।

# होर्मुज पर नेतन्याहू ने सुझाया स्थाई समाधान, बोले- सैन्य कार्रवाई कुछ समय के लिए दे सकती है स्थिरता

**तेल अवीव, एजेंसी।** इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुनिया की ऊर्जा सप्लाई को सुरक्षित रखने के लिए एक सुझाव दिया है। उन्होंने कहा है कि होर्मुज जलडमरूमध्य पर निर्भरता कम करने के लिए ऊर्जा पाइपलाइनों का रास्ता बदलना चाहिए। नेतन्याहू के अनुसार, इन पाइपलाइनों को सऊदी अरब के रास्ते लाल सागर और भूमध्य सागर की तरफ ले जाना एक स्थायी समाधान हो सकता है।

**क्या बोले नेतन्याहू :** नेतन्याहू ने न्यूजमैक्स के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि होर्मुज जलडमरूमध्य ईरान के पास है। इस वजह से ईरान जब चाहे वैश्विक ऊर्जा सप्लाई को खतरे में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि सैन्य समाधान केवल कुछ समय के लिए स्थिरता दे सकता है। लेकिन अगर पाइपलाइनों का रास्ता बदल दिया जाए, तो ईरान की रणनीतिक ताकत कम हो जाएगी। नेतन्याहू का मानना है कि जमीन के रास्ते नए पाइपलाइन नेटवर्क बनाने से वैश्विक ऊर्जा बाजार पर ईरान का दबदबा खत्म होगा।

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण रास्तों में से एक है। दुनिया का लगभग 20 प्रतिशत तेल निर्यात इसी रास्ते से होता है। इसके एक तरफ ईरान है और दूसरी तरफ सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ओमान जैसे देश स्थित हैं।

**होर्मुज पर ईरान की नई नीति :** इस बीच, ईरान की संसद की सुरक्षा समिति ने 'होर्मुज जलडमरूमध्य प्रबंधन योजना' को मंजूरी दे दी है। ईरान की सरकारी

मीडिया के अनुसार, इस योजना के तहत ईरान इस रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर टैक्स (टोल) लगाएगा। यह टैक्स ईरान की मुद्रा रियाल में लिया जाएगा। इस योजना में जहाजों की सुरक्षा, पर्यावरण की रक्षा और वित्तीय इंतजामों के कड़े नियम शामिल हैं। ईरान की इस नई योजना में साफ कहा गया है कि अमेरिका और इस्राइल के जहाजों को इस रास्ते से गुजरने की अनुमति नहीं मिलेगी। साथ ही, उन देशों के जहाजों पर भी रोक रहेगी जो ईरान पर एकतरफा पाबंदियां लगाते हैं। ईरान इस जलमार्ग पर अपनी संप्रभुता और सेना की भूमिका को मजबूत कर रहा है। इसके लिए वह ओमान के साथ मिलकर कानूनी ढांचा तैयार करने पर भी काम कर रहा है। इस बीच, व्हाइट हाउस ने दावा किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद तेल के टैंकरों की आवाजाही जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि यह सब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में हुई कूटनीति का नतीजा है। लेविट ने उन दावों को खारिज कर दिया कि ईरान अपनी मर्जी से केवल कुछ जहाजों को जाने दे रहा है। आने वाले दिनों में 20 और टैंकरों के निकलने की उम्मीद है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिकी प्रशासन की लगातार कोशिशों के बिना टैंकरों की यह आवाजाही संभव नहीं होती।

# वियतनाम की राजधानी में 2026 में अब तक कोविड-19 के 29 मामले सामने आए

**हनोई, एजेंसी।** वियतनाम की राजधानी हनोई में वर्ष की शुरुआत से अब तक कोविड-19 के 29 मामले दर्ज किए गए हैं जबकि किसी के मौत की सूचना नहीं मिली है। हनोई सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल ने बताया कि 20 से 27 मार्च के बीच 12 कम्यून और वार्ड में 17 नए कोविड-19 संक्रमण दर्ज किए गए, जबकि पिछले सप्ताह केवल तीन मामले सामने आए थे। बीए.3.2 वैरिएंट के संबंध में, जिसे वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने जनता से सावधान रहने के साथ घबराने से बचने की सलाह दी। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, यह वैरिएंट लैब स्थितियों में कुछ एंटीजनिक बदलाव और इम्यून एस्केप विशेषताएँ दिखाता है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से भीड़भाड़ वाले या बंद स्थानों में मास्क पहनने, नियमित सफाई और लक्षण बिगड़ने पर चिकित्सकीय देखभाल लेने जैसे बचाव उपाय बनाए रखने की सलाह दी। हाल ही में एक नया कोविड-19 वैरिएंट, जिसे अनौपचारिक रूप से 'सिकाडा' कहा गया है, कई क्षेत्रों में सीमित समूहों में पाया गया है, जिससे वैज्ञानिक इसके लक्षणों, संक्रामक क्षमता और संभावित प्रभाव की करीबी निगरानी कर रहे हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, कोविड-19 एक संक्रामक रोग है, जिसे सार्स सीओवी-2 वायरस पैदा करता है। इस वायरस से संक्रमित अधिकांश लोग हल्के से मध्यम श्वसन रोग का अनुभव करेंगे और बिना विशेष उपचार के ठीक हो जाएंगे। हालांकि, कुछ लोग गंभीर रूप से बीमार हो सकते हैं और उन्हें चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता हो सकती है। बुजुर्ग और हृदय रोग, मधुमेह, पुरानी श्वसन बीमारी या कैंसर जैसी पूर्व मौजूद स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोग गंभीर बीमारी विकसित होने की अधिक संभावना रखते हैं। किसी भी उम्र में कोई भी व्यक्ति कोविड-19 से संक्रमित हो सकता है और गंभीर रूप से बीमार या मृत्यु के जोखिम में रह

सकता है। संक्रमण को रोकने और धीमा करने का सबसे अच्छा तरीका है रोग और वायरस के फैलाव के बारे में अच्छी जानकारी रखना। दूसरों से कम से कम एक मीटर की दूरी बनाए रखें, ठीक से फिट किया हुआ मास्क पहनें, हाथ धोएं या अल्कोहल आधारित हैंड रब का नियमित उपयोग करें। जब आपकी बारी आए तो टीका लगवाएं और स्थानीय दिशानिर्देशों का पालन करें। वायरस संक्रमित व्यक्ति के मुंह या नाक से निकलने वाले छोटे तरल कणों के माध्यम से फैल सकता है, जब वह खांसता, छींकता, बोलता, गाता या सांस लेता है। ये कण बड़े श्वसन बूंदों से लेकर छोटे एरोसोल तक हो सकते हैं। श्वसन शिष्टाचार का पालन करना महत्वपूर्ण है, जैसे कि खांसते समय कोहनी को मोड़कर खांसना और यदि आप अस्वस्थ महसूस करें तो घर पर रहकर आत्म-एकांत अपनाना चाहिए जब तक आप पूरी तरह स्वस्थ न हो जाएं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
( PRGI No. - UPHIN/25/A0086 )